नई दिल्ली, रविवार 15 फरवरी 2026 ■ फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष-13 ■ वर्ष : 29, अंक : 303 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 27 न्यून. 13 haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

महाशिवरात्रि की मंगलकामनाएं

असम में पीएम मोदी ने निशाना साधते हुए कहा- कांग्रेस ने पूर्वोत्तर को हमेशा 'तरसाया'

कांग्रेस भारत को देश नहीं मानती, वह आतंकियों को अपने कंधे पर बिठाती है

पीएम ने कहा कि पूर्वोत्तर हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है। इस वर्ष का बजट, अष्टलक्ष्मी के लिए भाजपा-एनडीए के विजन को और मजबूती देने वाला है

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

असम में इस साल विधानसभा चुनाव हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से चंद हफ्ते पहले राज्य को विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी में आयोजित जनसभा में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। बढ़ती सियासी सरगर्मियों के बीच चुनावी बिगुल फूंकते हुए पीएम मोदी ने एक तरफ जहां भाजपा के कार्यकाल में हुए फैसलों और विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया तो दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टी- कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया।

पुलवामा आतंकी हमले की सातवीं बरसी का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि शनिवार को ही पुलवामा हमले की बरसी है। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह ▸▸शेष पेज 5 पर

आज की कांग्रेस मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी एमएमसी बन गई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी में लोगों का अभिवादन करते हुए

» ***पुलवामा अटैक पर कहा कि भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा***

» ***आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया, अब कांग्रेस देश को बांटने में लग गई***

2014 के बाद नार्थईस्ट के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार

कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर को नजरअंदाज कर कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फंड आवंटित करने से परहेज किया। उन्होंने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के कार्यकाल में किए जा रहे फैसलों को रेखांकित करते हुए लोकार्पण के बाद खोले गए भास्कर सेतु समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। असम के पद्म सम्मान विजेता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी ही एक संतान कबीन्द्र पुरकायस्थ जी को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने अपना पूरा जीवन असम और समाज की ▸▸शेष पेज 5 पर

असम को टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में लगभग 50 हजार करोड़ मिलेंगे

पीएम ने कहा कि बजट में बहुत अधिक जोर नार्थईस्ट को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है। इस बार असम को टैक्स की हिस्सेदारी के रूप में लगभग 50 हजार करोड़ मिलने वाले हैं। कांग्रेस के समय असम को कैसे पाई-पाई के लिए तरसा कर रखा जाता था। वो आपको भलीभांति याद होगा। कांग्रेस के समय असम को टैक्स के हिस्से के रूप में सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए मिलते थे। प्रधानमंत्री ने ▸▸शेष पेज 5 पर

असम को दी गई प्रमुख सौगातें

- कुमार भास्कर वर्मा सेतु (ब्रह्मपुत्र नदी पर नया पुल)
- इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी
- आईआईएम गुवाहाटी का शुभारंभ
- नेशनल डेटा सेंटर (एनडीएस)
- इलेक्ट्रिक बसों की सौगात
- चाय टू चिप्स

कार्यकर्ताओं के दर्शन करना बहुत बड़ा सौभाग्य

भाजपा की नीति और विचारधारा का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमारा विश्वास संगठन में है। हम राष्ट्रजीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति मानते हैं। इसलिए, इतनी बड़ी तादाद में जमीन की जड़ों से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं के दर्शन करना बहुत बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि हम लोग एक ही मंत्र को लेकर जिए हैं, हम लोग एक ही मंत्र को साकार करने के लिए अपने आप को खपा रहे हैं। वो मंत्र है - भारत माता की जय!

अब उत्तर-पूर्व में नहीं चलेगी चीन की कोई टेढ़ी चाल...

डिब्रूगढ़-मोरान हाईवे पर बने आपातकालीन रनवे पर प्रधानमंत्री मोदी की ऐतिहासिक लैंडिंग

» ***वायुसेना के बड़े परिवहन विमान सी-130जे सुपर हरक्यूलिस से उतरे पीएम***

» ***रनवे पर एयर शो में सुनाई दी सुखोई-30 एमकेआई, राफेल, एएन-32 और ध्रुव हेलिकॉप्टर की गर्जना***

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भारत-चीन के बीच एलएसी विवाद पूरी तरह से खत्म होने के बाद उत्तर-पूर्वी क्षेत्र से भारत के लिए एक खुशखबरी आई है। जिसमें यह जानकारी मिली है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के डिब्रूगढ़-मोरान राष्ट्रीय राजमार्ग-127 पर बनाई गई पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन रनवे सुविधा (ईएलएफ) का सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान के साथ अपनी ऐतिहासिक लैंडिंग के जरिए उद्घाटन किया है। इसकी कुल लंबाई 4.2 किलोमीटर है। परियोजना पर कुल 100 करोड़ रुपए की लागत आई है। समारोह में प्रधानमंत्री के अलावा असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा मौजूद रहे। एक्स पर पोस्ट में पीएम ने बताया, 'उत्तर पूर्वी क्षेत्र में आपातकालीन लैंडिंग सुविधा होने पर गर्व है। यह रणनीतिक दृष्टि से और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण है'।

भास्कर वर्मा सेतु का किया लोकार्पण: ईएलएफ पहुंचने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य में वायुसेना के एक प्रमुख ठिकाने चाबुआ एयरबेस से सी-130 विमान में उड़ान भरी थी। वहां पहुंचने पर राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह और केंद्र, राज्य के अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मौजूद थे। इसके अलावा ▸▸शेष पेज 5 पर

एलएसी से कम दूरी ने बढ़ाया महत्व

सामरिक दृष्टिकोण से यहां ध्यान देने वाली एक महत्वपूर्ण बात ये है कि ऊपरी असम में बनाई गई इस ईएलएफ की इलाके में चीन से लगी हुई वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) से दूरी 300 किलोमीटर से भी कम है। अब यहां पर आवश्यकता पड़ने पर या किसी आपातकालीन परिस्थिति में वायुसेना के सुखोई, राफेल, तेजस, जगुआर जैसे तमाम अग्रणी पंक्ति के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और परिवहन विमान आसानी से टेकऑफ और लैंड कर सकेंगे। जिससे सीमाई क्षेत्र में तैनात सेना, वायुसेना की रणनीतिक क्षमता के साथ ही प्राकृतिक आपदा के समय राहत-बचाव कार्यों की गति ▸▸शेष पेज 5 पर

इससे भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 389 किलोमीटर बढ़ेगा

कैबिनेट ने दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों में अतिरिक्त पटरियां बिछाने की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी

» ***परियोजना की कुल अनुमानित लागत लगभग 18,509 करोड़ रुपये है और ये कार्य 2030-31 तक पूरी होगा***

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने कल रेल मंत्रालय की तीन परियोजनाओं को मंजूरी दे दी, जिनकी कुल लागत 18,509 करोड़ रुपये (लगभग) है। इन परियोजनाओं में कसारा–मनमाड तीसरी और चौथी लाइन, दिल्ली–अंबाला तीसरी और चौथी लाइन,बैल्लारी–होसपेट तीसरी और चौथी लाइन, दिल्ली–अम्बाला तीसरी और चौथी लाइन, बैल्लारी–होसपेटे तीसरी और चौथी लाइन शामिल हैं।

विस्तारित पटरी क्षमता से गतिशीलता काफी बढ़ेगी, जिससे भारतीय रेलवे की संचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बेहतर होगी। अतिरिक्त पटरियां बिछाने के प्रस्ताव को आसान बनाने और भीड़भाड़ कम करने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नये भारत की कल्पना के मुताबिक हैं, जो क्षेत्र के लोगों को "आत्मनिर्भर" बनाएगा। इसके लिए इलाके में बड़े पैमाने पर विकास होगा, जिससे उनके रोज़गार/ स्व-रोजगार के मौके बढ़ेंगे।

ये परियोजनाएं पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर बनाई गई है, जिसमें एकीकृत योजना और साझीदार परामर्श के ज़रिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। ये परियोजनाएं लोगों, सामान और सेवाओं को लाने-ले जाने के लिए आसान सम्पर्क देंगे। दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों के 12 जिलों को कवर करने वाली तीन परियोजनाओं ▸▸शेष पेज 5 पर

नई दिल्ली में एक निजी कार्यक्रम में हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने की शिरकत

विकसित भारत में रहेगी हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका: सीएम नायब

मुख्यमंत्री बोले- निवेशकों की पहली पसंद बना हरियाणा, तेजी से हो रहा औद्योगित इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि हरियाणा निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। हरियाणा सरकार ने पिछले बजट में 10 नई आईएमटी बनाने की घोषणा की थी। इनमें से 6 आईएमटी पर तेजी से काम चल रहा है बाकि 4 आईएमटी का काम भी जल्द पूरा किया जाएगा। जीएसटी में प्रदेश पहले स्थान पर है। हरियाणा में रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर इतना बेहतर है कि साढ़े से चार घंटे में एक कौने से दूसरे कौने में जाया जा सकता है।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 में विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा है, इसे पूरा करने में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार निरंतर कार्य कर रही है। नई-नई योजनाएं बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट, चंडीगढ़ एयरपोर्ट और हिसार एयरपोर्ट की सीधे कनेक्टिविटी है। इन सभी को ध्यान में रखकर निवेशक निरंतर हरियाणा में आ रहे हैं, इससे विकसित भारत में हरियाणा की महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि 1966 में जब हरियाणा-पंजाब से अलग होकर एक नया प्रदेश बना तो हर किसी को प्रदेश की तरक्की पर शक था लेकिन हरियाणा ने तेजी से तरक्की की और अपनी अलग पहचान बनाई। आज भारत की सेना में हर दूसरा ▸▸शेष पेज 5 पर

बांग्लादेश ने की भारत के पीएम को समारोह में आमंत्रित किए जाने की पुष्टि

भारत के साथ संबंधों पर बोले रहमान, बांग्लादेश और उसकी आम-जनता के हितों से होगा हमारी विदेश नीति का निर्धारण

तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए बांग्लादेश जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी!

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

बांग्लादेश के आम-चुनावों में दो तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहे बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष और जल्द प्रधानमंत्री की शपथ लेने वाले तारिक रहमान ने शनिवार को भारत के साथ अपने भावी संबंधों के मामले में पहली प्रतिक्रिया दी है। जीत के बाद आयोजित की गई पहली प्रेस वार्ता में पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे देश और उसकी आम-जनता के हितों से मुताबिक ही बांग्लादेश की विदेश नीति तय की जाएगी। हमारी सरकार की प्राथमिकताओं में देश

की अर्थव्यवस्था में सुधार, कानून व्यवस्था और प्रशासन जैसे मुद्दे रहेंगे। शपथ ग्रहण समारोह अगले सप्ताह में आयोजित किया जा सकता है। भारत की तरफ से अभी तक इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

पीएम मोदी को भेजा जाएगा न्योता

रहमान के एक बेहद करीबी, विदेश नीति के सलाहकार और बीएनपी नेता हुमायूं कबीर ने कहा कि अपने नेता (तारिक रहमान) के शपथ ग्रहण समारोह में पार्टी द्वारा भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित करने की योजना है। दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया के तहत ये एक सद्भावना भरा संदेश होगा। क्षेत्र का प्रभाव बढ़ाने की तारिक रहमान की सोच रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए आप लोगों को निमंत्रण देते हैं और यह उम्मीद करते हैं कि वो शामिल भी होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भारत के साथ आमजन के पहलुओं से संबंधों को मजबूत बनाने के पक्ष में है। घरेलू प्राथमिकताओं के साथ ही हमारी कुछ अंतरराष्ट्रीय ▸▸शेष पेज 5 पर

आरोग्य संस्थान के विस्तार की घोषणा

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया डॉ. हेडगेवार की प्रतिमा का अनावरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शाहदरा के डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पहले सरसंघचालक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. हेडगेवार ने जो विचार और लक्ष्य शुरू किया था, वह आज मजबूत और विशाल संगठन के रूप में देश सेवा कर रहा है। व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज को संगठित करने का उनका मार्ग आज भारत के सांस्कृतिक जागरण की मजबूत नींव बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्थान में लगी यह प्रतिमा केवल स्मारक नहीं है, बल्कि यह सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना की प्रेरणा देती रहेगी। इस अवसर पर दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि आज डॉ. हेडगेवार आरोग्य संस्थान, कड़कड़डूमा में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की प्रतिमा का अनावरण हम सबके लिए गौरव

और प्रेरणा का क्षण है। जिस अस्पताल का नाम उनके आदर्शों पर आधारित हो और वहां उनके जीवन व योगदान का कोई प्रतीक चिन्ह न हो, यह निश्चित रूप से एक कमी थी। इस अवसर पर विश्वास नगर के विधायक ओम प्रकाश शर्मा, लक्ष्मी नगर के विधायक अभय वर्मा, शाहदरा के विधायक संजय गोयल, कृष्णा नगर के विधायक अनिल गोयल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल की बढ़ती जरूरत को देखते हुए इसके विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जल्द ही यहां नई मंजिल बनाई जाएगी और आधुनिक चिकित्सा मशीनें लगाई जाएंगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि संस्थान में जो भी कमियां हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि विस्तार के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर काम जल्द शुरू किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुनापार की बड़ी आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलें, इसके लिए मजबूत और व्यवस्थित हेल्थ नेटवर्क बनाना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के एक साल के कार्यकाल में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना के तहत स्वास्थ्य कवर को 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी बुजुर्गों के लिए 'वय वंदन योजना' की शुरुआत की गई है। अब तक 7 लाख से अधिक नागरिक इस योजना में पंजीकृत हो चुके हैं और लगभग 30 हजार लोगों को उपचार का लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली में अब तक 370 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जा चुके हैं और 1100 केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार के सभी अस्पतालों को पूर्ण रूप से डिजिटल किया जा चुका है। अब प्रत्येक मरीज का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड उपलब्ध है, ऑनलाइन ओपीडी अपॉइंटमेंट की सुविधा शुरू कर दी गई है और किसी भी अस्पताल में उपचार का पूरा इतिहास एक क्लिक में देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि इससे न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, बल्कि उपचार प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी और सुव्यवस्थित होगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा के कारण कई अस्पतालों में आवश्यक मशीनों का अभाव था, लेकिन वर्तमान सरकार ने स्वास्थ्य ढांचे को सशक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

चार जगह खिलखिलाते फूलों को देखने का अवसर

एलजी ने किया पलाश महोत्सव का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पलाश महोत्सव 2026 का उद्घाटन उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने किया। उपराज्यपाल पहले दिन शनिवार को बांसेरा में पहुंचे और उद्घाटन करते हुए कि महोत्सव दिल्ली वालों को बुला रहा है। इस अवसर पर एलजी सक्सेना के अलावा डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार और अन्य आला अधिकारी आदि मौजूद थे। बता दें कि दिल्ली में पहली बार एक साथ चार जगहों पर आयोजित किया जा रहा है। जो 14 से 16 फरवरी 2026 तक बांसेरा, अशोका गार्डन, लाला हरदयाल पार्क और स्मृति वन में एक साथ हो रहा है। फेस्टिवल में फूलों की सजावट, एंटरटेनमेंट के रास्ते और कई तरह के कॉम्पिटिशन जैसी कई अन्य आकर्षक एक्टिविटीज है। हर जगह को नेचर, सस्टेनेबिलिटी और कम्युनिटी लाइफ को दिखाने वाली एक अलग थीम के हिसाब से क्यूरेट किया गया है। महोत्सव का उद्घाटन के बाद एलजी सक्सेना ने कहा कि पलाश महोत्सव 2026 से नेशनल कैपिटल के लोग एक वाइब्रेंट और दिलचस्प माहौल में नेचर के और करीब आ गए है। वहीं अशोक विहार स्थित अशोका गार्डन में आयोजित महोत्सव का उद्घाटन वजीरपुर से विधायक पूनम भारद्वाज शर्मा की मौजूदगी में हुआ। इस अवसर पर सबसे पहली टिकट खुद विधायक पूनम ने ही खरीदा। जबकि नरेला स्थित स्मृति वन में हुए इवेंट का उद्घाटन नॉर्थ वेस्ट दिल्ली के सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने किया। दूसरी तरफ बांसेरा में एलजी सक्सेना ने कहा कि पलाश महोत्सव प्रकृति, समुदाय और पर्यावरण के प्रति हमारी साझा जिम्मेदारी का जश्न है। मैं शहर में जीवन की क्वालिटी को बेहतर बनाने वाले हरे-भरे पब्लिक स्पेस बनाने और बनाए रखने के लिए डीडीए की लगातार कोशिशों की तारीफ करता हूँ। ऐसी कोशिशें पर्यावरण के प्रति जागरूकता को मजबूत करती हैं और लोगों और प्रकृति के बीच गहरा रिश्ता बनाती हैं।

सक्सेना ने किया ग्रीन एक्सपो व डीडीए ग्रीनस 2026 का उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली में हरियाली को बढ़ावा देने के तहत उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शनिवार को बांसेरा में डीडीए के दो दिवसीय ग्रीन एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही एलजी सक्सेना ने डीडीए ग्रीन एक्सपो व डीडीए ग्रीन लोगो और डीडीए ग्रीन ईयर बुक 2026 का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर डीडीए ने राजधानी में हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देने के लिए कई समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए। दो दिवसीय एक्सपो का विषय बियॉन्ड ग्रोथ रीइमेजिनिंग अर्बन फ्यूचर्स है। जिसमें वरिष्ठ सरकारी नेता, शहरी योजनाकार, जलवायु विशेषज्ञ और उद्योग हितधारक सब एक ही मंच पर हैं। इस अवसर पर एलजी सक्सेना ने कहा कि यह एक्सपो दिल्ली के लिए एक हरित, स्वस्थ और अधिक आशाजनक भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो न केवल सम्मेलनों और प्रदर्शनियों के बारे में है, बल्कि लोगों के बारे में भी है। यह हजारों दिल्ली निवासियों को सम्मानित करता है, जो अपने घरों के बाहर छोटे ग्रीन पैच का पोषण करते हैं, जो अपने बच्चों को स्थानीय पक्षियों के बारे में सिखाते हैं, जो पौधे लगाते हैं और उनकी देखभाल करते हैं। उन्होंने कहा कि वे हमारी पर्यावरणीय यात्रा के दैनिक नायक हैं।

'स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार कर रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिर : सत्या शर्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी सोच, दूरदर्शी नेतृत्व और उनके विजन के अनुरूप 'स्वस्थ भारत' के संकल्प को साकार करने में आयुष्मान आरोग्य मंदिर निर्माण के प्रयास महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने शनिवार को शाहदरा उत्तरी जोन के गौतमपुरी क्षेत्र में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के उद्घाटन के मौक पर यह संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि यह केंद्र क्षेत्र के नागरिकों को सुलभ, सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। सत्या शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाएं अब आमजन के द्वार तक पहुंच रही हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से स्थानीय निवासियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उनके अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध होंगी, जिससे उन्हें दूर स्थित अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम होगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपायुक्त अभिषेक कुमार एवं निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा ने बताया कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में प्रत्येक नागरिक को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयां, आधुनिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं, कैंसर जांच, टीकाकरण तथा मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलेगा।

डीएमआरसी ने बदला उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम, अब सेवा तीर्थ के नाम से नई पहचान

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम बदल दिया है। अब इस स्टेशन को सेवा तीर्थ स्टेशन के नाम से नई पहचान दी गई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के नए कार्यालय सेवा तीर्थ के शुरू होने के चलते उठाया गया है। सनद रहे कि हाल ही में डीएमआरसी ने दिल्ली में यमुनापार मयूर विहार फेस-1 का नाम परिवर्तन करके श्री राम मंदिर मयूर विहार मेट्रो स्टेशन किया गया था। उसके बाद अब उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन का नाम भी बदल दिया गया है। बता दें कि यह स्टेशन दिल्ली मेट्रो की येलो लाइन का हिस्सा है, जो लोक कल्याण मार्ग मेट्रो स्टेशन के बगल में है। इससे दिल्ली में लाखों लोगों को आसानी से पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिलता रहा है।

रविन्द्र इंद्राज ने प्रहलादपुर में किया सड़कों एवं नालियों के सुधार कार्यों का शुभारंभ

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम दिल्ली के प्रहलादपुर में सड़कों एवं नालियों के सुधार व विकास कार्यों का समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना से विधायक रविन्द्र इंद्राज सिंह ने शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि इस पहल से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी और स्थानीय नागरिकों को सुगम आवागमन, बेहतर जल निकासी तथा स्वच्छ वातावरण का लाभ प्राप्त होगा। मजबूत आधारभूत संरचना के निर्माण से जलभराव की समस्या में कमी आएगी और दैनिक आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सरल बनेगा। समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बताया कि यह विकास कार्य मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में मंत्री के प्रयास पर दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड फंड के माध्यम से किया जा रहा है। इस अवसर पर मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने कहा कि प्रहलादपुर क्षेत्र में सड़कों एवं नालियों के सुधार कार्यों का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़कें और सुचारु जल निकासी व्यवस्था न केवल आवागमन को सुरक्षित बनाती हैं, बल्कि क्षेत्र के समग्र विकास को भी सुनिश्चित करती हैं।

निगम एमटीएस कर्मियों ने जताया मुख्यमंत्री का आभार

नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जन स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत लगभग 4000 एमटीएस कर्मियों की संबंधित मांगों के प्रस्ताव को लागू किए जाने पर एंटी मलेरिया एकता कर्मचारी यूनियन ने मुख्यमंत्री सहित निगम प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। यूनियन के महासचिव देवानंद शर्मा ने शनिवार को बताया कि निगम सदन में पारित बजट प्रस्ताव के अनुरूप जन स्वास्थ्य विभाग के एमटीएस कर्मियों को ग्रेड पे और वेरिएबल डीए देने का निर्णय कर्मियों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा किए गए वादे तथा निगम शासन-प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासनों को पूरा किए जाने से कर्मियों में खुशी की लहर है।

यूनियन ने दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली के महापौर सरदार राजा इकबाल, स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, नेता सदन प्रवेश वाही, निगम स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष मनीष चड्ढा, निगम आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

एक बार फिर न्यूनतम तापमान पहुंचा सिंगल डिजिट में, दिन में तेज धूप दे रही गर्मी का अहसास

नई दिल्ली। कई दिनों बाद एक बार फिर दिल्ली के मौसम ने करवट ली है। जिसके चलते राजधानी में न्यूनतम तापमान फिर सिंगल डिजिट 9.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस नीचे है। लेकिन दिन के तापमान में अब भी गर्मी महसूस हो रही है। दिन का अधिकतम तापमान 27.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस अधिक है। यानी जहां एक तरफ रात सर्द हो गई है, वहीं दिन में सूरज की तपिश से गर्मी पसीने निकाल रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने वीकेंड मतलब रविवार के लिए मौसम का अनुमान व्यक्त करते हुए बताया कि लगभग ऐसा ही मौसम बना रहेगा। रात के तापमान में एक डिग्री की बढ़त की संभावना है। दिनभर आसमान एकदम साफ सुथरा रहेगा, लेकिन सुबह के समय कहीं कहीं कुहासा देखने को मिलेगा।

दिल्ली में सुशासन का एक साल-27 साल में पहली बार खुले जनता के लिए सीएम के द्वार

एक साल में रेखा सरकार ने बदल दी शासन की परिभाषा, शिकायत से समाधान तक सीधा संवाद, सम्मान और विश्वास

नई दिल्ली

दिल्ली ने शासन का ऐसा मानवीय चेहरा पहले कभी नहीं देखा था। वह दौर अब बीत चुका है जब सत्ता के दरवाज़े ऊँची दीवारों के पीछे बंद रहते थे और आम नागरिक अपनी समस्या लेकर दफ्तर-दफ्तर भटकता था। आज मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार ने न केवल अपने द्वार खोले हैं, बल्कि खुद जनता के दरवाज़े तक पहुँचकर उनसे संवाद कर रही है, उनकी समस्याओं का समाधान

निकाल रही है। यह केवल प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि सेवा, सुशासन और संवाद का एक नया युग है।

मुख्यमंत्री के कार्यकाल की शुरुआत की वह तस्वीर आज भी दिल्ली के लोगों के मन में जीवित है - शालीमार बाग में उनके निजी आवास के बाहर सड़क किनारे एक साधारण मेज़ और एक कुर्सी, और जनता से सीधा संवाद। न कोई प्रोटोकॉल, न कोई औपचारिकता—सिर्फ संवाद, संवेदनशीलता और समाधान का संकल्प। यही वह भावना थी, जिसने आगे चलकर 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' का स्वरूप लिया।

जनसेवा सदनः जन-जन के सम्मान और समाधान का केंद्र

4 जुलाई 2025 को सिविल लाइंस में शुरू हुआ 'मुख्यमंत्री जनसेवा सदन' केवल एक भवन नहीं, बल्कि दिल्ली के नागरिकों के आत्मसम्मान का प्रतीक बन गया। यहाँ हर व्यक्ति सीधे अपनी बात सरकार तक रख सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाता है। यह पहली बार है जब राजधानी में शासन का केंद्र जनता के लिए इतना सुलभ और संवेदनशील बना है।

मुख्यमंत्री का स्पष्ट संदेश है— 'जनसेवा हमारा परम कर्तव्य है, और दिल्लीवासियों का सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता।'

शिकायत नहीं दबेगी, अब हर आवाज़ को मिल रहा है जवाब

1. रेखा सरकार ने जन शिकायतों को फाइलों में दबने वाली प्रक्रिया नहीं रहने दिया। 2. सभी डीएम, एसडीएम और सब-रजिस्ट्रार कार्यालयों में शिकायत पेटियाँ लगाई गईं। 3. इनकी निगरानी सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा की जा रही है। 4. लंबित मामलों पर नियमित समीक्षा और एक्शन टेकन रिपोर्ट अनिवार्य की गई। 5. आज स्थिति यह है कि हर शिकायत एक समयबद्ध प्रणाली से गुजरती है और उसका समाधान सुनिश्चित होता है। भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने प्रशासन को जवाबदेह बनाया है।

प्रशासन जनता के और करीब

रेखा सरकार ने प्रशासनिक ढाँचे को भी जमीनी बनाया जा रहा है। राजस्व जिलों की संख्या 11 से बढ़ाकर 13 की गई। हर जिले में आधुनिक मिनी सचिवालय स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ कई विभागों की सेवाएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी।अब नागरिक को अलग-अलग दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे— सरकार खुद उनके करीब आ गई है।

विधायक आपके द्वारः जनसंवाद का नया अध्याय

रेखा सरकार ने जनप्रतिनिधियों को भी मिशन मोड में उतारा है।"एमएलए आपके द्वार" पहल के माध्यम से विधायक स्वयं कॉलोनियों और मोहल्लों में पहुँचकर लोगों की समस्याएँ सुन रहे हैं। अब शिकायत के लिए जनता को दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाना पड़ता, सरकार ख़ुद उनके बीच जाकर समाधान कर रही है।

ई-ऑफिसः पारदर्शिता की नई पहचान

119 विभागों में ई-ऑफिस लागू होने से फाइलों की गति तेज हुई, जवाबदेही तय हुई और हर निर्णय की डिजिटल ट्रैकिंग संभव हुई। यह बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि प्रशासनिक संस्कृति में क्रांतिकारी परिवर्तन है।

'दिल्ली मित्र': भविष्य की स्मार्ट शिकायत प्रणाली

आने वाला समय और भी सशक्त होने वाला है। "दिल्ली मित्र" के रूप में एक एकीकृत डिजिटल मंच तैयार किया जा रहा है, जहाँ मोबाइल ऐप, व्हाट्सएप, कॉल सेंटर और वेब पोर्टल के माध्यम से नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। एक ही प्लेटफॉर्म से दिल्ली सरकार, एमसीडी, डीडीए, दिल्ली पुलिस, एनडीएमसी और कैंट बोर्ड जैसे सभी संबंद्धित विभागों से जुड़ी समस्याओं का समाधान होगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह 'जवाबदेही' तय करता है। यदि समाधान से नागरिक संतुष्ट नहीं है, तो शिकायत स्वतः उच्च स्तर पर 'एस्केलेट' हो जाएगी।

किसे और क्या फायदा

1. निकटताः अब सरकारी दफ्तरों की दूरी कम हुई है।
2. तेजीः शिकायतों का निपटारा अब अधिक केंद्रित होकर हो रहा है।
3. तालमेलः नगर निगम और राजस्व विभाग के बीच सीमाओं का भ्रम खत्म।
4. राहतः अधिकारियों पर दबाव कम हुआ है, जिससे काम की गुणवत्ता बढ़ेगी।

सुशासन का भावनात्मक अध्याय

यह बदलाव केवल योजनाओं का नहीं, बल्कि विश्वास का है। पहली बार दिल्ली ने देखा कि सरकार जनता के सामने जवाब दे रही है, समस्याओं को सुन रही है और समाधान के लिए समयबद्ध प्रणाली बना रही है। आज दिल्ली का नागरिक यह महसूस कर रहा है कि उसकी आवाज़ केवल सुनी ही नहीं जाती, बल्कि उसका सम्मान भी होता है। सरकार और जनता के बीच की दूरी खत्म हो रही है, और लोकतंत्र अपनी सबसे सशक्त और संवेदनशील स्वरूप में दिखाई दे रहा है।

एक नज़र में — रेखा सरकार का जनसंवाद मॉडल

* मुख्यमंत्री जनसेवा सदन — सीधा संवाद, त्वरित समाधान
* 13 राजस्व जिले — प्रशासन जनता के और करीब
* हर जिले में आधुनिक मिनी सचिवालय
* 119 विभागों में ई-ऑफिस
* सभी जिलों में शिकायत पेटियाँ, सीएमओ की सीधी निगरानी
*'दिल्ली मित्र'—एकीकृत डिजिटल शिकायत प्रणाली (प्रक्रिया में)
*साप्ताहिक जनसुनवाई और समयबद्ध समाधान
*'एमएलए आपके द्वार' — समस्या का समाधान आपके घर के पास

एक साल — और बदल गई शासन की संस्कृति

1. रेखा सरकार का यह एक वर्ष प्रशासनिक सुधारों का नहीं, बल्कि जनविश्वास के पुनर्निर्माण का वर्ष है। 2. अब शासन आदेश देने का माध्यम नहीं, बल्कि संवाद और समाधान का मंच बन चुका है।

दिल्ली में सुशासन का यह मॉडल केवल राजधानी के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक नई दिशा है—

1. जहाँ सरकार शीशमहलों में नहीं, जनता के बीच होती है। 2. जहाँ शिकायत बोझ नहीं, जिम्मेदारी होती है। और जहाँ हर नागरिक सम्मान के साथ कह सकता है कि 'सरकार हमारी है, और हमारे साथ खड़ी है।'

DIP/Shabdarth/Advertorial/0137/25-26

खबर संक्षेप

देश की एकता के लिए काम करें, यह हमारी जिम्मेदारी : कुलपति

नई दिल्ली। किसी भी तरीके से सामाजिक सरोकार न बिगड़े। हम सब इस देश की एकता के लिए काम करें, यह हमारी जिम्मेदारी है। दिल्ली विश्वविद्यालय के पहले साहित्य समारोह के शनिवार को हुए विधिवत समापन के अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि यह संबोधन दिया। कुलपति ने घोषणा की कि प्रतिवर्ष इसी तरह 12,13 और 14 फरवरी को ही दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव का आयोजन किया जाया करेगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह दिल्ली विश्वविद्यालय साहित्य महोत्सव अपने समापन तक आते हुए बहुत कुछ कह गया, हमने इससे बहुत कुछ पाया। वहीं, राज्यसभा डॉ सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि जिसमें सबके हित का भाव हो वही साहित्य है। विज्ञान, समाज और सभी तरह की चीजें साहित्य में समाहित हैं।

भारद्वाज ने भाजपा सरकार से पूछे कई सवाल, मांगे जवाब

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को भाजपा सरकार की एक साल की विफलताओं पर सीएम रेखा गुप्ता से दर्जन भर तीखे सवाल पूछे हैं और उसका जवाब देने की मांग की है। उन्होंने पूछा कि जनकपुरी में सड़क में खोदे गए गड्ढे में गिरकर हुई बाइक सवार युवक की मौत पर सरकार के मंत्रियों ने झूठ क्यों बोला कि सुरक्षा के सारे इंतजाम थे। जबकि यह मौत सरकार की लापरवाही के चलते हुई। आखिर मंत्रियों और दिल्ली पुलिस ने क्राइम सीन के साथ छेड़छाड़ क्यों की? इसके अलावा उन्होंने सीएम से निजी स्कूलों में बढ़ी फीस वापसी, नकली यमुना, बेरोजगार बस मार्शलों समेत कई अन्य सवालों के जवाब देने की मांग की है।

सीएम ने आईजीआई एयरपोर्ट पर 120 मिस्ट स्प्रे सिस्टम का किया शुभारंभ

यात्रियों को बेहतर वायु गुणवत्ता का अनुभव कराएगा मिस्ट स्प्रे सिस्टम : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एयरपोर्ट पर स्थापित मिस्ट सिस्टम और राजधानी की पर्यावरणीय छवि को मजबूत करेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट परिसर में जीएमआर द्वारा स्थापित 120 मिस्ट स्प्रे सिस्टम के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान यह बात कही।

उन्होंने कहा कि यह पहल राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और यात्रियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए शॉर्ट टर्म, मिड टर्म और लॉन्ग टर्म रणनीति पर वैज्ञानिक तरीके से कार्य कर रही है। इस अवसर पर दक्षिण दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, बिजवासन के विधायक कैलाश गहलोत, जीएमआर ग्रुप के निदेशक नारायण राव काड़ा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

प्रमुख सड़कों पर भी मिस्ट स्प्रे सिस्टम किए स्थापित

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार पहले ही राजधानी की प्रमुख सड़कों और 143 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों पर मिस्ट स्प्रे सिस्टम स्थापित कर चुकी है।

साथ ही, रियल-टाइम मॉनिटरिंग नेटवर्क का विस्तार 46 मेट्रो स्टेशनों तक किया गया है, जो देश में किसी भी शहर का सबसे बड़ा नेटवर्क है। इसके अलावा, 'वायु रक्षक' पहल के माध्यम से प्रदूषण मानकों के सख्त अनुपालन को सुनिश्चित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने जीएमआर समूह को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना का प्रतीक है। जब सरकार और निजी संस्थान साझा विजन के साथ काम करते हैं तो विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। भविष्य में इस मिस्ट सिस्टम का विस्तार 600 पोल्स तक किया जाएगा, जिससे एयरपोर्ट और उसके आसपास के क्षेत्रों में धूल नियंत्रण और अधिक प्रभावी होगा।

दिल्ली में कोई भी नकली या घटिया दवा नहीं की जाएगी बर्दाश्त : पंकज कुमार

नई दिल्ली। जनता का स्वास्थ्य हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। राजधानी दिल्ली में कोई भी नकली या घटिया दवा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ये एनफोर्समेंट ड्राइव लगातार जारी रहेगी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के ड्रग्स कंट्रोल डिपार्टमेंट ने सुरक्षित और अच्छी क्वालिटी की दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अनुचित व्यापार के तरीकों पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली के नांगलोई में एक स्पेशल इंस्पेक्शन और एनफोर्समेंट ड्राइव चलाया। इस ड्राइव के दौरान एनफोर्समेंट टीमों ने रिटेल दवा डीलरों के 12 इंस्पेक्शन किए। जिनमें से 10 फर्म ड्रग्स रूल्स, 1945 के नियमों का उल्लंघन करती पाई गईं, जिनके खिलाफ ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके अलावा तय क्वालिटी स्टैंडर्ड्स के पालन को वेरीफाई करने के लिए टेस्ट और एनालिसिस के लिए अलग-अलग दवाओं के 49 सैंपल भी एकत्रित किए गए। इंस्पेक्शन के दौरान कुछ फर्में नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए दवाओं के लिए डिस्काउंट ऑफर बोर्ड भी लगाती पाई गईं। ऐसे सभी बोर्डों को मौके पर ही हटा दिया गया और संबंधित फर्मों को नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

रोहिणी मेट्रो स्टेशन के नीचे गंदगी का अंबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अम्बेडकर अस्पताल की तरफ नहीं हो रही नियमित सफाई

दिल्ली के रोहिणी वेस्ट मेट्रो स्टेशन के नीचे, बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर अस्पताल की ओर जाने वाले मार्ग पर, बदहाल और अस्वच्छ हालात ने स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों को परेशान कर दिया है। क्षेत्र में फैली गंदगी, कूड़े के ढेर और दुर्गंध के कारण स्थिति अत्यंत दयनीय बताई जा रही है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि मेट्रो स्टेशन के नीचे नियमित सफाई न होने के कारण कचरा जमा हो रहा है। अस्पताल की ओर आने-जाने वाले मरीजों, बुजुर्गों और महिलाओं को इस गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा भी बना हुआ है। राहगीरों ने बताया कि कई स्थानों पर कूड़ेदान नहीं हैं या समय पर खाली नहीं किए जाते, जिससे लोग मजबूरी में इधर-उधर कचरा फेंक देते हैं। बरसात या नमी के कारण स्थिति और भी खराब हो जाती है। स्थानीय लोगों ने दिल्ली नगर निगम और संबंधित एजेंसियों से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से सफाई अभियान चलाया जाए, नियमित मॉनिटरिंग की व्यवस्था हो और इस महत्वपूर्ण स्थान को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाया जाए, ताकि अस्पताल आने वाले मरीजों और आम जनता को राहत मिल सके।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने 'इंडिया एआई इंपेक्ट समिट 2026' की तैयारियों का लिया जायजा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत नई दिल्ली में होने वाले 'इंडिया एआई इंपेक्ट समिट 2026' के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने परिषद द्वारा की गई तैयारियों की जमीनी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित होने वाली समिट के लिए एनडीएमसी प्रशासन पूरी तरह तैयार है और दुनिया भर से आने वाले अतिथियों का स्वागत एक सुरक्षित, स्मार्ट और स्वच्छ राजधानी में किया जाएगा। इस समिट की तैयारी के लिए उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने विशेष बिंदुओं की जानकारी दी। जिसमें आईसीसीसी से पूरे एनडीएमसी क्षेत्र की रियल-टाइम मॉनिटरिंग, 333 एनडीएमसी और 183 दिल्ली पुलिस सीसीटीवी कैमरों से 24×7 सुरक्षा निगरानी, दिल्ली ट्रैफिक कंट्रोल के लिए विशेष हेल्पलाइन, जीपीएस से सफाई वाहनों की हर मूवमेंट पर नजर, आएफआईडी कूड़ेदान से जीरो वेस्ट जोन की दिशा में कदम, 99 हॉट स्पॉट पर दिन में कई बार कूड़ा संग्रह, 20 प्रदूषण सेंसर से 628 मानकों पर हवा की जांच आदि शामिल हैं। एनडीएमसी 311 ऐप से शिकायतों का जल्द समाधान, 24×7 तैनात मल्टी-डिपार्टमेंट कंट्रोल टीम, 41 प्रमुख सड़कों पर इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड, 15 हजार गमले, 4 हजार हैंगिंग बास्केट से हर सड़क सजी और खास लाइटिंग से इमारतें और चौराहे जगमगा रहे हैं।

दिसंबर से शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट बंद शिक्षा प्रबंधन की नाकामी का उदाहरण: यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार की लापरवाह कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि शिक्षा निदेशालय की वेबसाईट दिसंबर 2025 से बंद पड़ी है जो नाकामी का उदाहरण है। यादव ने आशंका जताई कि शिक्षा निदेशालय की वेबसाईट बंद होने का एक बड़ा कारण प्राईवेट स्कूलों में ईब्ल्यूएस कैटगिरी के दाखिलों में धांधली भी हो सकती है। क्योंकि लिस्ट शिक्षा निदेशालय द्वारा ही जारी की जाती है, ऐसे में वेबसाईट दिसंबर 2025 बंद पड़ी रहना कई सवाल खड़े करती है। यादव ने कहा कि एक तरफ शिक्षा निदेशालय की वेबसाईट बंद पड़ी है जब दूसरी तरफ 10वीं और 12वीं के बोर्ड की परीक्षाएं होने वाली है। ऐसे में वेबसाईट बंद होने से छात्रों की सुविधा हेतु पाठ्क्रम तक उपलब्ध नहीं हो रहे है और गेस्ट अतिथि शिक्षकों के वेतन तक पिछले 3 महीनों से नही मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली के सरकारी स्कूलों में धरातल पर आ चुके शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की जगह बर्बाद कर देना चाहती है। यादव ने कहा कि शिक्षा निदेशालय की वेबसाईट ठप्प होने के कारण गेस्ट टीचरों की ऑनलाईन उपस्थिति, स्कूल खर्चा का वित्तीय सत्यापन, नियमित प्रशासनिक और वित्तिय कामकाज भी बाधित हो रहा है जबकि अधिकारिक परिपत्र, आदेश और नीतिगत निर्णय तक उपलब्ध नही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की उपस्थिति से लेकर बजट अनुमोदन तक सब कुछ वेबसाईट के माध्यम से होता है, ऐसे में वेबसाईट ठप्प होने से सरकारी स्कूलों की कार्यवाही और पूरा शिक्षा निदेशालय का काम ठप्प पड़ा है। यादव ने कहा कि डिजीटल इंडिया और दिल्ली सरकार की प्रशासनिक कार्यवाही को पूरी तरह डिजिटल करने की दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 10 फरवरी को शिक्षा व्यवस्था को दिलशाद गार्डन और मानसरोवर गार्डन के सर्वोदय विद्यालय में नए शैक्षणिक ब्लॉकों तथा 101 अत्याधुनिक आईसीटी लैब का उद्घाटन करते हुए शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और डिजिटल बनाने की दिशा में उठाया कदम बताया था।

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

यातायात निर्देशिका

AI IMPACT SUMMIT भारत 2026 INDIA

एआई इम्पैक्ट समिट–2026 के संदर्भ में (16 फरवरी 2026 से 20 फरवरी 2026 तक)

एआई इम्पैक्ट समिट–2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आमंत्रित देशों के राष्ट्राध्यक्ष (HoS), सरकार प्रमुख (HoG), मंत्रीगण एवं प्रतिनिधि तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख भाग लेंगे।

सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा के मद्देनज़र दिल्ली में, विशेष रूप से नई दिल्ली ज़िले और आसपास के क्षेत्रों में, वाहनों की आवाजाही पर विस्तृत यातायात नियम लागू किए जाएंगे। इन उपायों का उद्देश्य सभी प्रकार के परिवहन साधनों की सुचारु एवं निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना तथा आम नागरिकों के लिए यात्रा को सरल और सुविधाजनक बनाना है।

आवश्यक सेवाओं को हर समय निर्बाध आवागमन और अपने गंतव्य तक पहुँच की सुविधा प्रदान की जाएगी। चिकित्सकीय आपातकालीन वाहनों को पूरे दिल्ली में प्राथमिकता एवं अवरोध-रहित मार्ग सुनिश्चित किया जाएगा। आम जनता की आवाजाही को भी निर्धारित वैकल्पिक मार्गों और परिवहन साधनों के माध्यम से सुगम बनाया जाएगा।

परिवहन योग्य मार्ग (नियंत्रित क्षेत्र) (मानचित्र संलग्न):

मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट से लोधी रोड फ्लाईओवर तक), सुब्रमण्यम भारती मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, तीस जनवरी मार्ग, अकबर रोड, तीन मूर्ति मार्ग, मदर टेरेसा क्रेसेंट, सरदार पटेल मार्ग, जनपथ, फिरोजशाह रोड, शांति पथ, सत्य मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू (भीकाजी कामा से राउंडअबाउट यशवंत प्लेस तक), कमाल अतातुर्क मार्ग, एपीजे अब्दुल कलाम रोड, 'सी' हेक्सागन, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, सिकंदरा रोड, अशोक रोड, पृथ्वीराज रोड, कौटिल्य मार्ग, पुराना किला रोड, शेर शाह सूरी मार्ग, तिलक मार्ग, भगवान दास रोड, सेंट्रल स्पाइन रोड, नॉर्दर्न एक्सेस रोड, रिंग रोड (बरार स्क्वायर से एम्स तक), करिअप्पा मार्ग (किरबी प्लेस तक), लोधी रोड, नीला गुंबद, कर्तव्य पथ, रफी मार्ग, आउटर सर्किल कनॉट प्लेस, संसद मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग, अरविंदो मार्ग (एम्स यू-टर्न से अरविंदो मार्ग तक), तुगलक रोड, सफदरजंग रोड, पंचकुइयां रोड (मंदिर मार्ग टी-पॉइंट से कनॉट प्लेस तक), उल्लान बतर मार्ग, द्वारका लिंक रोड, एएफएस पालम रोड, थिमैया रोड, परेड रोड, एनएच-48 (रंगपुरी से धौला कुआँ तक), राव तुला राम मार्ग, पंचशील मार्ग, सैन मार्टिन मार्ग, न्याय मार्ग, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग।

प्रतिबंधित क्षेत्र (मानचित्र संलग्न)

भैरों मार्ग (रिंग रोड टी-पॉइंट को छोड़कर), मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट से डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक के बीच)। मार्ग संचलन के दौरान सामान्य वाहनों का प्रवेश अनुमति नहीं होगा।

यातायात विनियम

1. जिन वाहनों का गंतव्य दिल्ली नहीं है, उन्हें अनिवार्य रूप से ईस्टर्न और वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे तथा अन्य वैकल्पिक मार्गों की ओर मोड़ा जाएगा। ऐसे वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी।
2. यात्रियों के हवाई अड्डों और विभिन्न रेलवे स्टेशनों तक आवागमन की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। हालांकि, यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें और यात्रा के लिए पर्याप्त समय पहले से लेकर चलें।

वैकल्पिक मार्ग

उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर
निम्नलिखित कॉरिडोर पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा, और आम जनता अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए इस मार्ग का उपयोग कर सकती है:
रिंग रोड – आश्रम चौक – सराय काले खाँ – राज घाट – आईएसबीटी कश्मीरी गेट – आजादपुर – पंजाबी बाग – धौला कुआँ – एम्स – आश्रम चौक।

रेलवे स्टेशनों हेतु वैकल्पिक मार्ग

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन: आईएसबीटी कश्मीरी गेट – बुलेवार्ड रोड – रानी झांसी मार्ग – डीबीजी रोड | आश्रम चौक – रिंग रोड – राज घाट – जेएलएन मार्ग | वंदे मातरम् मार्ग – डॉ. आंबेडकर मार्ग – पंचकुइयां रोड – आउटर सर्किल कनॉट प्लेस।

पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन: आईएसबीटी कश्मीरी गेट – रिंग रोड – हनुमान मंदिर – एस.पी. मुखर्जी मार्ग| आश्रम चौक – रिंग रोड – राज घाट – रिंग रोड – हनुमान मंदिर – एस.पी. मुखर्जी मार्ग | वंदे मातरम् मार्ग – डॉ. आंबेडकर मार्ग – रानी झांसी मार्ग – रानी झांसी फ्लाईओवर – बुलेवार्ड रोड – लोथियन मार्ग।

हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन: एम्स – रिंग रोड – आश्रम चौक – मथुरा रोड | आईएसबीटी कश्मीरी गेट – रिंग रोड – राज घाट – रिंग रोड – आश्रम चौक – मथुरा रोड।

हवाई अड्डे हेतु मार्ग

मेट्रो सेवाओं के माध्यम से:
यातायात प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को मेट्रो सेवाओं का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

सड़क मार्ग के माध्यम से:
- **गुरुग्राम से टी3, टी4, टी2:** NH-48 – राव गजराज सिंह मार्ग – पुरानी दिल्ली गुरुग्राम रोड – यूईआर II – सर्विस रोड NH-48 – टी 3 टर्मिनल रोड
- **गुरुग्राम से टी1:** NH 48 – महिपालपुर फ्लाईओवर के नीचे T 3 रोड। NH 48 – महिपालपुर फ्लाईओवर के नीचे-NH-48-उलन बटोर मार्ग-T-1 रोड।
- **द्वारका से टी3, टी4, टी2, टी1:** सेक्टर-22 द्वारका रोड-यूईआर II (टी3 के लिए नई संचालित सुरंग)
- **नई दिल्ली एवं दक्षिण दिल्ली से टी3:** एम्स चौक – रिंग रोड – मोती बाग चौक – आरटीआर मार्ग – संजय टी-पॉइंट – सर्विस रोड NH-48 – टी3 टर्मिनल रोड
- **नई दिल्ली एवं दक्षिण दिल्ली से टी3, टी4, टी2, टी1:** एम्स चौक – रिंग रोड – मोती बाग चौक – आरटीआर मार्ग – संजय टी-पॉइंट – उल्लान बतर मार्ग
- **पश्चिम दिल्ली से टी3, टी4, टी2, टी1:** पंजाबी बाग चौक – रिंग रोड – राजा गार्डन चौक – नजफगढ़ रोड – पंखा रोड – डाबरी- द्वारका रोड – रोड नंबर 224, डाबरी-गुरुग्राम रोड – सेक्टर-22, द्वारका रोड – यूईआर II – सर्विस रोड एनएच 48 – टी3 टर्मिनल रोड
- **उत्तर एवं पूर्वी दिल्ली से टी3, टी4, टी2, टी1:** आईएसबीटी कश्मीरी गेट-रानी झांसी फ्लाईओवर-रोहतक रोड-पंजाबी बाग चौक-रिंग रोड-राजा गार्डन चौक-नजफगढ़ रोड-पंखा रोड-डाबरी-द्वारका रोड-रोड नंबर 224, डाबरी-गुरुग्राम रोड-सेक्टर-22, द्वारका रोड-यूईआर-II-सर्विस रोड एनएच-48-टी3 टर्मिनल रोड

बस सेवाओं के माध्यम से

वीवीआईपी आवागमन के दौरान बसों को आवश्यकतानुसार वैकल्पिक मार्गों पर संचालित किया जा सकता है।

मेट्रो सेवाओं के माध्यम से

सभी मेट्रो स्टेशनों पर मेट्रो रेल सेवाएँ सामान्य रूप से उपलब्ध रहेंगी।

टीएसआर / टैक्सी

टीएसआर एवं टैक्सियों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करने की अनुमति होगी।

विद्यालय / विद्यार्थियों हेतु परामर्श

वीवीआईपी आवागमन के मुख्य मार्गों पर स्थित निम्नलिखित 10 विद्यालयों में दिनांक 17.02.2026 से बोर्ड परीक्षाएँ आयोजित की जाएंगी। छात्रों एवं विद्यालय स्टाफ को परीक्षा केंद्रों तक सुगमता से पहुँचाने के लिए यातायात पुलिस द्वारा इन विद्यालयों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। नोडल अधिकारियों की सूची, उनके दूरभाष नंबर तथा सुझाए गए मार्गों का विवरण परिवहन विभाग को भी प्रेषित किया गया है। परीक्षा तिथियों पर विद्यालय आने-जाने में किसी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु विद्यालय प्रबंधन से संपर्क कर वैकल्पिक मार्गों एवं नियुक्त नोडल अधिकारियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र. सं.	विद्यालय का नाम, पता एवं स्तर	वैकल्पिक मार्ग
1.	अटल आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, तिलक मार्ग, नई दिल्ली – 110001	**मार्ग-1:** सराय काले खाँ – रिंग रोड – आई.पी. फ्लाईओवर के नीचे – बाएँ मुड़ें (आई.पी. मार्ग) – राम चरण अग्रवाल चौक – बाएँ मुड़ें (बी.एस.जेड. मार्ग) – डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक – तिलक मार्ग – बाएँ मुड़ें (तिलक लेन) **मार्ग-2:** कनॉट प्लेस आउटर सर्किल – बाएँ मुड़ें (मिंटो रोड) – दाएँ मुड़ें (डी.डी.यू. मार्ग) – राम चरण अग्रवाल चौक – दाएँ मुड़ें (बी.एस.जेड. मार्ग) – डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक – तिलक मार्ग – बाएँ मुड़ें (तिलक लेन)
2.	अटल आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बापू धाम, नई दिल्ली – 110026	**मार्ग-1:** मोती बाग फ्लाईओवर – शांति पथ – बाएँ मुड़ें (न्याय मार्ग) – बाएँ मुड़ें (सत्य मार्ग) – चंद्रगुप्त मार्ग – जीसस एंड मैरी मार्ग **मार्ग-2:** वंदे मातरम् मार्ग – धौला कुआँ – रिंग रोड – बाएँ मुड़ें (सैन मार्टिन मार्ग)
3.	अटल आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, ए.पी.जे. कलाम लेन, नई दिल्ली – 110001	**मार्ग-1:** एम्स फ्लाईओवर – अरविंदो मार्ग – अरविंदो चौक – दाएँ मुड़ें (पृथ्वीराज रोड) – बाएँ मुड़ें (ए.पी.जे. लेन) **मार्ग-2:** वंदे मातरम् मार्ग – धौला कुआँ – रिंग रोड – बाएँ मुड़ें (सैन मार्टिन मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंचशील मार्ग) – कमाल अतातुर्क मार्ग – डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड – दाएँ मुड़ें (ए.पी.जे. लेन)
4.	नवयुग वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विनय मार्ग, नई दिल्ली – 110001	**मार्ग-1:** एम्स फ्लाईओवर – अरविंदो मार्ग – बाएँ मुड़ें (सफदरजंग फ्लाईओवर) – बाएँ मुड़ें (ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग) – रेलवे ब्रिज की ओर दाएँ मुड़ें – लेन 'जी' – दाएँ मुड़ें (सत्य मार्ग) **मार्ग-2:** वंदे मातरम् मार्ग – धौला कुआँ – रिंग रोड – बाएँ मुड़ें (सैन मार्टिन मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंचशील मार्ग) – सम्राट चौराहा से यू-टर्न – पंचशील मार्ग – बाएँ मुड़ें (विनय मार्ग) – बाएँ मुड़ें (सत्य मार्ग)
5.	एस.वी. किचनर रोड, मालचा मार्ग (सर्वोदय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय)	**मार्ग-1:** एम्स फ्लाईओवर – अरविंदो मार्ग – अरविंदो चौक – दाएँ मुड़ें (सफदरजंग रोड) – बाएँ मुड़ें (कमाल अतातुर्क मार्ग) – सम्राट चौराहा – पंचशील मार्ग – न्याय मार्ग/पंचशील – बाएँ मुड़ें (न्याय मार्ग) – बाएँ मुड़ें (मालचा मार्ग) **मार्ग-2:** वंदे मातरम् मार्ग – धौला कुआँ – रिंग रोड – बाएँ मुड़ें (सैन मार्टिन मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंचशील मार्ग) – न्याय मार्ग/पंचशील – बाएँ मुड़ें (न्याय मार्ग) – बाएँ मुड़ें (मालचा मार्ग)
6.	जी.बी.एस.एस.एस., पंडारा रोड (वरिष्ठ माध्यमिक)	**मार्ग-1:** मूलचंद फ्लाईओवर – लाला लाजपत राय मार्ग – लोधी फ्लाईओवर के नीचे – बाएँ मुड़ें (लोधी रोड) – दाएँ मुड़ें (आर्च बिशप मकारियोस मार्ग) – बाएँ मुड़ें (सुब्रमण्यम भारती मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंडारा रोड) **मार्ग-2:** आई.पी. फ्लाईओवर – रिंग रोड – सराय काले खाँ – बाएँ मुड़ें (बारापुला फ्लाईओवर) – दूसरा बायाँ लूप (लाला लाजपत राय मार्ग, लोधी फ्लाईओवर की ओर) – बाएँ मुड़ें (लोधी रोड) – दाएँ मुड़ें (आर्च बिशप मकारियोस मार्ग) – बाएँ मुड़ें (सुब्रमण्यम भारती मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंडारा रोड)
7.	सीएम श्री स्कूल, पंडारा रोड (वरिष्ठ माध्यमिक)	**मार्ग-1:** मूलचंद फ्लाईओवर – लाला लाजपत राय मार्ग – लोधी फ्लाईओवर के नीचे – बाएँ मुड़ें (लोधी रोड) – दाएँ मुड़ें (आर्च बिशप मकारियोस मार्ग) – बाएँ मुड़ें (सुब्रमण्यम भारती मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंडारा रोड) **मार्ग-2:** आई.पी. फ्लाईओवर – रिंग रोड – सराय काले खाँ – बाएँ मुड़ें (बारापुला फ्लाईओवर) – दूसरा बायाँ लूप (लाला लाजपत राय मार्ग, लोधी फ्लाईओवर की ओर) – बाएँ मुड़ें (लोधी रोड) – दाएँ मुड़ें (आर्च बिशप मकारियोस मार्ग) – बाएँ मुड़ें (सुब्रमण्यम भारती मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंडारा रोड)
8.	केंद्रीय विद्यालय संख्या-2, गुरुग्राम रोड, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली	**मार्ग-1:** रिंग रोड (नारायणा दिशा) – धौला कुआँ – रिंग रोड – मोती बाग फ्लाईओवर – दाएँ मुड़ें (राव तुला राम मार्ग) – पुनः दाएँ मुड़ें (राव तुला राम मार्ग) – जी.जी.आर. फ्लाईओवर के नीचे यू-टर्न **मार्ग-2:** आईआईटी – आउटर रिंग रोड – ओलोफ पाल्मे मार्ग – राव तुला राम मार्ग – जी.जी.आर. फ्लाईओवर के नीचे यू-टर्न – बाएँ मुड़ें (दिल्ली कैंट स्कूल)
9.	नेवी पब्लिक स्कूल, अफ्रीका एवेन्यू रोड, चाणक्यपुरी	**मार्ग-1:** एम्स फ्लाईओवर – अरविंदो मार्ग – बाएँ मुड़ें (सफदरजंग फ्लाईओवर) – बाएँ मुड़ें (ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग) – रेलवे ब्रिज की ओर दाएँ मुड़ें – लेन 'जी' – बाएँ मुड़ें (सत्य मार्ग) – यशवंत प्लेस से बाएँ मुड़ें – अफ्रीका एवेन्यू **मार्ग-2:** वंदे मातरम् मार्ग – धौला कुआँ – रिंग रोड – बाएँ मुड़ें (सैन मार्टिन मार्ग) – दाएँ मुड़ें (पंचशील मार्ग) – सम्राट चौराहा – पंचशील मार्ग से यू-टर्न – बाएँ मुड़ें (विनय मार्ग) – यशवंत प्लेस – अफ्रीका एवेन्यू
10.	गुरु हरकिशन पब्लिक स्कूल, पुराना किला रोड	**मार्ग-1:** सराय काले खाँ – रिंग रोड – आई.पी. फ्लाईओवर के नीचे – बाएँ मुड़ें (आई.पी. मार्ग) – राम चरण अग्रवाल चौक – बाएँ मुड़ें (बी.एस.जेड. मार्ग) – डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक – तिलक मार्ग – बाएँ मुड़ें (तिलक लेन) **मार्ग-2:** कनॉट प्लेस आउटर सर्किल – बाएँ मुड़ें (मिंटो रोड) – दाएँ मुड़ें (डी.डी.यू. मार्ग) – राम चरण अग्रवाल चौक – दाएँ मुड़ें (बी.एस.जेड. मार्ग) – डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक – तिलक मार्ग – बाएँ मुड़ें (तिलक लेन)

उपरोक्त विद्यालयों के अतिरिक्त, कुछ विद्यालय भारत मंडपम के आसपास तथा वीवीआईपी मार्गों पर स्थित हैं। ऐसे विद्यालयों तक पहुंचने के लिए सुझाए गए मार्गों की जानकारी भी शिक्षा विभाग को नीचे अनुसार प्रेषित की गई है:

क्र. सं.	प्रभावित मार्ग	वैकल्पिक मार्ग
1.	मथुरा रोड (चिड़ियाघर से तिलक मार्ग के मध्य)	रिंग रोड (सराय काले खाँ – आश्रम मार्ग से), लाला लाजपत राय मार्ग, बी.एस.जेड. मार्ग
2.	सुब्रमण्यम भारती मार्ग	आर्चबिशप मकारियोस मार्ग / महर्षि रमण मार्ग / मैक्स मूलर मार्ग
3.	भैरों मार्ग	रिंग रोड (आईटीओ – आश्रम खंड), प्रगति मैदान सुरंग (यदि खुली हो)
4.	राजेश पायलट मार्ग	अरविंदो मार्ग, पृथ्वीराज रोड, अमृता शेरगिल मार्ग
5.	तीस जनवरी मार्ग	अरविंदो मार्ग, तुगलक रोड, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड
6.	अकबर रोड	अरविंदो मार्ग, तुगलक रोड, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम रोड, रफी मार्ग, सुनहरी बाग रोड
7.	तीन मूर्ति मार्ग	रफी मार्ग, सुनहरी मस्जिद मार्ग, के. कामराज मार्ग, त्यागराज मार्ग, साउथ एवेन्यू, न्याय मार्ग, कौटिल्य मार्ग
8.	मदर टेरेसा क्रेसेंट	ताल कटोरा रोड
9.	सरदार पटेल मार्ग	सैन मार्टिन मार्ग / रिंग रोड / धौला कुआँ, वंदे मातरम् मार्ग, साइमन बोलिवर मार्ग
10.	जनपथ	टॉल्सटॉय मार्ग, बाबा खड़क सिंह मार्ग
11.	फिरोज शाह रोड	कनॉट प्लेस, कस्तूरबा गांधी मार्ग
12.	शांति पथ	नीति मार्ग / न्याय मार्ग / सैन मार्टिन मार्ग / पंचशील मार्ग
13.	सत्य मार्ग	न्याय मार्ग, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग / सैन मार्टिन मार्ग
14.	अफ्रीका एवेन्यू	अरविंदो मार्ग, ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग
15.	कमाल अतातुर्क मार्ग	सैन मार्टिन मार्ग, पंचशील मार्ग, अरविंदो मार्ग, सफदरजंग रोड
16.	एपीजे अब्दुल कलाम रोड	अरविंदो मार्ग, तुगलक रोड
17.	'सी' हेक्सागन	महाराजा रणजीत सिंह मार्ग, बाराखंबा रोड, कॉपरनिकस मार्ग, कनॉट प्लेस, के.जी. मार्ग
18.	डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग	मथुरा रोड, नीला गुम्बद
19.	महात्मा गांधी मार्ग (भिकाजी कामा प्लेस से धौला कुआँ के मध्य)	आउटर रिंग रोड, राव तुला राम मार्ग, स्वामी विवेकानंद मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू, आउटर रिंग रोड
20.	सिकंदरा रोड	कनॉट प्लेस आउटर सर्किल, बाबर रोड, बाराखंबा रोड, बी.एस.जेड. मार्ग

सामान्य जनता हेतु निर्देश

- वाहनों को केवल निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करें और सड़क किनारे पार्किंग से बचें।
- यथासंभव सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें।
- विशेष रूप से रेलवे स्टेशन, आईएसबीटी और हवाई अड्डों की यात्रा के दौरान अपनी यात्रा की पूर्व योजना बनाएं।
- यदि कोई लावारिस वस्तु या संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे, तो तुरंत निकटतम पुलिस कर्मियों को सूचित करें।

आम जनता और गाड़ी चलाने वालों को सलाह दी जाती है कि वे सब्र रखें, यातायात नियमों और सड़क पर अनुशासन का पालन करें और सभी चौराहों पर तैनात यातायात कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करें और दिल्ली यातायात पुलिस की वेबसाइट https://traffic.delhipolice.gov.in के ज़रिए अपडेट रहें।

आम जनता को सलाह दी जाती है कि वे मेट्रो सेवाओं का ज़्यादा से ज़्यादा इस्तेमाल करें, अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें और परेशानी से बचने के लिए काफ़ी समय रखें। ट्रैफिक को सुचारु रूप से चलाने के लिए जनता से सहयोग की अपील की जाती है।

DP/9854/2026

ट्रैफिक प्रहरी बनें | ऐप डाउनलोड करें App Store or Google Play | हमें फ़ॉलो करें: व्हाट्सएप: 8750871493 @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic | 24X7 यातायात हेल्पलाइन: 1095/011-25844444

खबर संक्षेप

अवैध हथियार रखने वाला आरोपी पकड़ाया

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए अवैध

हथियार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर एक देशी कट्टा बरामद किया हैं। पुलिस ने बताया कि 13 फरवरी को क्राईम ब्रांच एनआईटी की टीम रोहित निवासी नंगला पार्ट 2 पर्वततीय कालोनी फरीदाबाद को देशी कट्टा सहित सेक्टर-46 के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी के विरुद्ध पूछताछ में सामने आया की आरोपी ने देशी कट्टा 5000 में आगरा से किसी व्यक्ति से खरीदा था।

एक लाख 17 हजार रुपए की ठगी, खाताधारक धराया

फरीदाबाद। साइबर थाना बलल्भगढ़ की टीम ने फोन हैक

कर 1,17,510 रुपये की ठगी करने के एक मामले में आरोपी कन्हैयालाल निवासी जिला उज्जैन मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि सेक्टर-9 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी अपनी शिकायत में बताया ऑनलाइन वेबसाइट से खरीदारी की थी जिसकी डिलीवरी 20 सितंबर को होनी थी पर कैंसिल दिखा रही थी।

मंदिरों से पूजा के फूल एकत्र करेगा नगर निगम

फरीदाबाद। नगर निगम आयुक्त धीरेंद्र खडगटा के मार्गदर्शन में नगर

निगम फरीदाबाद द्वारा धार्मिक स्थानों पर प्रयुक्त पूजन सामग्री (फूलों) के सम्मानजनक एवं पर्यावरण अनुकूल प्रबंधन हेतु एक पायलट पहल शुरू की गई है। इस पहल के प्रथम चरण में प्रमुख मंदिरों तथा चयनित आवासीय सोसायटियों से निकलने वाले पूजन के फूलों को अलग से एकत्रित किया जाएगा, ताकि इन्हें नालियों, जलाशयों एवं सामान्य कचरे में फेंके जाने से रोका जा सके और इनका वैज्ञानिक एवं पर्यावरण हितैषी तरीके से निस्तारण किया जा सके।

मिशन का उद्देश्य दोनों पक्षों का संतुलित विकास सुनिश्चित करना

स्वामी सर्वलोकानंद ने कहा–धर्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, मानवता को जोड़ना है

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

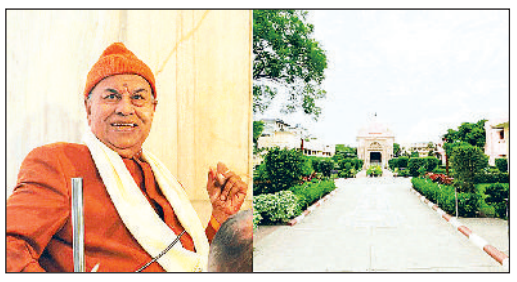

रामकृष्ण मठ एवं रामकृष्ण मिशन के वरिष्ठ संन्यासी स्वामी सर्वलोकानंद ने कहा कि धर्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, मानवता को जोड़ना है। मानव सेवा को ही ईश्वर सेवा मानने की भावना के साथ रामकृष्ण मिशन आज भी स्वामी विवेकानंद द्वारा स्थापित आदर्शों पर चलते हुए आत्मोन्नति के साथ समाज और राष्ट्र की उन्नति के लिए निरंतर कार्य कर रहा है।

सर्वधर्म समभाव और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को आगे बढ़ाते हुए मिशन यह मानता है कि धर्म का उद्देश्य समाज को बांटना नहीं, बल्कि मानवता को एक सूत्र में पिरोना है। युवाओं के लिए संचालित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से रामकृष्ण मिशन उन्हें सकारात्मक दिशा देने, बौद्धिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास करता है। मिशन का विश्वास है कि वास्तविक परिवर्तन बाहरी व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि व्यक्ति के आंतरिक परिवर्तन से संभव है। स्वामी सर्वलोकानंद का जीवन आध्यात्म, सेवा और मानव एकता के संदेश को समर्पित रहा है। उन्होंने वर्ष 1973 में हरिद्वार के कंकाल स्थित रामकृष्ण मठ शाखा से संन्यास जीवन की शुरुआत करते हुए पवित्र संन्यासी संघ में प्रवेश किया था। वर्तमान समय में वे रामकृष्ण मिशन, नई दिल्ली के प्रमुख एवं सचिव के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वे रामकृष्ण मिशन सेवाप्रतिष्ठान के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने मुंबई स्थित रामकृष्ण मठ एवं मिशन में अध्यक्ष और सचिव के रूप में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। कोलकाता के नरेंद्रपुर स्थित रामकृष्ण आश्रम में भी उन्होंने प्रमुख के रूप में सेवाएं दीं और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। शांति, सद्भाव और मानव एकता के उद्देश्य से उन्होंने भारत के साथ-साथ अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, रूस, तुर्की और दक्षिण-पूर्व एशिया जैसे कई देशों की यात्राएं की हैं। अंतर-धार्मिक एवं अंतः-धार्मिक संवादों और धर्म संसद जैसे वैश्विक मंचों पर उनकी उपस्थिति ने मानवता को जोड़ने का संदेश दिया है। स्वामी सर्वलोकानंद के अनुसार, रामकृष्ण मिशन की स्थापना 1 मई 1897 को स्वामी विवेकानंद द्वारा की गई थी। यह संस्था पिछले 125 वर्षों से अधिक समय से मानव सेवा और आध्यात्मिक जागरण के कार्य में जुटी हुई है। मिशन काउद्देश्य केवल धार्मिक उपदेश देना नहीं, बल्कि जीवन के भौतिक और आध्यात्मिक दोनों पक्षों का संतुलित विकास सुनिश्चित करना है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, ग्रामीण विकास, आपदा राहत और नैतिक मूल्यों के प्रसार जैसे क्षेत्रों में रामकृष्ण मिशन की सक्रिय भूमिका रही है। देश-विदेश में फैली इसकी अनेक शाखाएं समाज सेवा का कार्य कर रही हैं। दिल्ली के पहाड़गंज स्थित शाखा, की स्थापना 27 अप्रैल 1927 को हुई थी। जो राजधानी की एक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक संस्था मानी जाती है और सामाजिक सद्भाव, सहिष्णुता एवं नैतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

शहरी निकाय मंत्री गोयल, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, मेयर व पार्षदों से मुलाकात की

केरल से आए पार्षदों ने फरीदाबाद नगर निगम की कार्यप्रणाली को जाना: आयुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

केरल से पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को फरीदाबाद पहुंचा। इस अवसर पर हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल तथा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर मेयर कैंप कार्यालय पहुंचे और बैठक में सहभागिता की।

फरीदाबाद की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी के कैंप कार्यालय पर तिरुवनंतपुरम से आए पार्षदगणों का नगर निगम क्षेत्र में आगमन पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस मौके पर महापौर प्रवीण बत्रा जोशी एवं निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने प्रतिनिधिमंडल का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया। फरीदाबाद के पार्षदों द्वारा भी डेलीगेशन का जोरदार स्वागत किया गया। साथ ही दोनों राज्यों के प्रतिनिधियों द्वारा एक-दूसरे की सांस्कृतिक विशेषताओं और प्रशासनिक अनुभवों को सांझा किया गया और सभी ने आपसी परिचय किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल एवं राज्य मंत्री राजेश नागर ने सभी पार्षदों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए हरियाणा सरकार द्वारा संचालित विकास परियोजनाओं तथा नवीन तकनीकी पहलों की जानकारी दी। मेयर श्रीमती प्रवीण जोशी बत्रा का कहना है कि कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान नगर निगम फरीदाबाद द्वारा शहर के समग्र विकास हेतु अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों, वायु प्रदूषण नियंत्रण उपायों तथा स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई।

आयुक्त ने प्रमुख प्रोजेक्ट्स के बारे में प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया

निगम आयुक्त धीरेंद्र खड़गटा ने भी नगर निगम फरीदाबाद की कार्यशैली, मॉनिटरिंग सिस्टम एवं प्रमुख प्रोजेक्ट्स के बारे में प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। बैठक में तिरुवनंतपुरम से आई पार्षद सुश्री सरिता पी., सुश्री राजलक्ष्मी टी, सुश्री अनु जी. प्रभा, सुदेवन नायर, निजमनकरा हरि, धनेश, राजेश मधूवन जिला महासचिव, तिरुवनंतपुरम नॉर्थ, श्रीजीत सूचना प्रौद्योगिकी एवं कैमरा प्रभारी, अभिमन्यु कैमरा प्रभारी सहित फरीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल, जिला अध्यक्ष फरीदाबाद महानगर सोहनपाल सिंह, निगम की एडिशनल कमिश्नर सलोनी शर्मा, निगम सचिव डॉ. विजयपाल यादव, स्वास्थ्य अधिकारी नीतीश परवाल, कार्यकारी अभियंता नितिन कादियान तथा निगम प्रवक्ता जोगेंद्र रावत उपस्थित रहे।

मठ मंदिर पर ननि ने की 51000 लीटर गंगाजल की व्यवस्था

महापर्व शिवरात्रि की तैयारी के लिए निगम ने संभाली कमान, जलाभिषेक के लिए दूधेश्वर नाथ पहुंचा गंगाजल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

नगर निगम द्वारा महाशिवरात्रि पर्व की तैयारी के क्रम में शिवालयों पर सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था को सुदृढ़ किया है जिसमें मुख्य रूप से दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर पर भी व्यवस्थाओं को निगम अधिकारी तथा टीम संभाल रही है। रात्रि से जिम्मेदारी को संभालना प्रारंभ करते हुए अगले दिन रात्रि तक व्यवस्था में निगम अधिकारी व टीम बने रहेंगे, बेरीकेटिंग, मंदिर परिसर के साथ साथ आसपास क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था में निगम जुटा हुआ है। इसके अलावा भी शहर में शिव मंदिरों तथा शिवालियों पर व्यवस्थाओं को बनाए रखने में जोनल प्रभारियो ने भूमिका निभाई है, महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया जलाभिषेक के लिए दूधेश्वर नाथ मठ मंदिर पर गंगाजल के टैंकर भी उपलब्ध कराए गए हैं, लगभग 21000 लीटर से अधिक गंगाजल एक समय में उपलब्ध कराया गया है।

रोटरी स्कूल में किया गया प्री-प्राइमरी अभिभावक दिवस समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

रोटरी पब्लिक स्कूल सेक्टर-22 के प्री-प्राइमरी विंग द्वारा शनिवार को वार्षिक अभिभावक दिवस समारोह आयोजित किया गया। यह रंगारंग अवसर नन्हे शिक्षार्थियों की सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और निखरती प्रवृत्तियों का सुंदर प्रदर्शन था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. रश्मि खुराना, अध्यक्ष, रोटरी क्लब गुरुग्राम एवं चेयरमैन, रोटरी सर्विस ट्रस्ट ने शिरकत की। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पीपी सुभाष चंद सिंगला आदि।

लोगों ने विधायक का स्वागत किया

विधायक ने किया विकास कार्यों का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने शनिवार को लगातार विकास कार्य को आगे बढ़ाते हुए लगभग 41 लाख की लगात से बनने वाली 12 गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया ।

इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष विपिन त्यागी, कौशल शर्मा, गजेंद्र वैष्णव, जेपी मास्टर, नंदू वैष्णव, महेंद्र वैष्णव, सचिन गर्ग सहित सेक्टरवासी मौजूद रहे। इसके अलावा विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री पंडित मूलचंद शर्मा ने आज सेक्टर 62 की ग्रीन बेल्ट की चार दीवारी के निर्माण कार्य का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पं. मूलचंद शर्मा का स्वागत किया और आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पार्षद योगेश शर्मा, जेपी मास्टर, नंदू वैष्णव, प्रधान मास्टर सीताराम, सुषमा यादव, गिर्राज डॉक्टर, रंजीत सेन सहित सेक्टर निवासी मौजूद रहे।

डिब्रुगढ़ वर्कशॉप पर विद्युतीय कार्य

ई-निविदा सूचना सं. EL/1/DB/W/1/DBWS/Infra./2025-26/92 दिनांक: 12-02-2026। नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदा आमंत्रित किया गया है: **निविदा संख्या. EL/1/DB/W/1/DBWS/Infra./2025-26/92। कार्य का नाम:** डिब्रुगढ़ वर्कशॉप परः वर्कशॉप पर रख-रखाव सुविधा का आबर्धन हेतु बुनियादी ढाँचा का उन्नयन के साथ संबंधित विद्युतीय कार्य। **निविदा राशिः** ₹67,07,972.59/-जीएसटी सहित। **धरोहर राशिः** ₹1,34,200/-। **निविदा बंद होगी- 06-03-2026** तारीख के **15.00** बजे में **एवं खुलेगीः 15.30** बजे में । उपरोक्त ई-निविदा के निविदा प्रपत्रों के साथ विस्तृत विवरण आगामी **06-03-2026** तारीख के **15.00** बजे तक **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

डीवाई. सीईई, मैकनिकल वर्कशॉप, डिब्रुगढ़ पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

मुस्कान के साथ ग्राहकों की सेवा में

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नामः **भरत, पुत्रः रामपाल, निवासीः माता मंदिर के पास, 205 की पुलिया, सुंदर नगरी, नंद नगरी, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) इसके विरुद्ध **FIR No.107/2021 U/S 392/411/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना नंद नगरी, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **भरत** नहीं मिला या **मेरी** संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **भरत** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा है कि **FIR No.107/2021 U/S 392/411/34 IPC, थाना नंद नगरी, उत्तर पूर्वी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **भरत** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **16.03.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं–19, प्रथम मंजिल, शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/2016/NE/2026
(अदालती मामला)

कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजिल एवं शहीदों को माल्यार्पण कर किया

लाजपत नगर में बजट चौपाल आयोजित सरकार के बजट को बताया जनकल्याणकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

भारतीय जनता पार्टी की महानगर इकाई ने शनिवार को बजट चौपाल का आयोजन किया। जिसमें प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि 2026 अभूतपूर्व एवं सर्वसमावेशी है। जिससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी। लाजपत नगर शनि मंदिर के समीप बजट चौपाल का आयोजन महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में किया गया।

सुनील शर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि एवं शहीदों को माल्यार्पण कर किया गया। चौपाल को संबोधित करते हुए सुनील शर्मा ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2026 अभूतपूर्व एवं सर्वसमावेशी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के बजट में समाज के प्रत्येक वर्ग गरीब, किसान, मजदूर, युवा एवं मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 के बजट में पूर्व निर्धारित तीन हजार करोड़ रुपए की राशि को लगभग तीन गुना तक बढ़ाकर विकास कार्यों को गति देने का मार्ग प्रशस्त किया है, जिससे गांव, गरीब और युवाओं के कल्याण हेतु व्यापक योजनाओं को धरातल पर उतारा जा सकेगा। इस अवसर पर बजट चौपाल के संयोजक गुंजन शर्मा, विधानसभा संयोजक संदीप चौधरी, मंडल अध्यक्ष आलोक शर्मा, मुदित त्यागी, माधव सूद, अनिल चौधरी, केएन सिंह, संदीप बंसल, देशपाल कसाना, हिमांशु पोखरियाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महानगर मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी ने बताया कि बजट चौपालों की श्रृंखला के अंतर्गत कल मुरादनगर विधानसभा एवं शहर विधानसभा में भी चौपाल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में मुख्य भूमिका में विधायक अजीत पाल त्यागी एवं विधायक संजीव शर्मा उपस्थित रहकर बजट की प्रमुख योजनाओं एवं जनहितकारी प्रावधानों पर विस्तार से प्रकाश डालेंगे। उन्होंने बताया कि इन चौपालों का उद्देश्य आमजन तक बजट की जानकारी पहुंचाना तथा सरकार की विकासोन्मुखी नीतियों से नागरिकों को अवगत कराना है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमन पुत्र आयुब 28/61, गली नं. 15, विश्वास नगर, दिल्ली** ने केस **एफआईआर नं. 151/20 अन्तर्गत धारा 188/34 आईपीसी एक्ट, थाना फर्श बाजार, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमन** मिल नही रहा है, और मुझे सामाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अमन** फरार हो गया हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा हैं) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि केस **एफआईआर नं. 151/20 अन्तर्गत धारा 468/34 आईपीसी एक्ट, थाना फर्श बाजार, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अमन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.03.2026** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
अखिल मलिक
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–02
कमरा नं. 38, भूतल
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/1989/SHD/2026
(Court Matter)

रोज़ बैल पब्लिक स्कूल, बोर्ड शाखा में शैक्षणिक प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

रोज़ बैल पब्लिक स्कूल की भूड़ भारत नगर शाखा में एक भव्य शैक्षणिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में नर्सरी से लेकर कक्षा आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मकता, ज्ञान एवं कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों जैसे कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, हिंदी, अंग्रेज़ी तथा गणित के आधारभूत विषय—कोण (एंगिल) एवं भिन्न (फ्रैक्शन) आदि—पर आयु के अनुरूप आकर्षक मॉडल, चार्ट और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। छोटे बच्चों ने सरल अवधारणाओं को रोचक ढंग से समझाया, वहीं वरिष्ठ कक्षाओं के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक सोच और सामाजिक जागरूकता से परिपूर्ण उत्कृष्ट प्रस्तुति दी।

ठगी के मामले में 4 आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने व्हाट्सएप पर प्रोफाइल फोटो का दुरुपयोग कर 99,80,000 की साइबर ठगी करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार साइबर थाना सेंट्रल में एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी। अज्ञात व्यक्ति ने उसके पिता की फोटो व्हाट्सएप प्रोफाइल पर लगाकर उनकी कंपनी के सीए को संदेश भेजा तथा कंपनी के बैंक खाते में उपलब्ध बैलेंस की जानकारी प्राप्त की। इसके बाद उसी व्हाट्सएप नंबर से शिकायतकर्ता को उसके पिता के नाम से पैसे ट्रांसफर करने का संदेश भेजा।

वीकेंड पर सूरजकुंड आत्मनिर्भर शिल्प मेले में उमड़ा सैलाब, खरीदारी ने बनाया यादगार अनुभव

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सूरजकुंड में पिछले कई दिनों से चल रहे अंतरराष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प मेले में शनिवार को वीकेंड के अवसर

पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिली। देश-विदेश से आए आगंतुकों ने जमकर खरीदारी की और मेले की जीवंतता को और बढ़ा दिया। मेले में उपलब्ध सुविधाओं को लेकर आगंतुक सरकार व प्रशासन की खुले दिल से सराहना करते नजर आए। बीके अस्पताल फरीदाबाद से मेला देखने आई नर्सिंग ऑफिसर रीनू ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पिछले कई वर्षों से मेला देखने आ रही हूं। इस बार आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव 2026 की गलियों में घूमते हुए उनका मन भारतीय संस्कृति के रंगों में रंग गया। चारों ओर गूंजता लोकसंगीत, हस्तशिल्प से सजी दुकानों की कतारें और मिट्टी की सौंधी खुशबू पूरे वातावरण को जीवंत बना रही थी। नर्सिंग आफिसर रीनू बताती हैं कि सजी हुई दुकानों में से उनकी नजर आकर्षक खादी की कुर्ती पर पड़ी। हल्का क्रीम रंग आंखों को सुकून देता था। कपड़े की बनावट प्राकृतिक थी, अधिक चमकदार, न भडीली, बल्कि सादगी में छिपी सुंदरता का प्रतीक। कुर्ती को हाथ में लेते ही खादी की कोमल खुरदरी बनावट ने भारतीय कारीगरों की मेहनत और हुनर का एहसास करा दिया।

सूर्या इंडिया लिमिटेड

पंजी. कार्यालयः बी–1/ एफ–12, मोहन को–ऑपरेटिव इंडस्ट्रियल एस्टेट, मथुरा रोड, नई दिल्ली–110044
सीआईएनः L74899DL1985PLC019991, फोनः +91 11 42504115; फैक्सः +911128898016,
ईमेलः cs@haldiram.com; वेबसाइटः www.suryaindialtd.com

31 दिसम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए स्टैंडअलोन अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों के सार

(लाख रूपये में, जब तक अन्यथा उल्लेख नहीं किया गया हो)

क्र. सं.	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त नौ महीने		समाप्त वर्ष
		31.12.2025	30.09.2025	31.12.2024	31.12.2025	31.12.2024	31.03.2025
		(अलेखापरीक्षित)			(अलेखापरीक्षित)		(लेखापरीक्षित)
1	परिचालनों से कुल आय (शुद्ध)	234.52	182.65	181.03	549.79	421.34	1895.28
2	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ, असाधारण और/या असामान्य मदें	147.94	92.07	96.42	291.55	173.16	1540.61
3	कर पूर्व अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि), असाधारण और/या असामान्य मदों के बाद	147.94	92.07	96.42	291.55	173.16	1540.61
4	कर के बाद अवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि), असाधारण और/या असामान्य मदों के बाद	113.7	68.42	80.47	218.63	138.39	1250.32
5	अवधि के लिए कुल व्यापक आय {अवधि के लिए लाभ (कर के बाद) और अन्य व्यापक आय (कर के बाद) शामिल हैं)}	115.2	71.15	81.39	222.66	141.14	-356.29
6	प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी (प्रत्येक का अंकित मूल्य रु. 10/–)	698.58	698.58	698.58	698.58	698.58	698.58
7	आरक्षित निधि (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि छोड़कर) जैसा पिछले वर्ष के तुलन पत्र में दिखाया गया है	0	0	0	0	0	11255.17
8	प्रति शेयर आय (प्रत्येक रु 10/) (जारी और बंद परिचालनों के लिए)						
	1. मूल (रुपयों में):	1.65	0.98	1.15	3.19	1.98	17.9
	2. परिसमाप्त (रुपयों में):	1.65	0.98	1.15	3.19	1.98	17.9

नोट्सः

1) उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए वित्तीय परिणामों के समय–समय पर यथासंशोधित विस्तृत प्रारूप का सार है। 31 दिसम्बर, 2025 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) और कंपनी की वेबसाइट (www.suryaindialtd.com) पर उपलब्ध हैं। इसे नीचे दिए गए क्यू आर कोड को स्कैन करके भी देखा जा सकता है।

2) उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों की समीक्षा और अनुशंसा लेखा समिति द्वारा 13.फरवरी, 2026 को आयोजित बोर्ड की बैठक में की गई है जिसे निदेशक मंडल ने अपनी स्वीकृति दे दी है। कंपनी के संवैधानिक लेखा परीक्षक द्वारा उसकी सीमित समीक्षा की गई है और ।

3) 21 नवंबर, 2025 को, भारत सरकार ने चार श्रम संहिताएं अधिसूचित की हैं, वेतन संहिता, 2019; औद्योगिक संबंध संहिता, 2020; सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020; और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता,2020, जिसमें 29 श्रम कानूनों को एक साथ जोड़ा गया। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने इसके असर का आंकलन आसान बनाने के लिए केंद्रीय नियमों का मसौदा भी जारी किया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया से मिली सबसे अच्छी जानकारी और दिशा–निर्देशों के आधार पर, कंपनी ने 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों में स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों में कोई बड़ा असर नहीं देखा है। कंपनी केंद्रीय और राज्यों के नियमों को अंतिम रूप देने और आगे की सरकारी क्लैरिफिकेशन पर नजर रखना जारी रखेगी, और जरूरत के हिसाब से किसी भी अतिरिक्त लेखांकन असर रिकॉर्ड करेगी, जो भी आवश्यक होगा।

4) पिछली तिमाही / नौ महीने / साल के आँकड़ों को जहाँ भी जरूरी हुआ, पुनः समूहीकृत और पुनःव्यवस्थित किया गया है।

5) परिचालनसें से कुल आय(शुद्ध) में दूसरी आय शामिल नहीं है।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 13.02.2026

कृते सूर्या इंडिया लिमिटेड
हस्ता/–
प्रीति अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00011450

खबर संक्षेप

रामगढ़ में किन्नरों के लिए 3 ट्रांसजेंडर टॉयलेट

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ में ट्रांसजेंडर के लिए तीन पब्लिक टॉयलेट खोले गए हैं। प्रशासन ने

ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने,उन्हें सुरक्षित माहौल देने के लिए उठाया है। जिला कलेक्टर कार्यालय पार्क, सदर अस्पताल और बस स्टैंड पर इन पब्लिक टॉयलेट उद्घाटन किया गया है। इनमें 5 रुपए देकर शौच तो 10 रुपए देकर नहाया जा सकेगा।

पटना विवि चुनाव के बीच एनएसयूआई में बवाल

पटना। पटना विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव के बीच कांग्रेस की छात्र विंग एनएसयूआई में तकरार

खुलकर सामने आ गई है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी व राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार के समर्थक आपस में भिड़ गए। सदाकत आश्रम स्थित कांग्रेस कार्यालय में वरुण चौधरी का पोस्टर फाड़ दिया गया। दोनों गुट आमने-सामने हो गए। एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी व बहसबाजी हुई।

कुत्तों ने 5 साल की मासूम को नोचकर मार डाला

गोंडा। यहां कुत्तों के हमले में पांच वर्षीय मासूम की मौत हो गई। घटना धानेपुर थाना क्षेत्र के कल्याण नगर

टहलुवन पुरवा की है। टहलुवन पुरवा निवासी विशुनलाल की पुत्री मुस्कान (5) सुबह घर से लगभग 200 मीटर दूर अपनी बहन महक (6) तथा हमउम्र दो अन्य बच्चों नैतिक व सुनैना के साथ शौच के लिए गई थी।

पेज एक का शेष

कांग्रेस भारत को ...

आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है। आपने भारत की ये शक्ति ऑपरेशन सिंदूर में भी देखी है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर आतंकियों को कंधे पर बिठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो... जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मां भारती के नाम तक से परहेज करती हो, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान तक नहीं दिखाते, वो कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि आज की कांग्रेस हर उस विचार, हर उस आतंकी को कंधे पर बिठाती है,जो देश का बुरा सोचता है। जो लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने का सपना देखते हैं, जो लोग, नॉर्थईस्ट को भारत से अलग करने के नारे लगाते हैं,वो कांग्रेस के लिए पूजनीय बन चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया। अब आज की कांग्रेस, मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी एमएमसी बनकर फिर देश को बांटने में लग गई है। इसलिए आपको कांग्रेस से सावधान रहना है और असम की जनता को भी सावधान करना है।

2014 के बाद नार्थईस्ट ...

सेवा के लिए समर्पित किया। वर्ष 2014 के बाद नार्थईस्ट के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार मिले हैं। ये दिखाता है कि असम और नॉर्टईस्ट की धरती का सामर्थ्य कितना बड़ा है। उन्होंने कहा कि नार्थईस्ट का यही सामर्थ्य अब विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार है।

असम को टैक्स ....

कहा कि अब भाजपा सरकार में असम को कांग्रेस सरकार के मुकाबले 5 गुना ज्यादा रुपए मिल रहे हैं। अगर पिछले 11 वर्ष की बात करें तो असम को तमाम विकास परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से 5.50 लाख करोड़ रुपए से अधिक मिले हैं।

डिब्रूगढ़-मोरान हाईवे ...

पीएम ने ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए गए कुमार भास्कर वर्मा सेतु का भी अनावरण किया। इस परियोजना की कुल लागत 3 हजार 30 करोड़ रुपए है। कुल 6 लेन का ये एक्स्ट्राडोज्ड प्रीस्ट्रेस्ड कंक्रीट का यह पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है। समारोह के उपरांत पीएम वायुसेना के विमान से ही गुवाहाटी लौट गए। जहां उन्हें 5 हजार 500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन साथ ही एक रैली को संबोधित किया।

हाईवे पर हुई सुखोई, राफेल की गर्जना: ईएलएफ पर पीएम ने वायुसेना के 40 मिनट के एक शानदार एयर-शो का भी जायजा लिया। जिसमें सुखोई-30 एमकेआई, राफेल जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने टेकऑफ और लैंडिंग के जरिए असम के सीमावर्ती आसमान को अपनी प्रचंड ध्वनि से गुंजायमान कर दिया। इसके अलावा बल के ही विशालकाय परिवहन विमानों जैसे सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और एएन-32 ने भी अपनी सैन्य तथा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियानों को लेकर बनी हुई क्षमता का बेजोड़ नजारा प्रस्तुत किया। जिसमें उन्हें उन्नत हल्के हेलिकॉप्टर (एएलएच) ध्रुव का पूरा साथ मिला। सुदूर पूर्व में स्थित इस इलाके में किसी भी अभियान का संचालन करने में हेलिकॉप्टरों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। एयर-शो के जरिए वायुसेना ने न केवल अपनी मौजूदा तैयारियों का प्रमाण प्रस्तुत किया। बल्कि रनवे के इस्तेमाल को लेकर अपनी दोहरी क्षमता भी दिखाई है।

11 राज्यों में हैं आपातकालीन रनवे सुविधाएं : गौरतलब है कि इस तरह की सुविधाओं का निर्माण सरकार ने युद्ध व अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में सीमा से लगे क्षेत्रों के अलावा देश के आंतरिक इलाकों से भी दुश्मन पर हमला करने के उद्देश्य से शुरू किया है। वायुसेना संभवतः 2015 से अपने जंगी विमानों को रनवे पर टेकऑफ और लैंड करने का अभ्यास कर रही है। इसी क्रम में अब तक कुल करीब 11 राज्यों में 28 ईएलएफ का निर्माण हो चुका है। जिसमें असम में 1, हरियाणा में 2, जम्मू-कश्मीर में 2, पंजाब में 1, उत्तर प्रदेश में 1, राजस्थान में 3, गुजरात में 3, पश्चिम बंगाल में 4 और तमिलनाडु में 2 ईएलएफ बनाई गई हैं। ज्ञात हो कि भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई अन्य देशों में भी ऐसी सुविधाएं मौजूद हैं। जिनमें रूस, इजरायल, ऑस्ट्रेलिया, जापान, चीन, स्वीडन, फिनलैंड के साथ ही पाकिस्तान भी शामिल है।

एलएसी से कम ...

में भी कई गुना का इजाफा देखने को मिलेगा। इस रनवे सुविधा पर 40 टन तक के लड़ाकू विमान उतर सकते हैं। जबकि मालवाहक विमान करीब 74 टन वजन के साथ आसानी से टेकऑफ कर सकते हैं।

कैबिनेट ने दिल्ली....

से भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 389 किलोमीटर बढ़ जाएगा।

प्रस्तावित अतिरिक्त पटरियां बिछाने की परियोजना से लगभग 3,902 गांवों तक सम्पर्क बढ़ेगा: प्रस्तावित क्षमता बढ़ाने से देश भर के अनेक खास पर्यटन स्थलों तक रेल सम्पर्क बेहतर होगा, जिनमें भावली डैम, श्री घाटनदेवी, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, श्री माता वैष्णो देवी कटरा/श्रीनगर, और हम्पी (एक यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट), बल्लारी किला, दारोजी स्लॉथ बेयर सैंक्चुरी, तुंगभद्रा डैम, केंचनगुड्डा, और विजया विट्ठल मंदिर वगैरह जैसे खास आकर्षण शामिल हैं। प्रस्तावित परियोजनाएं कोयला, स्टील, लोह अयस्क, सीमेंट, लाइमस्टोन/बॉक्साइट, कंटेनर, अनाज, चीनी, उर्वरक, पीओएल वगैरह जैसी चीज़ों के परिवहन के लिए ज़रूरी मार्ग हैं। क्षमता बढ़ाने के काम से 96 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) के अतिरिक्त माल की ढुलाई होगी। पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा का कम उपयोग करते हुए परिवहन का तरीका अपनाकर रेलवे को जलवायु उद्देश्यों को पाने और देश की लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने, तेल आयात (22 करोड़ लीटर) कम करने और कार्बन उत्सर्जन (111 करोड़ किलोग्राम) कम करने में मदद मिलेगी, जो 04 (चार) करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

विकसित भारत में रहेगी ...

जवान हरियाणा से है। खेलों में यदि भारत के मेडल आते है तो उसमें सबसे ज्यादा योगदान हरियाणा के खिलाड़ियों का होता है। फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से 250 हरियाणा में काम कर रही हैं। आटोमोबाइल मैन्यूफैक्चिरिंग में हरियाणा देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश सरकार जल्द ही नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी लाने वाली है। इससे और निवेशक प्रदेश की ओर आकर्षित होंगे।

प्लॉनिंग से स्थापित किया जा रहा इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर : सैनी ने कहा कि प्रदेश में इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर ऐसी प्लॉनिंग के साथ स्थापित किया जा रहा है कि आने वाले 50 सालों तक कोई दिक्कत न आए। गन्नौर में फ्रूट मंडी बनकर लगभग तैयार है। वहीं खारी बावली की ड्राई फ्रूट मार्किट, मार्बल मार्किंग और अमृतसर की मजीद मार्किट को भी हरियाणा में स्थापित करने की योजना है। वहां के व्यापारियों ने हरियाणा में स्थापित होने वाली मंडी में आने के लिए रूचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा अब प्राकृतिक खेती में भी पहचान बनाएगा। वहीं पर्यावरण का विशेष ध्यान रखते हुए उन्होंने किसानों से पराली न जलाने का आह्वान किया। इसके बाद 95 प्रतिशत तक पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई। बेहतर पराली प्रबंधन के लिए माननीय न्यायालय ने प्रदेश का उदाहरण दिया है।

भारत-ईयू समझौते से होगा लाभ : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा भारत और यूरोपियन संघ के साथ हुए भारत-यूरोपियन मुक्त व्यापार समझौते के बाद उन्होंने हरियाणा यूरोपियन व्यापार संघ की बैठक की। इसमें उन्होंने भारत सरकार के इस फैसले का स्वागत किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें काफी लाभ मिलेगा। उन्होंने कुछ सुझाव भी दिए, जिन्हें हरियाणा के आगामी बजट में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत करने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है। गुरूग्राम के निचले इलाकों के लिए एक ड्रेन की प्लॉनिंग की गई है। वहीं पीने के पानी की समस्या के लिए ऐसी योजना तैयार की गई है कि गुरुग्राम को आने वाले 50 वर्षों तक कोई समस्या नहीं होगी। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल, महानिदेशक यश गर्ग, एचएसआईआईडीसी के सीसीआई सुनील शर्मा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम मोदी को भेजा ...

गतिविधियां भी रहेंगी। लेकिन भारत भी दुनिया के कुछ अन्य देशों में शामिल रहेगा। जहां हम जाएंगे।

खारिज की हसीना की विदेश नीति : अपने बयान में कबीर ने पूर्व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर निशाना साधते हुए उनकी विदेश नीति की आलोचना की और कहा कि नई सरकार किसी देश पर केंद्रित विदेश नीति या किसी देश विशेष पर निर्भरता वाली विदेश नीति से पूरी तरह से परहेज करेगी। चुनावी जीत के तुरंत बाद बीएनपी के स्थायी समिति सदस्य सलाउद्दीन अहमद ने कहा था कि हमारी पार्टी औपचारिक रूप से भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेगी। जिससे यहां देश में उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सकेगा। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस बाबत नई दिल्ली के साथ एक प्रक्रिया का आगाज किया है। जिसे हम अपना समर्थन प्रदान करते हैं। मूलरूप से यह दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों के बीच का मामला है। अब हम भी भारत सरकार ये अपील करेंगे कि हसीना का प्रत्यर्पण किया जाए, जिससे वो यहां देश में न्यायिक प्रक्रिया का सामना कर सकें। बताते चलें कि हसीना अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए छात्रों के उग्र विरोध-प्रदर्शनों के बाद भारत पहुंची थीं और तब से लेकर आज तक वो यहां पर रह रही हैं।

पीएम मोदी ने दिया था बधाई संदेश : उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते शुक्रवार को तारिक रहमान को फोन कर चुनाव में मिली प्रचंड जीत की बधाई दी थी। उन्होंने कहा था कि मुझे रहमान से बात कर बेहद खुशी हुई है। मैंने उन्हें चुनावी जीत को लेकर शुभकामनाएं देने के साथ ही बांग्लादेश के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उनके प्रयासों को लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। भारत और बांग्लादेश जैसे दो करीबी पड़ोसी देशों के रूप में जिनके बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध हैं। मैंने दोनों देशों के लोगों की शांति, प्रगति और समृद्धि के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। पीएम ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि ये परिणाम बांग्लादेश की जनता के आपके नेतृत्व पर विश्वास का प्रतिबिंब है। भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए अपना समर्थन जारी रखेगा। मैं दोनों देशों के बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने, हमारे साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

झारखंड के 14 शहरी निकायों में महिलाओं के हाथ में जीत की चाबी!

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनावों में 14 शहरी स्थानीय निकाय ऐसे हैं जहां पर महिला वोटर्स की संख्या पुरुष वोटर्स से ज्यादा है। यानी यहां उम्मीदवारों की जीत और हार में महिला वोटर्स की अहम भूमिका हो सकती है।

राज्य के 48 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए वोटिंग 23 फरवरी को होनी हैं जबकि वोटों की गिनती 27 फरवरी को होगी। आपको बता दें कि झारखंड में

यूएलबी चुनाव राजनीतिक दलों के चुनावी चिह्नों पर नहीं लड़े जाते हैं, लेकिन उम्मीदवारों को इन संगठनों का समर्थन प्राप्त होता है।

वोटर लिस्ट में महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा

अधिकारियों ने बताया कि जिन नगर निकायों की वोटर लिस्ट में महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा है, उनमें गिरिडीह नगर निगम, मधुपुर नगर परिषद (देवघर), लोहरदगा नगर परिषद (लोहरदगा), गुमला नगर परिषद (गुमला), सिमडेगा नगर परिषद (सिमडेगा) और चक्रधरपुर नगर परिषद (पश्चिमी सिंहभूम) शामिल हैं। इनके अलावा चाईबासा नगर परिषद (पश्चिमी सिंहभूम), कपाली नगर परिषद (सरायकेला-खरसावां), कोडरमा नगर पंचायत (कोडरमा), डोमचांच नगर पंचायत (कोडरमा), जामताड़ा नगर पंचायत (जामताड़ा), बुंडू नगर पंचायत (रांची), खूंटी नगर पंचायत (खूंटी) और चाकुलिया नगर पंचायत (पूर्वी सिंहभूम) में भी महिला वोटर्स की संख्या पुरुषों से ज्यादा है। वोटर लिस्ट के अनुसार, इन 14 नगर निकायों में गुमला नगर परिषद में महिला वोटर्स की संख्या सबसे ज्यादा 18,763 है जबकि पुरुष वोटर्स की संख्या 16,819 है।

महादेव की काशी में 26 घंटे तक लगातार पूजन का भव्य आयोजन

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

काशी (वाराणसी/बनारस) सिर्फ एक शहर नहीं एक भावना है। इसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और प्राचीन नगर माना जाता है। इसे भगवान शिव की नगरी और मोक्ष प्राप्ति का प्रमुख केंद्र कहा जाता है। गंगा नदी के तट पर बसा यह शहर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक, काशी विश्वनाथ, का स्थल है। काशी ज्ञान, कला और संस्कृति का केंद्र भी है और इसे ऐसा पवित्र स्थान माना जाता है जहां मृत्यु के बाद आत्मा को मोक्ष की प्राप्ति होती है। वहीं, महाशिवरात्रि सनातन हिंदू संस्कृति का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो खासतौर से भगवान भोलेनाथ को समर्पित है। मान्यता है कि सृष्टि का आरंभ इसी दिन हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस दिन महादेव का विशाल रूप, अग्निलिंग, प्रकट हुआ और इसी अवसर पर भगवान शिव ने देवी पार्वती के साथ विवाह किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली, रविवार 15 फरवरी 2026

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

पूरी दुनिया में स्लो लाइफ या धीमे जीवन की ओर बढ़ने को आलस्य की निशानी नहीं बल्कि नई चेतना का पर्याय माना जा रहा है। वास्तव में स्लो लाइफ का मतलब काम को अधूरा छोड़ देना नहीं है। जीवनशैली से समझौता नहीं है और न ही स्लो लाइफ का मतलब घर में पड़े रहना है बल्कि स्लो लाइफ का मतलब है कम लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पीढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना।

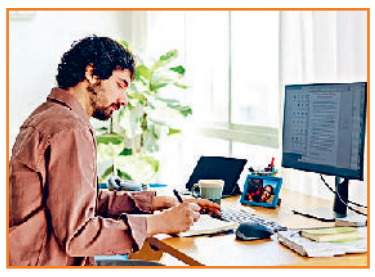

एक समय तक 'तेज रफ्तार' होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई इंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छूना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर इंसान इस तेज रफ्तार जिंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं।

क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर: पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सप्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्थाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि इंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज रफ्तारी से आजीज आ गए।

शहरों से गांव की तरफ वापसी: पूरी 20वीं सदी में और 21वीं सदी के पहले लगभग दो दशकों तक पलायन का मतलब गांव से शहर की ओर जाना ही होता रहा है। लेकिन कोविड के बाद यूरोप में 16 प्रतिशत और अमेरिका में 6 प्रतिशत लोग शहर छोड़कर गांवों में बस गए। भारत में भी उच्च आयवर्ग के 2 प्रतिशत लोग न सिर्फ बड़े शहरों को छोड़कर अपनी जड़ों की ओर रहने के लिए लौटे बल्कि जो पारंपरिक रूप से अपने गांवों या पैतृक स्थानों में नहीं गए, वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी का रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नींद का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहतरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेटिंग जो हमेशा फास्ट लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दूनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकारा होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई गर्मजोशी से मिली। लब्बोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

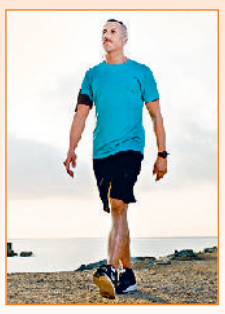

- हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रीन से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रीन हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहले से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी नो प्लान डे।
- पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तन भी स्वस्थ रहता है।
- काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्रा तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- धीमी जिंदगी का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।

ह्यूमन नेचर
शैलेंद्र सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंट्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंट्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत

ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है।

मुखर दौर में शांत लोग: आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंट्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं। खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के फायदे: इंट्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कामों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।

इंट्रोवर्ट होने के नुकसान: इस स्वाभाव के कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में

अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रमोशन पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

वासंती दोहे
घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सज-धज किया, दुलहन-सा शृंगार।
पीत-वसन से झांकता, मानो पहला प्यार।।
जगा रही है कोकिला, मन में मीठी हूक।
गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक।।
भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद।
पंचम सुर में गूंजते, खुशियों वाले छंद।।
धीमे-धीमे नशे में, पवन चले है खूब।
प्राणी-प्राणी जा रहा, अजब नशे में डूब।।
उर में जागी आग-सी, अंग-अंग उन्माद।
संग उन्हें भी आज लाए जा री सौतन याद।।
कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का आतंक।
मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा अंक।।
धूप कुनमुनी डोलती, गरमाया परिवेश।।
मधुर गंध का बांटता, हर उपवन संदेश।।
सरसों रानी पर चढ़ा, यों यौवन का रंग।
ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग।।
बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल।
मौसम का जादू चला, फली प्रीति की बेल।।
टेसू की सरगम छिड़ी, महुआ के हैं ठाठ।
जरा देखिए खुल गई, फगुनाहट की हाट।।

व्यंग्य / अजय अनुरागी

अफसर की टांग

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लूज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरोसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरोसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में ना बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साध लेता था। अकसर लोग अफसर की पहली टांग के भरोसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कंफ्यूजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लेट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटेजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांगें नहीं उखड़ पाईं। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैदें' के किरदार की घुटन, जैसे आत्मा को निर्ममता से छील कर लहूलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयां करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। वही द्वंद्व, जिसका सामना उसे बाहर-भीतर हर कहीं करना होता है। 'आखिरी सिगरेट' दांपत्य जीवन में प्रेम की लालसा में घुटती एक स्त्री मन की कहानी है तो 'गुनिता की गुड़िया' कैद से बाहर निकलने की एक स्त्री की छटपटाहट को बयां करती है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *

पुस्तक: एक दिन का सफर, **लेखिका:** कल्पना मनोरमा,
मूल्य: 195 रुपए, **प्रकाशक:** अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहां जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहां जाएंगे पार्क के अलावा। वहां इनके हम उम्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही गपशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया।

'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्म समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'जी पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त को खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठहाके लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह अवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में!' खुद से कहकर वह रोने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन में हुए शामिल

नोहटा को बनाया जाएगा नगर परिषद दमोह में 2 करोड़ से बनेगा गीता भवन

- 600 करोड़ रुपए की नई सिंचाई परियोजना से खेत होंगे सिंचित, 33 गांवों को मिलेगा लाभ
- तेंदूखेड़ा और हटा में बनेंगे नए स्टेडियम
- नोहलेश्वर महोत्सव आस्था के साथ संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नोहलेश्वर महादेव की महिमा ऐसी है जो यहां एक बार आता है, उसका मन बार-बार यहां आने को करता है। कृपावंत, कृपाशंकर भगवान नोहलेश्वर महादेव के आशीर्वाद से हम प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नोहलेश्वर महोत्सव आस्था ही नहीं, स्थानीय संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का भी उत्सव है। हमारी सरकार आस्था के स्थलों के संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को दमोह जिले के ग्राम नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नोहलेश्वर मंदिर परिसर और मेला परिसर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महोत्सव मेले में हल भेंट कर अभिनंदन किया गया।

युवक को प्रशस्ति-पत्र प्रदान करते सीएम।

नगर परिषद बनाने की घोषणा की

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनता की मांग पर नोहटा को परीक्षण के उपरांत नगर परिषद बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दमोह में 2 करोड़ रुपए की लागत से गीता भवन का निर्माण किया जाएगा। दमोह जिले में बांदकपुर-सेमरखो जलाशय की क्षमता में वृद्धि कर 600 करोड़ रुपए की नई सिंचाई परियोजना विकसित की जाएगी। इससे 33 गांवों के खेतों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा।

दमोह के तेंदूखेड़ा में 165 करोड़ की नई योजना को स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार दमोह के साथ पूरे बुंदेलखंड के विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। दमोह के तेंदूखेड़ा में 165 करोड़ की नई योजना को स्वीकृति दी गई है। दमोह के लिए नया फोर लेन भी मंजूर किया गया है। दमोह में 10 करोड़ रुपए की लागत से वाटर स्पोर्ट्स, बोट क्लब सहित अन्य पर्यटन गतिविधियों का विकास किया जाएगा। तेंदूखेड़ा और हटा में खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए नए स्टेडियम बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सुप्रसिद्ध भजन गायिका शहनाज अख्तर का अभिनंदन भी किया।

नोहलेश्वर मंदिर 1100 साल से अधिक प्राचीन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नोहटा का नोहलेश्वर मंदिर 1100 साल से अधिक प्राचीन है, जिसे कलचुरी साम्राज्य में महारानी नोहला ने बनवाया था। नोहलेश्वर महोत्सव के आयोजन से इस क्षेत्र के पर्यटन को नई ऊर्जा मिल रही है। संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास और धर्मस्व राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मप्र ने ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति करते हुए आज 26 हजार मेगावॉट से अधिक बिजली उपलब्धता सुनिश्चित की है। मध्यप्रदेश में किसानों को ब्याज रहित ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री 'मैन ऑफ आइडियाज' हैं।

खबर संक्षेप

वन अमले पर हमला दर्ज नहीं हुआ मामला

भोपाल। शहडोल दक्षिण वन मंडल के डीएफओ, रेंजर एवं वन कर्मचारियों पर 12 फरवरी को वन भूमि पर कोल खनन करने वाले माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया था। कोल खनन माफिया के हमले में कर्मचारी और अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन पुलिस ने अभी तक प्रकरण दर्ज नहीं किया है। वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर कोल खनन माफिया पर अपराध दर्ज कर रासुका लगाने के साथ एसआईटी गठित कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। मंच ने अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि यदि जल्द ही एसआईटी गठित कर जांच करने एवं आरोपियों पर रासुका लगाने की कार्रवाई नहीं की तो मप्र वन कर्मचारी मंच आंदोलन करेगा।

3 दिनी एडवांस्ड पंचकर्म थैरेप्यूटिक वर्कशॉप 19 से

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयुर्वेद पद्धती को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एडवांस्ड पंचकर्म थैरेप्यूटिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने बताया कि यह कार्यशाला 19, 20 और 21 फरवरी को पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में आयोजित होगी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पंचकर्म की आधुनिक और उन्नत चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी, प्रशिक्षण से रोगियों को लाभ पहुंचाना है।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन

जनगणना से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति होती है तय

कलेक्टर-कमिश्नर्स समय-सीमा में पूर्ण करें जनगणना कार्य, मजरों-टोलों का भी किया जाए आंकलन: सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डेटा प्रक्रिया है। जनगणना के आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है। आज भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है। यह जनगणना केवल राष्ट्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक महत्व की भी है। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सबसे व्यापक और निर्णायक अभियान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र में मुख्य सचिव अनुराग जैन, रजिस्ट्रॉर जनरल तथा जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, गृह शिवशेखर शुक्ला मौजूद थे। सम्मेलन में प्रदेश के सभी संभागायुक्त, कलेक्टर्स, नगर निगम आयुक्त तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी सम्मिलित हुए।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। देश में आखिरी बार वर्ष 1931 में सामाजिक स्तर की जनगणना की गई थी। उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया में गांवों, मजरों-टोलों के साथ-साथ बेचिराग गांवों की स्थिति के आंकलन की व्यवस्था करने की भी आवश्यकता बताई। जनगणना केवल संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, यह राज्य की संवेदनशीलता, प्रशासन की विश्वसनीयता, प्रतिबद्धता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है।

प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न है: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रणनीति अपनाते हुए समयबद्ध रूप से जनगणना की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया की सफलता का केन्द्र मैदानी प्रशासनिक अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स और कमिश्नर्स से जनगणना कार्य को रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करते हुए जनगणना के सभी उद्देश्यों की समय सीमा में पूर्ति करने का आह्वान किया। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित प्रदेश के सभी कमिश्नर-कलेक्टरों से कहा कि मप्र विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होकर 6 मार्च तक चलेगा। उन्होंने महाशिवरात्रि और होली जैसे त्यौहारों के दृष्टिगत शांति समितियों के साथ बैठक कर अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने में जन भावनाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

अपने अनुभवों का समृद्ध करने का श्रेष्ठ अवसर

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि चुनाव और जनगणना को प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे कठिन कार्य माना जाता है। देश में हर 10 साल में जनगणना होती है। मप्र में करीब 1 लाख 27 हजार मजरे-टोले हैं, यदि मकानों की गणना के पत्रक में एक कॉलम मजरे टोले का रखा जाए, तो इससे राज्य सरकार को भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलेगी।'

सीएम साय ने वीर जवानों के असामियक निधन पर जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के वीर जवानों के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।

पूर्वोत्तर रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/रिपेयर, वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिये आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0 1:- ई-निविदा सूचना सं0 एवं निविदा कार्य का विवरण: टेण्डर नं.- "52-जी के पी-एमडब्लूएस-2025-26" "ओवरहॉलिंग एण्ड फक्शन टेस्टिंग ऑफ गास-ब्रेमसे मेक मेन एयर कम्प्रेसर माडल नंबर वीवीटी-120 सूटेबल फॉर ट्रेन-18/वंदे भारत फॉर 12 मन्थ्स एट गैकेनिकल वर्कशाप, गोरखपुर" अनुमानित लागत (रू0में): ₹ 6572255.44, धरोहर राशि(रू0में): ₹ 131500.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य:-रू शून्य, निविदा समापन की तिथि एवं अवधि: 11.00 बजे, 06.03.2026, संविदा की अवधि: 12 माह।

उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखे।

उप मुख्य यांत्रिक इंजी./रिपेयर, यांत्रिक मुजाहि/यांत्रिक-139 कारखाना, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली-6 निम्नलिखित कार्य के लिए दो पैकेट प्रणाली के अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित करते है:-

कार्य का नाम एवं स्थान	"BSB (वाराणसी) कोचिंग डिपो में कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं का डिजाइन और अपग्रेडेशन से संबंधित संयुक्त कार्य (सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल सामान्य)।
अनुमानित/निदेषात्मक परियोजना लागत	53.27 करोड़ रुपये
कार्य पूरा करने की अवधि	24 माह
जमा की जाने वाली जमानती राशि	रुपये 28,13,700/-
विस्तृत ई-निविदा सूचना तथा निविदा दस्तावेज	उपर्युक्त निविदा दस्तावेज आईआरइपीएस की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 13.02.2026 से 17.03.2026 तक 15.00 बजे तक उपलब्ध होगी।
बोली पूर्व सम्मेलन	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण, प्रधान कार्यालय, उत्तर रेलवे, कश्मीरी गेट, दिल्ली तथा ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक के माध्यम द्वारा में दिनांक 18.02.2026 को 12:30 बजे बोली पूर्व सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।
पूर्वावलोकन प्रश्नों की प्राप्ति की अंतिम तिथि	19.02.2026, 18:00 बजे तक।
पूर्वावलोकन प्रश्नों का उत्तर	27.02.2026, 18:00 बजे तक।
ई-निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि और समय	17.03.2026 को 15.00 बजे तक। निविदाकर्ता द्वारा निविदा दस्तावेज 13.02.2026 से 17.03.2026 तक www.ireps.gov.in वेबसाइट पर अपलोड किए जा सकते है।
ई-निविदा खुलने की तिथि और समय	17.03.2026 को 15.00 बजे। विस्तृत निविदा सूचना उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है।

निविदा सूचना सं0 74-डब्लु-4-1-483-डब्ल्यूए-आरएस-आईएनएफ 508/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

डोंगरगढ़ के भैंसरा गांव में हृदय विदारक घटना से गांव में पसरा मातम

पिता के निधन की खबर सुनकर बेटे की मौत, एक साथ उठीं दोनों अर्थियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

जिले के डोंगरगढ़ ब्लॉक के भैंसरा गांव में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां सेवानिवृत्त शिक्षक 81 वर्षीय कार्तिक उईके और उनके 52 वर्षीय शिक्षक पुत्र हीराराम उईके का एक साथ निधन हो गया। इस दुखद घटना से परिजनों और पूरे गांव में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, सेवानिवृत्त शिक्षक कार्तिक उईके का निधन उनके घर पर ही हुआ। वहीं, उनके पुत्र हीराराम उईके करीब डेढ़ माह से रायपुर के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर भर्ती थे। पिता के निधन की खबर मिलने पर, परिजन उन्हें अंतिम दर्शन के लिए भैंसरा वापस ला रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ही हीराराम उईके ने भी दम तोड़ दिया। पिता-पुत्र के एक साथ हुए इस आकस्मिक निधन से समूचे क्षेत्र में मातम पसर गया है। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन पहुंचे हैं, जहां दोनों का अंतिम संस्कार एक साथ किया जाएगा।

तीन बेटों और एक बेटी में बड़े पुत्र थे हीराराम

कार्तिक उईके तीन पुत्रों और एक पुत्री के पिता थे, जिनमें हीराराम ज्येष्ठ पुत्र थे। हीराराम के दो पुत्र हैं, जो दोनों एमबीबीएस डॉक्टर हैं। पिता और पुत्र के एक साथ हुए इस दुखद निधन ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। गांव के लोग भी इस अनूठी त्रासदी से व्यथित हैं और परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर जीवन की अनिश्चितता का अहसास कराया है। हालांकि लेख में हीराराम उईके के बीमार होने का उल्लेख है, लेकिन दोनों की मृत्यु के स्पष्ट कारणों का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब परिवार पहले से ही एक सदस्य के गंभीर रूप से बीमार होने के कारण चिंता में था। पिता के निधन के सदमे और पुत्र के अंतिम क्षणों के बीच, यह घटना परिवार के लिए एक असहनीय पीड़ा लेकर आई है।

संदिग्ध हालत में कार में मिला एसडीओ का शव, जांच जारी

जगदलपुर । बोधघाट थाना क्षेत्र के इंदिरा स्टेडियम के पास एक कार में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान बालोद जिले निवासी और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन के नियानार कार्यालय में एसडीओ के पद पर पदस्थ शोभा राम देहारी के रूप में हुई है। बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक को बीती रात करीब 12 बजे तक कार के अंदर शराब पीते हुए देखा गया था। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतक शोभा राम देहारी, वृन्दावन कॉलोनी के निवासी थे और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन में एसडीओ के पद पर कार्यरत थे। उनका मूल निवास स्थान बालोद जिला है। घटना की सूचना मिलते ही बोधघाट पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कार से बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अश्वनी भारद्वाज, पुत्रः** राम प्रकाश शर्मा, **पताः** मकान नं. 72/73, विकास नगर, उत्तम नगर, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 283/2021 U/s 188/420 IPC, थानाः सुभाष प्लेस, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अश्वनी भारद्वाज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अश्वनी भारद्वाज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 283/2021 U/s 188/420 IPC, थानाः सुभाष प्लेस, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अश्वनी भारद्वाज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **17.04.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री उपासना सतीजा
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी
कमरा नं. 108, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/1473/NW/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी धर्मेन्द्र, पुत्रः** मनोज कुमार, **पताः** मकान नं. 76 गली नंबर 14, शिवा एन्क्लेव पीएस पल्ला फरीदाबाद, **हरियाणा FIR No. 93/2011, U/s: 379 IPC, पुलिस थानाः मंडावली, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्द्र,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्द्र,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **धर्मेन्द्र, FIR No. 93/2011, U/s: 379 IPC, पुलिस थानाः मंडावली, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सचिन
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03
पूर्वी जिला कोर्ट नं. 16
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/1616/ED/2026
(Court Matter)

मार्केट न्यूज

विशाल भारद्वाज की ओ'रोमियो में रोमांच का तूफान, डा. ऑर्थो के साथ खास साझेदारी

चंडीगढ़। मशहूर फिल्मकार विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी हिंदी एक्शन थ्रिलर फिल्म ओ'रोमियो शुक्रवार को दर्शकों के बीच आ चुकी है। फिल्म में शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी और नाना पाटेकर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं। दमदार अभिनय और तीव्र भावनात्मक टकराव से सजी यह फिल्म एक्शन, सस्पेंस व मानवीय संवेदनाओं का अनोखा संगम प्रस्तुत कर रही है। फिल्म की कहानी परिस्थितियों, संघर्ष और जुनून के बीच पनपते रिश्तों और फैसलों की गहराई को उजागर करती है। वहीं, एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर डा. संजीव जुनेजा ने फिल्म ओ'रोमियो की सफलता की कामना की है। इस दौरान दिविसा हर्बल कंपनी के प्रतिनिधि ने बताया कि जैसे फिल्म की कहानी हालातों के आगे झुकने के बजाय मजबूती से खड़े होने की है, वैसे ही उनकी कंपनी का प्रमुख उत्पाद आयुर्वेदिक डा. ऑर्थो तेल शरीर के जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द के खिलाफ मजबूती से खड़ा होता है। इसी सोच के मद्देनज़र डा. ऑर्थो को फिल्म के साथ को-ब्रांडिंग पार्टनर के रूप में जोड़ा है। उन्होंने कहा कि डा. ऑर्थो तेल लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरा है।

नरेला, उत्तर, दक्षिण-पश्चिम और मध्य में सौ फीसदी काम पूरा

अब फाइनल वोटर लिस्ट के प्रकाशन की तैयारी चल रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी की नरेला, उत्तर, दक्षिण पश्चिम और मध्य विधानसभा में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम पूरा कर लिया है, जबकि हुजूर और बैरसिया और गोविंदपुरा में भी 99.99 प्रतिशत काम कंपलीट हो गया है।

शेष विधानसभाओं में भी 99 फीसदी से अधिक काम हो गया है। हालांकि 118 लोगों की सुनवाई बाकी है। जिससे 16 लाख 86 हजार 915 मतदाताओ के नाम फाइनल कर लिए गए हैं। चार नवंबर से शुरु हुए एसआईआर का काम भोपाल में लगभग पूरा हो गया है। 21 फरवरी को एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी होगी। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता का कहना है कि सभी विस में काम लगभग पूरा कर लिया गया है। अब फाइनल वोटर लिस्ट के प्रकाशन की तैयारी चल रही है। एसआईआर के दौरान जिले के सवा दो लाख मतदाताओं के नाम और पते में गड़बड़ी को लेकर नोटिस जारी कर दिए।

D. D. VENTURES LIMITED

CIN No. :- L50102DL1984PLC017834
Regd. Office : 68-68/1, Basement-1, Najafgarh Road, Industrial Area, Moti Nagar, West Delhi, India, 110015
Email Id: a.bhaskar@ddmotors.net,
Website: www.ddventures.in, Tel. No. 011-44400444

"Extract of Statement of Standalone Unaudited Financial Results for the Quarter ended December 31, 2025"

(Rs. in Lakhs)

Sr. No.	Particulars	QUARTER ENDED 31.12.2025 (Unaudited)	QUARTER ENDED 30.09.2025 (Unaudited)	YEAR ENDED 31.03.2025 Audited
1	Total Income from Operations	0.00	0.00	28.80
2	Net Profit / (Loss) for the period (before Tax, Exceptional and/or Extraordinary items)	-2.60	-0.98	0.24
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	-2.60	-0.98	0.24
4	Net Profit / (Loss) for the period after tax (after Exceptional and/or Extraordinary items)	-2.60	-0.98	0.20
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	-2.60	-0.98	0.20
6	Equity Share Capital	94.60	94.60	94.60
7	Reserves (excluding Revaluation Reserve) as shown in the Audited Balance Sheet	-94.62	-94.62	-94.62
8	Earning Per Share (of Rs. 10/- each)			
	1. Basic :	-0.27	-0.10	0.02
	2. Diluted :	-0.27	-0.10	0.02

Notes: 1. The above is an extract of the detailed format of Unaudited Financial Results for the Quarter ended 31.12.2025 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Unaudited Financial Results is available on the websites of the Stock Exchange www.msei.in and the Company www.ddventures.in.

For and on behalf of the Board of
D. D. Ventures Limited
Sd/-
(S D Sharma)
Director
DIN: 07422151

Place : New Delhi
Date : February 14, 2026

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? ज्ञातव्य है कि 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से वहां अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। अब बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। हालांकि, इतिहास देखकर डर लगता है। बीएनपी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता *आजकल* का यह खास अंक...

बीएनपी की जीत के भारत के लिए मायने

विश्लेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी ने संसद की 299 सीटों में से कम से कम 210 से ज़्यादा सीटें जीती हैं, जो दो-तिहाई बहुमत है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? क्या यह खालिदा जिया के कार्यकाल की तरह होगा, जहां बांग्लादेश में हर समस्या के लिए भारत पर आरोप लगाया जाता था और भारत-विरोधी नैरेटिव चलाया जाता था? या फिर बीएनपी नए अवतार में सामने आएगी और भारत के साथ संबंध बेहतर बनाकर अवसर को भुनाएगी?

बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार जब भी रही है, तब भारत के साथ संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही है। ऐसे में तारिक रहमान की अगुआई वाली बीएनपी का रुख़ क्या होगा? इस सवाल को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। बीएनपी की स्थापना 1978 में जियाउर रहमान ने की थी, जो भारत से दूरी और संप्रभुता पर जोर देती थी।

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए थे।

बीएनपी का इस्लामी राष्ट्रवाद

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फर्स्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेक्युलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रांजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए। अवामी लीग की शेख हसीना के दौर 2009-2024 में अवामी लीग की भारत-समर्थक नीतियों के कारण बीएनपी को विपक्ष में रहते हुए भारत-विरोधी नैरेटिव अपनाना पड़ा। अवामी लीग भारत-समर्थक थी, जबकि बीएनपी भारत को संदेह की नज़र से देखती रही, लेकिन 2024-2025 में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट आ गया। छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरी और वे भारत में शरण लेने को मजबूर हुईं। इसके बाद भारत-बांग्लादेश संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे।

मुलाकात के सकारात्मक संकेत

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ढाका जाकर तारिक से मुलाकात की, जो सकारात्मक संकेत है। हाल के समय में बीएनपी रिश्ते सुधारने की कोशिश कर रही है। तारिक ने कहा कि बीएनपी भारत से अच्छे रिश्ते चाहती है, लेकिन बांग्लादेश के हित पहले हैं। वे अर्थव्यवस्था-आधारित विदेश नीति चाहते हैं और भारत से 'सम्मान और बराबरी' पर रिश्ते। उनके संकेत बताते हैं कि वे हसीना के समय की 'निर्भरता' से दूर रहेंगे, लेकिन संघर्ष नहीं चाहते। बहरहाल, दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और सीमा के मुद्दे जुड़े हैं। शेख हसीना के समय भारत-बांग्लादेश रिश्ते गोल्डन एरा में थे, लेकिन 2024 के आंदोलन के बाद तनाव बढ़ा। क्योंकि भारत की बांग्लादेश नीति हसीना पर ज़्यादा निर्भर थी, जो अब एक गंभीर रणनीतिक भूल के रूप में देखी जा रही है। सुरक्षा और व्यापार में घनिष्ठ सहयोग के बदले भारत ने लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया। चीन ने लंबी अवधि के निवेशों के माध्यम से अपनी स्थिति को मज़बूत किया, जो राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद टिके रह सकें।

भारतीय कपास पर निर्भरता

दूसरी तरफ अमेरिका ने इसमें एक नया आयाम जोड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कच्चे माल से बने कुछ बांग्लादेशी वस्त्र निर्यात पर ज़ीरो टैरिफ़ कर दिया है। बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग उसकी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है। बता दें, भारत-बांग्लादेश के बीच सालाना 14 अरब डॉलर का व्यापार है। इससे भारत को करीब 10 अरब डॉलर का सरप्लस मिलता है। बांग्लादेश का वस्त्र उद्योग भारतीय कपास पर काफी हद तक निर्भर है। अगर बांग्लादेश ने इसके लिए चीन की ओर झुकाव दिखाया तो भारतीय निर्यात, खासकर कपास के किसानों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। मैं बहुआयामी संबंधों को मज़बूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक़ रहमान साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। साफ है, पीएम मोदी का बधाई संदेश यह भी जा रहा है कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों को सुधारना चाहता है। भारत चाहता है कि पिछले 18 महीनों की उथल-पुथल को पीछे छोड़कर, जिसमें बांग्लादेश का चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ता संपर्क और हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याएं शामिल रहीं, एक स्थिर और कामकाजी रिश्ता बनाया जाए, ताकि दशकों पुराना सहयोगी साथ बना रहे।

शेख हसीना के दौर में दिल्ली और ढाका के रिश्ते स्थिर माने जाते थे। उनके कार्यकाल में व्यापार, परिवहन, सीमा सुरक्षा और जल बंटवारे पर ध्यान दिया गया। हालांकि दोनों मुल्कों के बीच कई विवादित मुद्दे अब भी बने हुए हैं, जिनमें तीस्ता नदी का प्रश्न शामिल है।

पुराने संबंध बहाल के प्रयास

भारत की कोशिश रहेगी कि अगर पुराने संबंध बहाल न हों तो भी आगे और रणनीतिक दूरी न पैदा हो, क्योंकि दोनों देशों के संबंध कई दशकों में सबसे निचले स्तर पर हैं। ढाका में यह धारणा व्यापक है कि दिल्ली ने अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना का समर्थन कर लोकतांत्रिक गिरावट को बढ़ावा दिया। इस सोच ने भारत विरोधी भावनाओं को तेज किया है और उस संबंध को कमजोर कर दिया है, जिसे कभी आदर्श पड़ोसी संबंध कहा जाता था। बहरहाल, रिश्ते सुधारने के लिए दोनों पक्षों को प्रयास करने होंगे। दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि सीमा सुरक्षित रहे, व्यापार बढ़े और अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

बांग्लादेश में अब हिंदुओं के लिए उम्मीद या खतरा

मुद्दा

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनावों ने सबको चौंका दिया है। इन चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत हासिल कर लिया। तारिक रहमान अब नए प्रधानमंत्री बनने वाले हैं और उनकी पार्टी ने 209 से ज्यादा सीटें जीतीं, जो दो-तिहाई बहुमत है। जमायते-ए- इस्लामी जैसी इस्लामी पार्टी दूसरे नंबर पर आई है, लेकिन बीएनपी की जीत से लगता है कि लोग बदलाव चाहते हैं। 2024 के छात्र विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग को बैन कर दिया गया था और ये पहला चुनाव था, जहां लोग आजादी से वोट डाल सके। अब सवाल ये है कि क्या इस नई सरकार में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलेगी, या उनकी हालत पहले जैसी ही खराब रहेगी? ये सिर्फ एक देश की नहीं, बल्कि इंसानियत की बात है। सबसे पहले तो बांग्लादेश के इतिहास को समझना जरूरी है। 1971 में जब बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ, तो वो धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में बना था। उसके बाद से अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती गई। उस समय हिंदू आबादी 30 फीसद के करीब थी, लेकिन अब घटकर 8-9 फीसद रह गई है। बार-बार हमले, लूटपाट, बलात्कार और जमीन हड़पने की घटनाएं हुईं। अवामी लीग के समय में भी हमले होते थे, लेकिन बीएनपी और जमात के साथ मिलकर सरकार बनने पर ये और बढ़ जाते थे। हजारों घर जलाए गए, महिलाओं के साथ जुल्म हुए और कई लोग मारे गए। मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट की कि ये हमले बीएनपी के समर्थकों और जमायते- ए- इस्तामी के लोगों ने किए थे, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता था। 1971 के मुक्ति संग्राम में जमात ने पाकिस्तान का साथ दिया था और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार किए थे। बीएनपी की जीत से पुरानी यादें ताजा हो रही हैं। अब बात करें हाल की। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिर तोड़े गए, और लोग मारे गए। चुनाव से पहले ये हमले और बढ़ गए। ये हमले सिर्फ हिंदुओं पर नहीं, बल्कि बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समुदायों पर भी हुए। कई लोग कहते हैं कि ये हमले धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता है, तो बदला लिया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार कहती है कि ज्यादातर घटनाएं सांप्रदायिक नहीं, बल्कि साधारण अपराध हैं। लेकिन मानवाधिकार संगठन और हिंदू नेता कहते हैं कि ये सिस्टेमैटिक है, और चुनाव के समय में बढ़ रहा है। बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है, जो अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किल होगी। अब सवाल ये है कि क्या हालत सुधरेगी? बीएनपी की जीत से कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं। चुनाव में वोटर टर्नआउट 59 फीसद था, और लोग लोकतंत्र चाहते हैं। बीएनपी ने अर्थव्यवस्था सुधारने और लोकतंत्र बहाल करने का वादा किया है, लेकिन अल्पसंख्यकों के लिए ये टेस्ट होगा। अगर सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाए, तो हमले जारी रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर भारत को दबाव बनाना चाहिए। भारत ने पहले ही कहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जरूरी है। सोशल मीडिया पर भी लोग बात कर रहे हैं, जैसे एक यूजर ने कहा कि बीएनपी की जीत से हिंदुओं की सुरक्षा मजबूत होनी चाहिए, लेकिन निगरानी जरूरी है। ये कोई राजनीतिक खेल नहीं है। ये लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है। बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई सबको बराबर हक मिलना चाहिए। अगर बीएनपी सरकार ने पुरानी गलतियां नहीं दोहराईं, और जमात जैसे कट्टरपंथियों को काबू में रखा, तो शायद हालत सुधरें। अगर नहीं तो स्थिति और खराब हो सकती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि नई सरकार सबको साथ लेकर चले, क्योंकि एक देश तभी तरक्की करता है जब सब सुरक्षित महसूस करें। भारत जैसे पड़ोसी देशों को मदद करनी चाहिए, लेकिन बिना दखल दिए। आखिर में, इंसानियत से ऊपर कुछ नहीं।

बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी, लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है।

मोहम्मद यूनुस के किरदार की गंभीरता को समझना होगा

बांग्लादेश

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दो वर्षों में बांग्लादेश में राजनीतिक भूचाल आया। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी एशियाई प्रधानमंत्री को देश से भागना पड़ा, लेकिन अब बांग्लादेश की सियासत में आए दिन लिखी जाने वाली नई गाथा के बाद एक नया कूटनीतिक अध्याय शुरू होगा। आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कड़े स्वर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है। चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा, लेकिन अब चुनाव के बाद दिशा मिल गई। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने स्पष्ट कहा है कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को ट्रायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संबंधित मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जताई है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की कमान संभालने के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग को इस चुनाव में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी गई थी। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी, जिसके बाद से देश राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजर रहा था। अब बांग्लादेश में सत्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वहां बदहाली व गुंडागर्दी को कैसे नियंत्रित करेगी। चूंकि पूरी दुनिया ने खुली आंखों से देखा कि किस तरह देश के प्रधानमंत्री की भी जान सुरक्षित नहीं है। गुंडागर्दी का तांडव ऐसा हुआ कि वहां हसीन के निजी अंगवस्त्रों के साथ फोटो सोशल मीडिया पर डाले, जिससे विश्व पटल पर थू-थू हुई। किसी भी सरकार का जीतना एक बार को सरल है, लेकिन शांति कायम करना और व्यवस्थित तौर पर संचालित करना करना बेहद चुनौतीपूर्ण, चूंकि वहां की जनता जो शेख हसीना के समय कर चुकी, वह दोबारा न हो। मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा थी कि वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे, लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेंगे। कुल मिलाकर शांति स्थापित करने के लिए किस तरह पटकथा लिखी जाएगी, अभी यह तय होना बाकी है। लेकिन सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस ट्रांजिशन पर नजर बनाए हुए है और संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मूलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रत्यक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। ज्ञात हो कि टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है, जिससे उन्हें विश्व पटल पर बड़ी पहचान मिली थी। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी चूंकि जितना नुकसान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वरूप ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।

मोहम्मद यूनुस एक ब्रांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है।

संघर्ष जारी रहेगा और हसीना का प्रत्यर्पण भी नहीं होगा

चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना ढाका से सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उन पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलाएंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी। उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की मांग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की मांग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं, लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कट्टर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आईं सरकारें होतीं हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है। बीएनपी का रुख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख ख़ालिदा जिया के निधन के बाद भारत ने जिस तरह का रुख़ अपनाया, उससे तारिक के मन की गांठ खुली है। ख़ालिदा के शोक के वक़्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और संभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अंदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है, इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर कांटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी नहीं थी। भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख़ हसीना को बांग्लादेश लौटना है या नहीं, इसका फैसला उन्हें ही करना है। चुनाव आयोग के आधिकारिक नतीजों से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने बीएनपी की जीत को जनता का भरोसा बताने में देर नहीं लगाई। उन्होंने कहा कि भारत लोकतांत्रिक और समावेशी बांग्लादेश के साथ काम करने को तैयार है। चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान। इसमें सिर्फ 48 प्रतिशत वोटिंग हुई है, यानि 52 प्रतिशत लोगों ने मतदान ही नहीं किया।

चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान।

ध्यान देने की बात है कि शेख हसीना को बांग्लादेश के 35 प्रतिशत से अधिक लोगों का समर्थन मिलता रहा है। कम मतदान का मतलब है कि हसीना के समर्थकों ने बड़े पैमाने पर चुनाव का बहिष्कार किया। इसके साथ ही केवल 48 प्रतिशत मतदान का मतलब है कि तारिक रहमान की अगुआई वाले गठबंधन को देश के ज्यादतर लोगों का समर्थन नहीं मिला। इसका संदेश साफ़ है कि हसीना का 'वोट बैंक' खत्म नहीं हुआ है, बल्कि वह फिलहाल चुप है। इससे अवामी लीग के लिए भविष्य में वापसी की उम्मीद तो बनती ही है, बीएनपी के लिए चेतावनी भी है। आधे से भी कम मतदान के बाद मिली जीत भी वैध नहीं मानी जा सकती। अवामी लीग के ख़िलाफ़ बगावत के बीज उनके आख़िरी चुनाव के दौरान तत्कालीन विपक्षी दलों के चुनाव बहिष्कार से ही पड़ गए थे। कुछ वैसा ही हाल बीएनपी के साथ भी हो सकता है। आधे से भी कम आबादी की वोटिंग आगे जाकर जीतने वाली सरकार की वैधता पर सवाल का कारण बन सकती है।

शेख हसीना भी जानती हैं कि हिंसक प्रदर्शन के बाद हुए चुनाव के बाद आई नई सरकार को करीब तीस प्रतिशत लोगों का ही समर्थन हासिल है। कम मतदान और मौजूदा सरकार का कम आधार आगे चलकर शेख हसीना के लिए संघर्ष का नया बहाना बन सकता है। वे इसे अपने लिए नैतिक जीत बता सकतीं हैं और इस आधार पर अवामी लीग के लिए फिर से सहयोग की व्यापक मांग कर सकती हैं। साफ़ है कि बांग्लादेश का न तो संघर्ष ख़त्म होने जा रहा है और न शेख हसीना का प्रत्यर्पण। इस हालात में भारत को संतुलन बनाए रखते हुए आगे बढ़ना होगा।

भारत को चीन और पाकिस्तान पर भी रखनी होगी नजर

दृष्टिकोण

प्रभात कुमार रॉय

विदेशी मामलों के जानकार

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी वस्तुतः तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का आम चुनाव दो तिहाई बहुमत से जीत चुकी है। उल्लेखनीय है मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा बांग्लादेश के आम चुनाव में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबंधित करके चुनाव में शिरकत नहीं करने दी गई। उम्मीद की जा रही है कि खालिदा जिया के साहबजादे तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो जाएंगे। तारिक तकरीबन 17 वर्षों तक लंदन में राजनीतिक शरण में रहे। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल जियाउर रहमान ने सन् 1978 में बांग्लादेश नेशनल पार्टी का गठन किया था। 1981 में जियाउर रहमान के कत्ल के बाद पार्टी का संचालन जियाउर रहमान की बेगम खालिदा जिया ने किया, जोकि बांग्लादेश की तीन दफा प्रधानमंत्री रही।

2007 में बांग्लादेश में सैन्य समर्थन वाली कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल के दौरान तारिक रहमान को भ्रष्टाचार के संगीन इल्जाम में गिरफ्तार किया गया और तकरीबन 18 महीने जेल काटने के बाद सितंबर 2008 में तारिक रहमान को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद में सपरिवार बांग्लादेश से पलायन करके लंदन में शरणागत हो गए। बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना हुकूमत का तख्ता पलट हो जाने के पश्चात, तारिक वापस बांग्लादेश लौट आए। यक्ष प्रश्न है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के ताल्लुकात किस कदर परवान चढ़ेंगे। बांग्लादेश की राजसत्ता पर आसीन हुई मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा पाकिस्तान के साथ अपने ताल्लुकात सुधारने की जबरदस्त कोशिश अंजाम दी गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीएनपी की हुकूमत का पाकिस्तान के साथ दोस्ताना रवैया स्थापित हो जाएगा। शेख हसीना की हुकूमत के दौरान बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अत्यंत दोस्ताना बना रहा था, किंतु इसके तत्पश्चात यूनुस हुकूमत में भारत और बांग्लादेश के ताल्लुकात बिगड़ते हुए दिखाई देने लगे। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुखालिफ राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्ख होता हुआ दिखाई दिया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे। यूनुस की अंतरिम हुकूमत के दौर में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के बेगुनाह इंसानों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा निरंतर वहशियाना हमले होते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर निरंतर होने वाले कातिलाना हमलों के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति भारत सरकार की मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं को बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस हुकूमत ने अपने आंतरिक मामलों में दखलंदाजी करार दिया। हिंदू विरोधी और भारत विरोधी वहशियाना पागलपन के दौर में बांग्लादेश हुकूमत ने पाकिस्तान से अपने कूटनीतिक ताल्लुकात सुधारने का मौका तलाश लिया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकर्दा हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरख्वास्त करते रहे।

उल्लेखनीय है कि शेख हसीना के हुकूमत के संपूर्ण दौर में पाकिस्तान और बांग्लादेश के परस्पर रिश्ते निरंतर खराब बने रहे। अवामी लीग की हुकूमत द्वारा 1971 के युद्ध में बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के खिलाफ कातिलाना साजिश रचने और बेगुनाह बांग्लादेशियों के नरसंहार में पाकिस्तानी फौज की सक्रिय मदद करने के इल्जाम में अनेक पाकिस्तान समर्थक जमात ए इस्लामिया के कारकूनों को सजा ए मौत दे दी गई। अगस्त 1924 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस से दो बार कूटनीतिक मुलाकात अंजाम दी। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश के मध्य सैन्य कूटनीतिक संबंधों को ताकतवर बनाने की कोशिश की गई। जनरल जियाउल हक की हुकूमत के दौर में पाकिस्तान और पाकिस्तान की फौज का इस्लामीकरण किया गया था। बांग्लादेश की जमात ए इस्लामिया एक कट्टरपंथी इस्लामी तंजीम है जो कि पाकिस्तान की कट्टर समर्थक रही है। दुर्भाग्यवश बांग्लादेश के समाज और सरकार पर इस्लामी कट्टरपंथियों का प्रभाव निश्चित रूप से ही बढ़ रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मध्य निरंतर बढ़ती हुई कूटनीतिक और राजनीतिक घनिष्ठता भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रदान कर रही है। जहां तक साम्यवादी चीन का संबंध है, विगत अनेक दशकों से से पाकिस्तान के साथ चीन के कूटनीतिक और आर्थिक रिश्ते बहुत गहरे और नजदीकी रहे हैं। विस्तारवादी फितरत का चीन यकीनन बांग्लादेश में भी अपनी आर्थिक और सामरिक घुसपैठ निरंतर जारी रखेगा। कूटनीतिक तौर पर भारत के लिए बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार का सत्तासीन होना और इस्लामी कट्टरपंथियों का निरंतर शक्तिशाली होते जाना भारत के लिए एक कड़ी चुनौती के तौर पर सामने आया है। बांग्लादेश के साथ भारत की तकरीबन 4000 किलोमीटर सरहद जुड़ी हुई है। बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। भारत को अब अपनी सरहद पर चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरफ से होने वाली घुसपैठ से निरंतर सतर्क और सावधान निगरानी रखनी होगी। वर्ष 2025 के जून में चीन के कुनमिंग शहर में बांग्लादेश और पाकिस्तान के विदेश सचिवों के साथ चीन के विदेश उपमंत्री सुन वेइदोंग की त्रिपक्षीय बैठक ने भारत के लिए प्रबल चिंता का संकेत दे दिया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कोशिश प्रारंभ की है, जबकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खालिदा जिया के निधन के वक्त बांग्लादेश गए थे। खालिदा जिया की हुकूमत के दौर में बांग्लादेश ने भारत के उल्फा के पृथकतावादियों को शरण और संरक्षण प्रदान किया था। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः भुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

राहुल के पास अर्थव्यवस्था की समझ नहीं, उनके बयान सच से कोसों दूर, न जाने कैसे बने विपक्ष के नेता?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र भारत--अमेरिका ट्रेड डील को भारत की बड़ी जीत के तौर पर सामने रख रहा है। वहीं विपक्ष इस पर लगाता सवाल उठाता रहा है। इस बीच केंद्रीय व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर पलटवार किया

अमेरिका और भारत के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते को लेकर देशभर से मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही है। केंद्र सरकार इसे भारत की बड़ी जीत के तौर पर सामने रख रहा है।

वहीं विपक्ष इसे भारत की हार और अमेरिका की जीत के तौर पर बता रहा है। इसी बीच इस व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि इतने नासमझ व्यक्ति को नेता विपक्ष कैसे बना गया।

पीयूष गोयल का नेता प्रतिपक्ष पर तीखा हमला - उन्हें कोई समझ नहीं

ट्रेड डील पर सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव गहराता जा रहा

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

राहुल के पास झूठ, धोखा और ...

गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल अर्थव्यवस्था को समझे बिना गलत बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह नहीं समझ पा रही है कि जिस आदमी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, उनके पास झूठ, धोखा और ट्वीट करने वाले बयानों के अलावा कुछ भी नहीं है, वह सच से हजारों मील दूर हैं।

पहले के प्रावधानों पर भी उठा रहे सवाल

राहुल ने दावा किया था कि अगर बांग्लादेश अमेरिका से सूत या कपास खरीदता है तो उसे अमेरिका में शून्य शुल्क पर कपड़ा निर्यात करने की छूट मिलती है। गोयल ने कहा यह कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह प्रावधान पहले से मौजूद हैं।

कपास उत्पादन क्षमता बढ़ेगी

गोयल ने कहा कि भारत की कपास उत्पादन क्षमता आगे बढ़ेगी और उसकी मांग भी बढ़ेगी। आयात करके यहां प्रोसेस कर फिर निर्यात करने की नीति कोई नई बात नहीं है, बल्कि यह वर्षों से विदेशी व्यापार नीति का हिस्सा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय बना सेज कानून साफ कहता है कि कच्चा माल जीरो ड्यूटी पर आयात कर उसे प्रोसेस कर निर्यात किया जा सकता है।

झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने राहुल के आरोपों को बेबुनियाद और झूठ करार देते हुए उन पर जोरदार हमला बोला है। पीयूष ने कहा कि राहुल को कहा कि वे झूठ बोलने और निराधार आरोप लगाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वे अपने झूठे बयान से हमारे किसानों को गुमराह कर रहे हैं और उन्हें भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

देश की कोई चिंता नहीं

मंत्री गोयल ने आगे कहा कि राहुल गांधी को भारत की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कभी हमारी मातृभूमि की परवाह नहीं की और न ही हम उनसे भारत के मजबूत और समृद्ध भविष्य के लिए काम करने की उम्मीद कर सकते हैं।

किसानों के हित सर्वोपरि

गोयल ने भारत अमेरिका ट्रेड डील का बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से हमारे किसानों के प्रति सहानुभूति रखते आए हैं। उन्होंने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है और उनकी समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्णय लिए हैं।

खबर संक्षेप

5 जिगरी दोस्तों की मौत गांव में मातम पसरा

गोहाना। यहां के भावड़ गांव में जहां कुछ ही देर पहले डीजे की धुनों पर खुशियां झूम रही थीं, वहीं

अचानक आई एक मनहूस खबर ने पूरे माहौल को सन्नाटे में बदल दिया। दो बेटियों की शादी का जश्न चल रहा था, एक की विदाई हो चुकी थी। दूसरी की बारात का इंतजार था। तभी सड़क हादसे में रोहतक के 5 जिगरी दोस्तों की मौत की सूचना पहुंची। मातम छा गया।

बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

झुंझुनूं। राजस्थान के डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा के काफिले में एक्सीडेंट होने का मामला सामने आय है। यह घटना झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी इलाके में तब हुई जब डिप्टी सीएम एक कार्यक्रम में आ रहे थे। इसी दौरान कार काफिल के बीच आ गई और डिप्टी सीएम के काफिल में चल रही एक कार के साथ उसकी टक्कर हो गई।

गृहमंत्री शाह ने पुडुचेरी में रैली में कांग्रेस पर किया हमला

झूठ बोलो, जोर से बोलो और फिर दोहराओ की नीति पर चल रहे राहुल... वे गुमराह कर रहे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए बयान के बाद सियासत गरमा गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मामले में राहुल गांधी को सीधे निशाने पर लिया और झूठ फैलाकर जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया है। शाह ने शनिवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौतों में किसानों और मछुआरों के हित पूरी तरह सुरक्षित किए गए हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी आरोप लगाया कि वह झूठ फैला रहे हैं और लोगों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा की एक रैली में शाह ने कहा कि राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की नीति है झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार दोहराओ। शाह ने कहा कि लेकिन लोग अब आपकी झूठ फैक्टरी को पहचान चुके हैं।

लोग विपक्षी नेता की झूठ फैक्टरी को पहचान चुके

राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा चला रहे

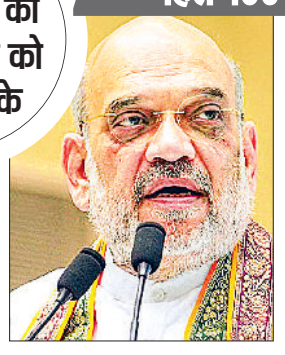

पीएम ने किसानों-मछुआरों का हित 100 प्रतिशत सुरक्षित रखा

शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले यूपीए सरकार के दौरान किसानों के हितों की अनदेखी हुई और उनका फायदा नहीं हुआ। शाह ने यह भी भरोसा जताया कि 2029 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी।

शाह ने बताया पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य

शाह ने बताया कि 5 साल में कांग्रेस ने पुडुचेरी में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का माहौल बनाया था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदलकर व्यवस्था और विकास की ओर ले जाया है। अब पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य है। पहले पुडुचेरी के फैसले गांधी परिवार द्वारा दिल्ली से लिए जाते थे, अब यह निर्णय पुडुचेरी में ही लिए जाते हैं। पुडुचेरी में एनडीए, भाजपा और नेता रंगास्वामी के प्रति जनता के विश्वास की बात करते हुए कहा कि 2021 के विधानसभा चुनाव में एनडीए को 44% वोट मिले थे।

नारायणासामी ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बनाया

शाह ने पुडुचेरी में रैली में तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि नारायणसामी की सरकार ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बना दिया था। उन्होंने खुलकर कहा कि पीजी और डिप्लोमा सीटों की नीलामी की गई।

और अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षित सीटें भी अमीरों को बेच दी गईं। उन्होंने कहा कि परिवहन माफियाओं को जनता को परेशान करने की पूरी आजादी दी गई थी।

ट्रेड डील पर राहुल का फिर हमला

व्यापार समझौते ने टैक्सटाइल उद्योग को ही खत्म कर दिया

- राहुल बड़े आंदोलन की तैयारी कर रहे किसान नेताओं से भी मिल चुके

राहुल गांधी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगातार घेर रहे हैं। वे टैरिफ मुद्दा भी उठा रहे हैं। एक दिन पहले राहुल ने किसान संघ के नेताओं से मुलाकात की। वहीं अब एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि इस व्यापार समझौते से देश का टेक्सटाइल उद्योग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। अपने वीडियो में राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसी के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक साबित होगा।

टैरिफ पर सरकार को घेरा, बताई सच्चाई!

कपास की खेती और कपड़ा क्षेत्र से संबंधित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए राहुल ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में कपड़ा निर्यात पर शून्य फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया 'यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी।'

हरियाणा सरकार

महाशिवरात्रि
के पावन पर्व पर
हार्दिक शुभकामनाएं
15 फरवरी, 2026

"सभी देशवासियों को भगवान भोलेनाथ को समर्पित पावन-पर्व महाशिवरात्रि की असीम शुभकामनाएं। यह दिव्य अवसर आप सभी के लिए सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, साथ ही विकसित भारत के संकल्प को सुदृढ़ करे, यही कामना है। हर-हर महादेव!"

- नरेन्द्र मोदी

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस समय सोना निवेश का बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स यानी युवा भारतीयों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, लेकिन इसे खरीदने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। स्मिटन पल्सएआई के सर्वे में सामने आया है कि सोने की खरीद अब अधिक व्यक्तिगत और छोटी रकम/मात्रा में होने लगी है। 18-39 वर्ष के 5,000 उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार पारंपरिक, परिवार-केंद्रित खरीदारी की जगह अब तर्क-आधारित और व्यक्तिगत फैसलों का महत्व बढ़ रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स सोने की खरीद को अब शादी-समारोह से आगे बढ़कर व्यक्तिगत माइलस्टोन और पहली सैलरी जैसे शुरुआती निवेश के रूप में देख रहे हैं।

सुरक्षा के मामले में पहली पसंद

आधुनिक निवेश विकल्पों की बढ़ती पहुंच के बावजूद युवा भारतीयों के लिए सोना अब भी सबसे भरोसेमंद निवेश बना हुआ है। सर्वे के अनुसार यदि आज 25,000 रुपये निवेश करने हों तो 61.9% उत्तरदाता सोने को चुनेंगे। यह आंकड़ा म्यूचुअल फंड (16.6%), फिक्स्ड डिपॉजिट (13%), शेयर बाजार (6.6%) और क्रिप्टो (1.9%) से काफी आगे है। आर्थिक अनिश्चितता के समय भी सोने पर भरोसा कायम है। 65.7% लोगों ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है। यह ट्रेंड दर्शाता है कि जेन जी और मिलेनियल्स दोनों के लिए सोना अब भी वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख सहारा बना हुआ है।

छोटी खरीदारी बन रही नया ट्रेंड

सर्वे से स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब सोने की बड़ी और कम अंतराल वाली खरीदारी से हटकर छोटी और नियमित खरीदारी का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। हाल की 61.9% खरीद 5 ग्राम से कम की रही, जिसमें 27.5% लोगों ने 2 ग्राम से कम और 34.4% ने 2 से 5 ग्राम के बीच सोना खरीदा। अब 42% परिवार समय-समय पर छोटी मात्रा में सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं, जबकि 58% अभी भी एकमुश्त और अवसर आधारित खरीद करते हैं।

24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

जेन जी और मिलेनियल्स की पहली पसंद बना सोना

परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण

निवेश के मामले में परिवार की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन सोने की खरीद के फैसले अब तेजी से व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 66.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि आज सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत और स्वयं प्रेरित निर्णय बन चुका है, न कि केवल पारिवारिक प्रभाव से लिया गया फैसला। 42.3% लोगों ने बताया कि उनके घर में हाल की सोने की खरीद की पहल उन्होंने खुद की, जबकि 40% ने माता-पिता या बड़े परिवार के सदस्यों को इसका श्रेय दिया। यह बदलाव पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर को दिखाता है। जेन जी अब कब और कैसे सोना खरीदना है, इसका फैसला खुद लेने में अधिक आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और इसे व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय मानते हैं। वहीं, मिलेनियल्स अब भी गोल्ड को परिवार की योजना और दीर्घकालिक सुरक्षा के नजरिए से देखते हैं, जहां खरीदारी सामूहिक प्राथमिकताओं से प्रभावित रहती है।

अब शादियों तक सीमित नहीं

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार सोना खरीदना अब केवल शादी जैसे अवसरों तक सीमित नहीं रहा। 24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

सोने की खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है। इसके बावजूद सोने की खरीदारी में अभी भी पारंपरिक चैनल्स पर भरोसा अधिक है। सर्वे के अनुसार, 38.3% लोग सबसे अधिक सोना बड़ी ब्रांडेड ज्वेलरी चेन से खरीदते हैं, जबकि 34.7% उपभोक्ता स्थानीय ज्वैलर पर भरोसा करते हैं। इसके विपरीत, केवल 5.2% लोग ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप के जरिए सोना खरीद रहे हैं। खरीद से जुड़ी चिंताओं में शुद्धता और प्रामाणिकता सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आई, जिसे 49.4% उत्तरदाताओं ने प्रमुख कारण बताया।

खरीद के बाद पछतावा भी बड़ा संकेत

सर्वे की सबसे महत्वपूर्ण बात यह सामने आई कि सोना खरीदने के बाद बड़ी संख्या में युवा उपभोक्ता असमंजस या पछतावा महसूस करते हैं। करीब 67.1% उत्तरदाताओं ने माना कि उन्हें अक्सर या कभी-कभी सोना खरीदने के बाद पछतावा हुआ है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह खरीदी गई कीमत (38.9%) रही, जबकि 33.5% लोगों ने ज्वैलरी, सिक्के या डिजिटल गोल्ड जैसे फॉर्मेट को लेकर भ्रम को कारण बताया। वहीं 18.8% ने पर्याप्त जानकारी के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। यह ट्रेंड दिखाता है कि सोने पर भरोसा मजबूत है, लेकिन खरीद प्रक्रिया को लेकर युवाओं का आत्मविश्वास अभी भी पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है।

भविष्य में सोना खरीदने का इरादा

लोग भविष्य में भी खूब सोना खरीदना चाहते हैं। इस सर्वे में यह भी सामने आया कि भविष्य में सोना खरीदने का इरादा बहुत मजबूत है। 52.7% उत्तरदाता अगले 12 से 24 महीनों में सोना खरीदने के लिए "बहुत संभावना" दिखाते हैं। कुल मिलाकर सोने का स्थान युवा भारतीयों के बीच अब भी अडिग है, हालांकि खरीदारी के तरीके बदल रहे हैं। छोटे निवेश, व्यक्तिगत निर्णय और पारंपरिक खरीदारी चैनल्स में भरोसा दर्शाता है कि सोना का आकर्षण मजबूत है और आने वाले समय में भी यह सुरक्षित निवेश के रूप में रहेगा।

महंगाई के दौर में बच्चों के लिए बनाएं फंड

उच्च शिक्षा के लिए करें मजबूत प्लानिंग

तैयारी
बिजनेस डेस्क

- तेजी से महंगी हो रही पढ़ाई, अभी नहीं संभले तो पड़ेगा भारी
- एसआईपी समेत कई निवेश विकल्पों के बारे में सोचना होगा
- एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति बनानी होगी

आज के दौर में शिक्षा केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बन चुकी है, लेकिन इसके साथ स्कूल और कॉलेज की फीस सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल बोर्ड, प्रोफेशनल कोर्स, विदेश में पढ़ाई, हॉस्टल और रहने-खाने का खर्च ये सभी मिलकर उच्च शिक्षा को बेहद महंगा बना देते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे समय रहते अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाएं। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता एक अनुमानित रकम तय कर लेते हैं और हर महीने एसआईपी शुरू कर देते हैं। यह एक अच्छा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल एसआईपी पर निर्भर रहना पर्याप्त है? बदलते आर्थिक हालात और शिक्षा महंगाई को देखते हुए जवाब है नहीं। जरूरत है एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति की।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ा फायदा

उच्च शिक्षा की योजना में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यदि बच्चा छोटा है और आप अभी से निवेश शुरू करते हैं, तो कंपाउंडिंग का लाभ कई गुना बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप 10–15 साल तक नियमित एसआईपी करते हैं, तो छोटी-छोटी मासिक बचत भी बड़ा फंड बना सकती है। देर से शुरुआत करने पर आपको अधिक रकम निवेश करनी पड़ सकती है, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है।

एक निवेश विकल्प पर निर्भर न रहें

अक्सर लोग पूरे शिक्षा फंड को इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर देते हैं और फीस भरने तक उसे वहीं रखते हैं। लेकिन यदि फीस के समय बाजार में गिरावट आ जाए, तो आपके फंड की वैल्यू घट सकती है। इसलिए जरूरी है कि जैसे-जैसे फीस का समय नजदीक आए, निवेश को सुरक्षित विकल्पों में शिफ्ट किया जाए। उदाहरण के लिए लक्ष्य से 3–4 साल पहले धीरे-धीरे डेट फंड या एफडी में ट्रांसफर करें। अंतिम 1–2 साल में जोखिम बहुत कम कर दें और पैसा लिक्विड या सुरक्षित साधनों में रखें। यह रणनीति आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाती है।

शिक्षा महंगाई का सही अनुमान लगाएं

भारत में शिक्षा महंगाई दर सामान्य महंगाई से अधिक, लगभग 8–12% तक मानी जाती है। यदि आज किसी कोर्स की फीस 10 लाख रुपये है, तो 10 साल बाद वही कोर्स 20–25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसलिए भविष्य की लागत का अनुमान लगाते समय महंगाई को शामिल करना जरूरी है। केवल वर्तमान फीस देखकर योजना बनाना पर्याप्त नहीं है।

अन्य खर्चों को भी जोड़ें

अक्सर माता-पिता केवल ट्यूशन फीस को ध्यान में रखकर फंड बनाते हैं, जबकि वास्तविक खर्च इससे कहीं अधिक होता है। विशेषकर विदेश में पढ़ाई के मामले में रहने और खाने का खर्च, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, एप्लिकेशन फीस, इंटर्नशिप या प्रोजेक्ट खर्च इन सभी खर्चों को जोड़कर ही वास्तविक लक्ष्य तय करें। विदेश में पढ़ाई का खर्च तो डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में होने के कारण और भी बढ़ सकता है।

एजुकेशन लोन से न घबराएं

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को नकारात्मक नजर से देखते हैं, लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। यदि समझदारी से लिया जाए, तो एजुकेशन लोन रिटायरमेंट सेविंग्स को बचाने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास शिक्षा और रिटायरमेंट दोनों के लिए सीमित फंड है, तो शिक्षा के लिए आंशिक लोन लेकर आप अपने रिटायरमेंट कॉर्पस को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा, एजुकेशन लोन पर टैक्स लाभ भी मिलता है और पढ़ाई पूरी होने के बाद बच्चे खुद इसे चुकाने में योगदान दे सकते हैं।

रिटायरमेंट से समझौता न करें

बच्चों की पढ़ाई महत्वपूर्ण है, लेकिन अपनी रिटायरमेंट सुरक्षा को नजरअंदाज करना भविष्य में आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। शिक्षा के लिए आप लोन ले सकते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के लिए नहीं। इसलिए दोनों लक्ष्यों में संतुलन बनाना जरूरी है।

नियमित समीक्षा करें

हर साल अपनी योजना की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है, तो **SIP** की राशि भी बढ़ाएं। अगर लक्ष्य की लागत बदलती है या बच्चे की रुचि अलग दिशा में जाती है, तो योजना में संशोधन करें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पहले से तैयारी करना अनिवार्य हो गया है। केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश, जोखिम प्रबंधन और समय पर समीक्षा ही मजबूत शिक्षा फंड का आधार बनते हैं। जल्दी शुरुआत, विविध निवेश, महंगाई का सही अनुमान और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन ये सभी कदम मिलकर आपके बच्चे के सपनों को साकार कर सकते हैं।

प्राइवेट नौकरी वाले जान लें अहम टिप्स

आर्थिक रूप से रहेंगे मजबूत

- अपने वेतन का करीब 20 फीसदी शुरू से ही निवेश करें
- अपना बजट बनाएं, लक्ष्य तय करें और गैरजरूरी खर्चों से बचें
- सैलरी 10% बढ़ती है, तो कम से कम 5% अतिरिक्त निवेश करें
- व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें, यह बीमारी में काम आएगा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले लाखों युवाओं के लिए करियर की शुरुआत उत्साह और सपनों से भरी होती है। अच्छी सैलरी, कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते अवसर आकर्षित करते हैं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक सच्चाई भी है प्राइवेट नौकरी में सरकारी कर्मचारियों जैसी पेंशन, स्थायी सुरक्षा या व्यापक सामाजिक लाभ अक्सर उपलब्ध नहीं होते। ऐसे में यदि वित्तीय योजना मजबूत न हो, तो भविष्य असुरक्षित हो सकता है। करियर की शुरुआत में की गई छोटी वित्तीय गलतियां समय के साथ बड़ी समस्या बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि शुरुआत से ही सतर्क रहें और कुछ सामान्य लेकिन गंभीर वित्तीय भूलों से बचें।

अनियंत्रित जीवनशैली की शुरुआत

अक्सर युवा नौकरी लगते ही खर्च की आजादी का आनंद लेने लगते हैं। सैलरी आते ही किराया, घूमना-फिरना, गैजेट्स और ऑनलाइन शॉपिंग पर पैसा खर्च हो जाता है। लेकिन यदि आय और खर्च का स्पष्ट बजट न हो, तो बचत पीछे छूट जाती है। वित्तीय स्थिरता की पहली शर्त है बजट बनाना। 50-30-20 फॉर्मूला एक आसान तरीका है। इसमें 50% आय जरूरी खर्चों के लिए, 30% लाइफस्टाइल और शौक के लिए तथा 20% बचत और निवेश के लिए रखा जाता है। समस्या तब होती है जब लोग बचत वाले हिस्से को टाल देते हैं। कई बार दिखावे या सामाजिक दबाव में जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। याद रखें, कमाई से ज्यादा जरूरी है पैसे का प्रबंधन।

वेतन बढ़ा, बचत नहीं

प्राइवेट सेक्टर में समय-समय पर इंक्रीमेंट और प्रमोशन मिलते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि वेतन बढ़ते ही खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहते हैं। नई कार, महंगा मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, बार-बार ट्रैवल ये सब बढ़ती आय के साथ जुड़ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि बचत की दर स्थिर ही रहती है या घट जाती है। समझदारी यह है कि हर वेतन वृद्धि के साथ निवेश भी बढ़ाया जाए।

निवेश को टालना

अभी तो करियर की शुरुआत है, बाद में निवेश करेंगे यह सोच सबसे खतरनाक है। निवेश में समय सबसे बड़ा हथियार है। जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ही कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। मान लीजिए कोई व्यक्ति 25 साल की उम्र से हर महीने 5,000 रुपये एसआईपी में निवेश करता है और दूसरा 35 साल की उम्र से 10,000 रुपये। लंबे समय में पहले व्यक्ति का फंड अधिक हो सकता है, क्योंकि उसे 10 साल का अतिरिक्त समय मिला। प्राइवेट नौकरी में पेंशन की गारंटी नहीं होती। इसलिए रिटायरमेंट फंड बनाना आपकी जिम्मेदारी है। म्यूचुअल फंड एसआईपी, पीपीएफ, एनपीएस या अन्य लंबी अवधि के साधनों में नियमित निवेश जरूरी है।

इमरजेंसी फंड की अनदेखी

प्राइवेट सेक्टर में नौकरी की स्थिरता सीमित हो सकती है। अचानक छंटनी, कंपनी बंद होना या व्यक्तिगत कारणों से नौकरी छोड़नी पड़ सकती है। ऐसे समय में यदि इमरजेंसी फंड न हो, तो आपको कर्ज लेना पड़ सकता है या निवेश तोड़ना पड़ सकता है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि रखें।

बीमा को हल्के में लेना

कई लोग सोचते हैं कि कंपनी द्वारा दिया गया ग्रुप हेल्थ इंश्योरेंस पर्याप्त है। लेकिन नौकरी बदलते ही यह सुविधा खत्म हो सकती है। इसलिए व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस लेना जरूरी है। इसके अलावा, यदि परिवार आप पर निर्भर है, तो टर्म लाइफ इंश्योरेंस अनिवार्य है। यह कम प्रीमियम में बड़ी सुरक्षा देता है।

कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड का अत्यधिक उपयोग और पर्सनल लोन लेना भी बड़ी वित्तीय गलती है। 18% से 36% तक ब्याज दर आपकी बचत को खत्म कर सकती है। कर्ज लें तो केवल जरूरी जरूरतों के लिए, जैसे होम लोन।

अनुशासन ही असली सुरक्षा

प्राइवेट नौकरी में अवसर बहुत हैं, लेकिन जोखिम भी कम नहीं। यहां भविष्य की सुरक्षा आपके अपने हाथ में है। बजट बनाना, लाइफस्टाइल पर नियंत्रण, समय पर निवेश, पर्याप्त बीमा और इमरजेंसी फंड ये पांच स्तंभ आपकी आर्थिक मजबूती की नींव हैं। वहीं, आज का अनुशासन आपको आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति दे सकता है।

शेयर बाजार की बदहाली से इक्विटी म्यूचुअल फंड में घटा निवेश

- गोल्ड ईटीएफ में निवेश 106% बढ़ा
- शेयर बाजार में इन दिनों खूब दिख रही उठापटक
- आम निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ

जानकारी
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों उठा-पटक का दौर चल रहा है। किसी दिन शेयर बाजार का सूचकांक कुलांचे भरते हुए ऊपर चढ़ जाता है तो किसी दिन जमीन पर लोटने लगता है। तभी तो इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ। स्थिति यह रही कि इस महीने गोल्ड ईटीएफ में इक्विटी म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा निवेश हुआ।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान इक्विटी म्यूचुल फंड्स में 24,028 करोड़ रुपये आए। इससे एक महीने पहले यानी दिसंबर 2025 के दौरान 28,054 करोड़ रुपये आए थे। मतलब कि इस महीने निवेश में 14% की कमी आई है। यदि साल दर साल के आधार पर देखें तो जनवरी 2025 की तुलना में इस साल जनवरी में यह गिरावट 39% रही है। पिछले साल जनवरी के दौरान इस फंड में 39,687 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

इक्विटी फंड्स में कौन पहली पसंद

जनवरी के दौरान अलग-अलग तरह के इक्विटी फंडों में, फ्लेक्सीकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा 7,672 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद मिडकैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज एंड मिड-कैप फंड में 3,181 करोड़ रुपये का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 2,942 करोड़ रुपये आए, लेकिन ईएलएसएस फंड से निवेशकों ने 593 करोड़ रुपये निकाल लिए। अगर पिछले महीने से तुलना करें, तो फोकस्ड फंड में निवेश 47% बढ़ा। दिसंबर 2025 में इनमें 1,056 करोड़ रुपये आए थे, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 1,556 करोड़ रुपये हो गए। लार्जकैप फंड और सेक्टोरल/थीमैटिक फंड में भी पिछले महीने की तुलना में क्रमशः 28% और 10% ज्यादा निवेश आया। वहीं, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड में निवेश पिछले महीने के मुकाबले 24% और 23% घट गया।

डेट फंड का चला जादू

जनवरी 2026 के दौरान डेट फंड में 74,827 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह अच्छी खबर है क्योंकि पिछले दो महीनों (नवंबर और दिसंबर 2025) में डेट फंड से कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये बाहर चले गए थे। पिछले साल जनवरी की तुलना में इस साल डेट फंड में निवेश 42% कम रहा, जब 1.28 लाख करोड़ रुपये आए थे। डेट फंड की 16 अलग-अलग श्रेणियों में से, ओवरनाइट फंड में सबसे ज्यादा 46,280 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड से 11,472 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। लिक्विड फंड में 30,681 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड में 12,763 करोड़ रुपये का निवेश आया।

हाइब्रिड फंड में भी रौनक

बीते जनवरी महीने के दौरान हाइब्रिड फंड में 17,356 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 10,755 करोड़ रुपये की तुलना में 61% ज्यादा है। पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 98% बढ़ा है, जब 8,767 करोड़ रुपये का निवेश आया था। हाइब्रिड फंड की छह श्रेणियों में से, मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड में सबसे ज्यादा 10,485 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद आर्बिट्रेज फंड में 3,293 करोड़ रुपये आए। आर्बिट्रेज फंड में तो पिछले महीने के मुकाबले निवेश में 2,507% की भारी बढ़ोतरी हुई, जो दिसंबर 2025 में सिर्फ 126 करोड़ रुपये था। हालांकि, इक्विटी सेविंग्स फंड और कंजरवेटिव हाइब्रिड फंड में पिछले महीने के मुकाबले क्रमशः 81% और 35% की गिरावट आई।

ईटीएफ में खूब हुआ निवेश

अन्य स्कीमों, जिनमें ईटीएफ और इंडेक्स फंड जैसे पैसिव फंड शामिल हैं, में जनवरी में 39,954 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 26,723 करोड़ रुपये से 50% ज्यादा है। गोल्ड ईटीएफ में तो सबसे ज्यादा 24,039 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो पिछले महीने के मुकाबले 106% ज्यादा है। हो सकता है कि सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी की वजह से निवेशक इस ओर आकर्षित हुए। अन्य ईटीएफ में 15,005 करोड़ रुपये का निवेश आया। विदेशों में निवेश करने वाले फंड-ऑफ-फंड में भी भारी उछाल देखा गया।

चालीस की उम्र में कर रहे हैं रिटायरमेंट प्लानिंग तो अपना लें ये अहम टिप्स

इस उम्र में भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती हैं, अच्छी रणनीति बनाकर निवेश करेंगे तो नहीं होगी परेशानी, भविष्य सुरक्षित रहेगा।

शुरुआत
बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट प्लानिंग अक्सर लोग 50 की उम्र के बाद शुरू करने की सोचते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि 40 की उम्र वह मोड़ है, जहां से भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती है। यह उम्र आमतौर पर करियर का सबसे स्थिर और आय का सबसे मजबूत दौर होता है। आमदनी अपने शिखर की ओर बढ़ रही होती है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। बच्चों की पढ़ाई, होम लोन की ईएमआई, माता-पिता की देखभाल और जीवनशैली से जुड़े खर्च। ऐसे में यदि आपने अब तक रिटायरमेंट के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है, तो अब वक्त है इसे प्राथमिकता देने का। 40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब है सीमित समय में अधिक प्रभावी रणनीति अपनाना। आपके पास अब 20–25 साल का कार्यकाल बचा हो सकता है। इस दौरान सही निवेश, अनुशासन और जोखिम प्रबंधन से आप एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार कर सकते हैं। सबसे पहले अपनी आय, खर्च, ईएमआई, मौजूदा निवेश और बीमा की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझें। हर महीने कितना पैसा बचता है और कितना खर्च होता है, इसका विस्तृत विश्लेषण करें। इसके साथ ही महंगाई दर, भविष्य के मेडिकल खर्च और रिटायरमेंट के बाद की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाएं कि आपको कितनी रकम की जरूरत होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वर्तमान खर्च का कम से कम 70–80% हर महीने चाहिए होगा।

सबसे पहले आय, खर्च, ईएमआई व निवेश की स्थिति समझें

रिटायरमेंट को प्राथमिकता बनाएं

अक्सर लोग बच्चों की पढ़ाई या घर खरीदने को प्राथमिकता देते हैं और रिटायरमेंट को टालते रहते हैं। लेकिन याद रखें, बच्चों को शिक्षा के लिए लोन मिल सकता है, रिटायरमेंट के लिए नहीं। ईपीएफ, पीपीएफ, एनपीएस और म्यूचुअल फंड एसआईपी जैसे साधनों में नियमित निवेश बढ़ाएं। कोशिश करें कि अपनी आय का कम से कम 15–25% हिस्सा रिटायरमेंट के लिए सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो हर साल आय बढ़ने के साथ निवेश राशि भी बढ़ाएं।

महंगे कर्ज से जल्दी छुटकारा पाएं

क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर 12% से 24% तक ब्याज देना आपकी संपत्ति निर्माण की क्षमता को कमजोर करता है। ऐसे कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें। होम लोन अपेक्षाकृत सस्ता होता है, लेकिन यदि अतिरिक्त राशि उपलब्ध हो तो प्री-पेमेंट जरूर करें। कर्ज मुक्त जीवन रिटायरमेंट की दिशा में बड़ा कदम है।

इमरजेंसी फंड बनाना न भूलें

रिटायरमेंट निवेश के साथ-साथ एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना भी जरूरी है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखें। यह फंड अचानक नौकरी छूटने, बीमारी या किसी अप्रत्याशित खर्च के समय सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे आपको निवेश तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

टैक्स प्लानिंग से बढ़ाएं बचत

सही टैक्स प्लानिंग से आप अपनी निवेश क्षमता बढ़ा सकते हैं। आयकर की धारा 80सी, एनपीएस में अतिरिक्त निवेश (80सीसीडी(1बी), हेल्थ इंश्योरेंस (80डी) और कैपिटल गेन प्लानिंग का लाभ उठाएं। टैक्स बचत केवल बचत नहीं है, बल्कि आपके भविष्य के लिए अतिरिक्त निवेश का अवसर है।

पर्याप्त बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करें

40 की उम्र में परिवार आप पर निर्भर होता है। इसलिए पर्याप्त टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें, जो कम से कम आपकी वार्षिक आय का 10–15 गुना हो। साथ ही, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान भी रखें, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च तेजी से बढ़ते हैं। समय-समय पर अपनी पॉलिसी की समीक्षा करना भी जरूरी है। बच्चों की शिक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन इसे रिटायरमेंट की कीमत पर पूरा करना समझदारी नहीं है। शिक्षा के लिए अलग निवेश योजना बनाएं, जैसे कि इक्विटी म्यूचुअल फंड या चाइल्ड प्लान। ध्यान रखें कि लंबी उम्र एक बड़ा वित्तीय जोखिम है। यदि रिटायरमेंट फंड पर्याप्त नहीं होगा, तो बाद में आर्थिक निर्भरता की स्थिति बन सकती है।

नियमित समीक्षा सफलता की कुंजी

रिटायरमेंट प्लानिंग एक बार का निर्णय नहीं, बल्कि निरंतर प्रक्रिया है। हर साल अपने निवेश, खर्च और लक्ष्यों की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है या जिम्मेदारियां कम होती हैं, तो निवेश की गति बढ़ाएं। पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट का संतुलन उम्र के अनुसार रखें। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आए, जोखिम कम करते जाएं।

स्पष्ट रणनीति अपनाएं

40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करना देर नहीं है, बशर्ते आप अनुशासित और स्पष्ट रणनीति अपनाएं। सही दिशा में उठाया गया कदम आपको आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन दे सकता है। याद रखें, रिटायरमेंट कोई अंत नहीं, बल्कि जीवन का नया अध्याय है और इसकी तैयारी आज से ही शुरू होती है।

मैच-अप : बुमराह-फरहान और हार्दिक-तारिक की भिड़ंत बनेगी हाइलाइट

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

आधुनिक टी20 क्रिकेट में डेटा की भूमिका काफी अहम होती है और इसी वजह से मैच-अप (एक टीम के खिलाड़ी विशेष का दूसरे टीम के खिलाड़ी विशेष से मुकाबला) को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ की चर्चा में अहम स्थान प्राप्त होता है। गौतम गंभीर और माइक हेसन दोनों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर 'मैच-अप' पर फोकस करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत-पाक मुकाबलों की कमी के कारण ज्यादा डेटा नहीं है। प्रशंसकों के लिए पांच संभावित रोमांचक मैच-अप पेश कर रहे हैं। मैच में अगर बारिश ने खलल नहीं डाला तो यह काफी दिलचस्प होगा।

साहिबजादा फरहान बनाम जसप्रीत बुमराह

पिछली बार जब ये दोनों आमने-सामने आए थे तब फरहान दो छक्के लगाकर बुमराह पर भारी पड़े थे और ऐसे चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में शामिल हो गए, जिन्होंने एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में बुमराह को दो छक्के मारें। फरहान ने इस प्रदर्शन का जिक्र एक विज्ञापन वृत्तचित्र में भी किया था। नामीबिया के खिलाफ बुमराह को पावरप्ले में नहीं गेंदबाजी करने का मौका मिला, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर की रणनीति देखने में रोचक होगी। आंकड़े बताते हैं कि फरहान ने तीन मैचों में बुमराह की 34 गेंदों का सामना किया और बिना आउट हुए 51 रन बनाए।

बाबर आजम बनाम कुलदीप यादव

कुलदीप यादव ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बाबर आजम को कभी गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के इस बल्लेबाज को तीन मैचों में आउट किया। बाबर ने कुलदीप के खिलाफ 52 गेंदों में सिर्फ 28 रन बनाए है। कुलदीप का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। एशिया कप टी20 में भी जब बाबर टीम में नहीं थे। उन्होंने तीन मैचों में पाकिस्तान के आठ विकेट लिए, जिनमें फाइनल में चार विकेट शामिल थे। कुलदीप बनाम बाबर मुकाबला देखने के लिए गंभीर को अर्शदीप सिंह की जगह इस कलाई के खब्बू स्पिनर को एकादश में शामिल करना होगा।

हार्दिक पंड्या बनाम उस्मान तारिक

अगर किसी भारतीय बल्लेबाज के पास उस्मान तारिक की 'स्टॉप एंड स्लिंग एक्शन' की रहस्य को तोड़ने का सबसे अच्छा मौका है, तो वह हार्दिक पंड्या हैं। यह देखने में मजा आएगा कि सलमान अली आगा तारिक का उपयोग कैसे करते हैं, खासकर सातवें से 16वें ओवर में जब इस मैच-अप के मुकाबले के अवसर ज्यादा होंगे। तारिक का क्रीज पर रुकना बल्लेबाज की योजना बिगाड़ सकता है, लेकिन पंड्या की बैक-लिफ्ट, मजबूत कोर और बड़े शॉट के लिए समान बल्ले की गति बनाने की क्षमता उन्हें फायदा देती है।पंड्या आम तौर पर गेंद फेंके जाने के बाद ही प्रतिक्रिया देते है।

शिवम दुबे बनाम अबरार अहमद, शादाब अहमद

स्पिनरों और खासकर कलाई के स्पिनरों के खिलाफ शिवम दुबे का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बाएं हाथ के इस लंबे कद के बल्लेबाज का स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट 193 से अधिक का रहा है। ईश सोढ़ी जैसे दायें हाथ के लेग स्पिनर के खिलाफ भी दुबे ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कड़ा प्रहार किया है। पाकिस्तान के अबरार अहमद और शादाब अहमद के खिलाफ दुबे अपने बड़े शॉट को आजमाने से पीछे नहीं हटेंगे।

ईशान किशन बनाम अफरीदी

अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में ईशान किशन शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ अपने स्ट्रोक की रेंज के साथ धावा बोल सकते हैं। वहीं, यह देखना रोमांचक होगा कि अफरीदी शॉर्ट-बॉल का प्रभावी इस्तेमाल कैसे करते हैं, क्योंकि किशन बहुत लंबे नहीं हैं। किशन का उसका जवाब देना काफी रोचक होगा।

खबर संक्षेप

प्रमोद ने रिकॉर्ड छठा विश्व खिताब किया अपने नाम

मनामा। भारत के प्रमोद भगत ने शनिवार को बीडब्ल्यूएफ पैरा विश्व चैंपियनशिप में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुषों के एसएल3 वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सैंतीस वर्षीय भगत ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 21-18 से हराकर विश्व चैंपियनशिप में लगातार चौथा एकल स्वर्ण और इस वर्ग में कुल मिलाकर छठा विश्व खिताब जीता। यह जीत एसएल3 वर्ग में भगत के दबदबे को दर्शाती है। एसएल3 वर्ग में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। भगत को पाच साल की उम्र में पोलियो हो गया था। उन्होंने 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में विश्व चैंपियनशिप एकल स्वर्ण पदक जीते थे।

कनाडा को एक्सपोजर की जरूरत : बाजवा

नई दिल्ली। कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का मानना है कि उनके जैसे एसोसिएट देश को क्रिकेट जगत से हमदर्दी की नहीं बल्कि फ्रेंचाइजी लीग और द्विपक्षीय क्रिकेट के जरिए एक्सपोजर की जरूरत है।

बाजवा ने कनाडा में फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रचार को खिलाड़ियों के लिए मनोबल बढाने वाला बताया क्योंकि उसके बिना उन्हें लगातार मैच अभ्यास नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा ,' मैं युवराज सिंह को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो कनाडा सुपर 60 लेकर आए। हमें इसी की कमी खल रही थी।

सोनी पिक्चर्स पर देख सकेंगे आईएसएल

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2025-26 सत्र का प्रसारण करेगा क्योंकि लीग के मीडिया अधिकार धारी 'फैनकोड' ने ब्रॉडकास्टर को 'लीनियर टेलीविजन' अधिकार का सबलाइसेंस दिया है। इस करार के अंतर्गत एसपीएनआई के पास भारत में आईएसएल 2025-26 सत्र के लिए एक्सक्लूसिव टीवी प्रसारण अधिकार होंगे जबकि अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका में गैर एक्सक्लूसिव अधिकार होंगे।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

ओमान के 8 बल्लेबाज नहीं पहुंच सके दोहरे अंक तक

आयरलैंड ने बनाया 235 रन का बड़ा स्कोर, ओमान को हराया, लोरकान टकर ने खेली नाबाद पारी

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए और उनकी पारी के दम पर आयरलैंड ने 3 विकेट पर 47 से उबरते हुए इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीम ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए। ओमान के 8 बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रेस और बैरी मैकार्थी को दो-दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं।

ओमान ने पावरप्ले के पांच ओवर स्पिनरों से कराए

इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए ओमान ने पावरप्ले के छह में से पांच ओवर स्पिनरों से कराए । इसका फायदा भी मिला जब 38 वर्ष के शकील ने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आयरलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन कर दिया। उन्होंने पहले ओवर में टिम टेक्टर को आउट किया, जिसके बाद रोस एडेयर का विकेट लिया। एडेयर ने शाह फैसल को तीन चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी लेकिन टिक नहीं सके। पांचवें ओवर में शकील ने हैरी टेक्टर को भी पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी 44 वर्ष के अनुभवी आमिर कलीम ने कुर्टिस कैम्फर का विकेट लिया। इसके बाद हालांकि टकर ने एक छोर संभालकर आयरलैंड की पारी को संभाला । आयरलैंड के कप्तान ने जेरेथ डेलानी (56) के साथ 56 गेंद में 101 रन की साझेदारी की। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (35) के साथ 19 गेंद में 70 रन जोड़े। डॉकरेल ने नौ गेंद की पारी में पांच छक्के जड़े। आयरलैंड ने आखिरी चार ओवरों में 86 रन बनाए।

आमिर ने लगाया 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक

ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीम टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्धशतक लगाते हुए आमिर कलीम ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सनथ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

आमिर सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

आमिर हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैंपबेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था। कलीम 2016 में ओमान की पहली टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कई एशिया कप क्वालिफायर और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन कैंपेन में हिस्सा लिया है। उन्होंने 54 टी20 मुकाबलों में 718 रन बनाने के अलावा 48 विकेट भी हासिल किए हैं।

टॉम बैंटन का तूफानी अर्धशतक

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से मात दी। यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही, जिसके साथ टीम ने ग्रुप-सी की प्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।ईडन गार्डन्स में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवरों में महज 152 रन पर सिमट गई। इस टीम को 18 के स्कोर तक 2 झटके लग चुके थे, जिसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन ने माइकल जोन्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की। जोन्स 20 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बेरिंगटन ने टॉम ब्रूस के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 71 रन जोड़ते हुए टीम को 113 के स्कोर तक पहुंचाया।

रशीद ने हासिल किए 3 विकेट

रिची बेरिंगटन ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 49 रन बनाए, जबकि टॉम ब्रूस 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इनके अलावा, ओलिवर डेविडसन ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से आदिल रशीद ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन ने 2-2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट जेमी ओवरटन और सैम करन ने हासिल किया।

इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में दर्ज की जीत

इसके जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 13 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से जैकब बेथेल ने टॉम बैंटन के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। बेथेल ने 28 गेंदों में 32 रन की पारी खेली। कुछ देर बाद कप्तान हैरी बूक (4) भी पवेलियन लौट गए। इस टीम ने 86 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे, जहां से सैम करन ने टॉम बैंटन के साथ 33 गेंदों में 46 रन जुटाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

जाहिर सूचना

श्री दराब अहमद निवासी D/2/13/5 डी.एल.एफ दिलशाद प्लाजा नियर भोपुरा, शिवाबाद, फसौंडा, गाजियबाद उत्तर प्रदेश 201005,

आपके द्वारा आईबीडी यूनिवर्सल प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व डेवलपर) के प्रोजेक्ट आईबीडी किंग्स पार्क वर्ड वे स्कूल के पास चावड़िया कला तहसील हुजूर जिला भोपाल 462039 (मध्य प्रदेश) में प्लॉट फ्लैमांक 602 (एमराल्ड ब्लॉक) 3 BHK वर्ष अक्टूबर 2014 में बुक गया था जो कि वर्ष 2018 से अधिपत्य के लिये तैयार है। उक्त प्रोजेक्ट का शेष निर्माण एवं विकास कार्य मार्च 2019 से हमारी पक्षकार फर्म अनमोल रियलिटी द्वारा किया जा रहा है। जैसा की आपने उक्त फ्लैट को क्रय करने हेतु आईसीआईसीआई बैंक नामक वित्तीय सस्थान से ऋण प्राप्त किया है जिसका आंशिक भुगतान बैंक द्वारा पूर्व डेवलपर कंपनी को किया गया है एवं आज दिनांक में उक्त फ्लैट के पेटे रू. 8,88,871/- (रुपए आठ लाख अठासी हजार आठ सौ इकहत्तर) एवं भुगतान विलम्ब पर ब्याज, टैक्स अतिरिक्त आदि का भुगतान आपके द्वारा हमारे पक्षकार फर्म को किया जाना शेष है। आईसीआईसीआई बैंक से प्राप्त जानकारी अनुसार आपके द्वारा बैंक की किस्तों का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिस कारण आपके द्वारा लिया लोन आज दिनांक मैं गैर-निष्पादित परिसंपत्ति की श्रेणी में है। अतः इस अंतिम सूचना के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि इस जाहिर सूचना दिनांक से सात दिवस के अंदर उक्त लोन अकाउंट को नियमित कर व फ्लैट के पेटे शेष राशि का भुगतान कर फ्लैट के विक्रय पत्र का निष्पादन अपने पक्ष में करवा लेवें अन्यथा मेरे पक्षकार, आपके और बैंक के मध्य निष्पादित त्रिपक्षीय अनुबंध की शर्तों के परिपालन में मेरे पक्षकार द्वारा आपके पक्ष में जारी किये गये आवंटन को निरस्त कर यह फ्लैट किसी अन्य ग्राहक को विक्रय कर प्राप्त राशि में से आईसीआईसीआई बैंक के साथ मौजूदा विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ को अपनाते हुए बैंक को भुगतान किया जायेगा और शेष राशि (यदि हो) का समायोजन अपने बकाया राशि में करने हेतु स्वतंत्र होंगे एवं इस पर किसी भी प्रकार का दावा / आपत्ति मान्य नहीं होगी। तदनुसार सूचित हो।

नारायण सिंह सोलंकी (एडवोकेट)
दुकान नंबर 77, आईबीडी सेंटर प्वाइंट चावड़िया चौराहा ई-8 एक्सटेंशन, भोपाल, 462039 म.प्र
मोबाइल: 9826884418

करन-धामने को मिला एकल वाइल्ड कार्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

डेविस कप खिलाड़ी करन सिंह और मानस धामने को सोमवार से डीएलटीए परिसर में शुरू हो रहे एटीपी दिल्ली ओपन के मुख्य ड्रॉ एकल मुकाबलों के लिए वाइल्ड कार्ड प्रदान किए गए हैं। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने हाल ही में नीदरलैंड के खिलाफ खेले गए डेविस कप मुकाबले में भारतीय टीम के रिजर्व सदस्य रहे दिग्विजय प्रताप सिंह को भी मुख्य ड्रॉ वाइल्ड कार्ड देने की पुष्टि की है। इसके साथ ही चार क्वालीफाइंग वाइल्ड कार्ड भी घोषित किए गए हैं। करन को यह मौका बेंगलुरु में डेविस कप टाई में भारत की जीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बाद मिला है, जबकि 18 वर्षीय मानस को भारतीय टेनिस की सबसे उज्ज्वल युवा प्रतिभाओं में से एक माना जाता है।

रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक धामने

डीएलटीए अध्यक्ष रोहित राजपाल ने कहा, /"करन सिंह और दिग्विजय प्रताप सिंह ने हालिया डेविस कप अभियान में अहम भूमिका निभाई थी और यह वाइल्ड कार्ड टीम की सफलता में उनके योगदान की मान्यता है।/" उन्होंने कहा, मानस धामने आज देश के सबसे रोमांचक युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। यह जरूरी है कि हम उन्हें दिल्ली ओपन जैसे टूर्नामेंट में अवसर प्रदान करें। इससे उन्हें उच्च स्तर पर अनुभव हासिल कर अपने खेल में सुधार करने का मौका मिलेगा।"डीएलटीए ने क्वालीफाइंग एकल मुकाबलों के लिए नितिन कुमार सिन्हा, इशाक इकबाल, उदित कंबोज और डेनिस येवसेयेव को भी वाइल्ड कार्ड प्रदान किए हैं।

अफ्रीका की लगातार तीसरी जीत, न्यूजीलैंड की पहली हार

- मार्को यानसन ने 4 विकेट झटके, मार्करम ने 44 बॉल पर 86 रन बनाए

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में लगातार तीसरी जीत हासिल की है। टीम ने शनिवार के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। इस जीत से टीम ग्रुप डी की पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर आ गई है। जबकि न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। अफ्रीकी टीम ने 176 रन का टारगेट 17.1 ओवर में 3 विकेट पर चेज कर लिया। डेविड मिलर ने सिक्स लगाकर टीम को जीत दिलाई। मार्को यानसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ऐडन मार्करम ने नाबाद 86 रनों की पारी खेली। उन्होंने 44 बॉल की पारी में 8 चौके और 4 छक्के लगाए। मिलर ने नाबाद 24 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 21, रायन रिकेल्टन ने 21 और क्विंटन डी कॉक ने 20 रन का योगदान दिया। कीवियों की ओर से मार्क चापमन ने सबसे ज्यादा 48 रन बनाए।

शीर्ष वरीय निकी पूनाचा व प्रूच्या इसारो ने चेन्नई ओपन युगल खिताब जीता

चेन्नई। भारत के निकी पूनाचा और थाईलैंड के प्रूच्या इसारो की शीर्ष वरीय जोड़ी ने शनिवार को यहां चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर पुरुष अंतरराष्ट्रीय टेनिस चैंपियनशिप का युगल खिताब जीता। भारत और थाईलैंड की इस जोड़ी ने ब्रिटेन के जे क्लार्क और भारत के मुकुंद शशिकुमार के खिलाफ शुरुआती झटके से उबरते हुए 6-4, 6-4 से मुकाबला अपने नाम कर खिताब जीत लिया। यह जीत पूनाचा के करियर का सातवां एटीपी चैलेंजर युगल खिताब और इसारो का चौथा खिताब है। पिछले साल शंघाई चैलेंजर में मिली सफलता के बाद यह उनका साथ में दूसरा खिताब भी था। पूनाचा और इसारो की जोड़ी ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना ग्रैंडस्लैम पदार्पण किया था। उन्हें 2,980 डॉलर (2,71,180 रुपये) की पुरस्कार राशि और 50 एटीपी रैंकिंग अंक मिले। क्लार्क और शशिकुमार ने 30 अंक और 1,740 डॉलर (1,58,340 रुपये) की पुरस्कार राशि का चेक जीता।

सीनियर फेडरेशन कुश्ती कप: रोहतक की बेटी सविता ने जीता सोना

हरियाणा की टीम बनी चैंपियन, कुल 28 पदक जीते

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

सीनियर फेडरेशन कुश्ती कप में हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। ग्रीको रोमन में चार स्वर्ण, पांच कांस्य पदक व कुल 183 अंक प्राप्त किए। फ्री स्टाइल में आठ स्वर्ण, दो रजत 240 अंक प्राप्त किए। लड़कियों में सात स्वर्ण, दो रजत व 223 अंक प्राप्त किए। इसमें हरियाणा की टीम तीनों श्रेणियों में चैपियन रही व कुल 28 पदक जीते। रोहतक की पहलवान बेटी सविता दलाल ने स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता 12 से 14 फरवरी तक उत्तर प्रदेश गाजियाबाद में आयोजित की गई।

हरियाणा की टीम को सम्मानित करते हुए।

हरियाणा कुश्ती संघ के प्रधान रमेश बोहर ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। कोच मनदीप, प्रदीप खारिया ,सुनील दुल, दिनेश शर्मा और दीपिका ने विजेता पहलवानों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

सविता ने गांव पिलाना और जिले का मान बढ़ाया

गांव पिलाना की बेटी सविता की कहानी है मिट्टी से उठे एक सपने की, जो न केवल उसके अपने लिए बल्कि पूरे गांव और जिले के मान-सम्मान के लिए था। जब भी कोई गांव का बच्चा बड़ा सपना देखता है तो उसकी नजर अपने बड़ों पर जाती है। सविता की नजर भी अपने दादा मुक्तार सिंह दलाल और पिता सुनील पर गई जो खुद कभी अखाड़े के चैंपियन हुआ करते थे। 2017 में जब सविता ने पहलवानी शुरू की तो यह सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक विरासत को आगे बढ़ाने का फैसला था। सविता ने बताया कि दादा और पिता का सपना है कि वह ओलंपिक में पदक जीतकर लाए। यह सपना सिर्फ उनका नहीं था बल्कि सविता की आंखों में भी पलने लगा था। सविता जिले के छोटूराम स्टेडियम में कोच मनदीप के पास अभ्यास करती है।

स्वर्ण पदक विजेता सविता दलाल।

सविता की उपलब्धियां

- 2018 में अंडर-14 स्कूली नेशनल में 44 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण जीता।
- 2019 में स्कूली नेशनल 50 किग्रा में स्वर्ण जीता।
- 2020 में स्कूली नेशनल में 54 किग्रा में स्वर्ण जीता।
- 2022 में अंडर-17 एशियन व वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता।
- 2023 में वर्ल्ड व एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।
- 2023 में अंडर-20 में वर्ल्ड व एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहित, पुत्र जगदीश निवासी मकान नं. ई-77, नेहरू कैंप, मंडावली, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 34951/2021, थाना पांडव नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **मोहित** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **मोहित** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 34951/2021, थाना पांडव नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहित** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **01.07.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रज्ञा गुप्ता
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
पूर्व जिला, कोर्ट नं. 29
कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/1652/ED/2026

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हा।रभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी तक होगा यह मेगा आयोजन, पीएम करेंगे अध्यक्षता

एआई शिखर सम्मेलन के लिए भारत ने भेजा 100 प्लस देशों को न्योता, पाकिस्तान बाहर

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की मेजबानी में आयोजित किए जाने वाले 'एआई इंपैक्ट शिखर सम्मेलन-2026' का अगले सप्ताह 16 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में भव्य आयोजन किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत ने दुनियाभर के कुल 100 से अधिक देशों को आमंत्रित किया है। जिसमें दक्षिण एशिया क्षेत्र में हमारे निकट पड़ोसी देश जैसे भूटान, श्रीलंका, चीन और बांग्लादेश भी शामिल हैं। पाकिस्तान को भारत ने आमंत्रित नहीं किया है। 16 फरवरी को पीएम मोदी इसका उद्घाटन करेंगे और उसके बाद संभवतः 18, 19 और 20 फरवरी को उनकी कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी। जिसमें एआई क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाने, आपसी संबंधों से जुड़े हुए विषयों के अलावा साझा हितों से संबंधित क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की जा सकती है।

आयोजन के अंत में जारी होगी परिणाम दस्तावेज

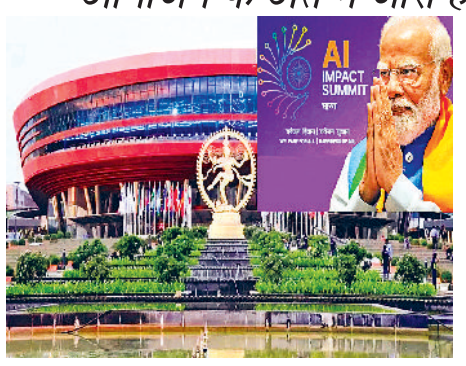

आयोजन के अंत में संयुक्त रूप से एक परिणाम दस्तावेज यानी आउटकम डॉक्यूमेंट भी जारी किया जाएगा। भागीदार देशों के चयन के पीछे की बड़ी वजह नीतिगत मानक हैं। भारत विश्व के उन देशों के साथ मामले में काम करने का इच्छुक है। जो एआई के मामले में जिम्मेदारी, प्रतिबद्धता के साथ ही एक सुरक्षित और विकास पर आधारित सहयोग को आगे बढ़ाने के पक्ष में खड़े हैं। अधिकारियों ने कहा कि चीन की एआई सम्मेलन में भागीदारी मंत्री या उप-मंत्री स्तरीय रहेगी। जबकि अमेरिका की भी कुछ समान ही सरकारी स्तर की भागीदारी देखने को मिलेगी।

रजिस्ट्रेशन का आंकड़ा 2 लाख के पार

अधिकारियों ने कहा कि अब तक एआई सम्मेलन में शामिल होने के लिए कुल 2 लाख अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। जिसमें युवाओं के साथ ही विदेशी भागीदारी भी देखने को मिलेगी। सम्मेलन को लेकर भारत ने तीन सूत्र दिए हैं और उसे 'पीपल (लोग), प्लेनेट (पृथ्वी) और प्रोग्रेस (विकास)' का नाम दिया है। वहीं, 7 थीम पर समान संख्या में बनाए गए कार्य-समूहों की चर्चा भी सम्मेलन में देखने को मिलेगी। मुख्य रूप से देखें तो इस आयोजन की मदद से भारत में दुनिया भर के देशों से आए शीर्ष नेता एआई से जुड़ी नीति, नवाचार, निवेश, नैतिकता, सुरक्षा और सहयोग जैसे जरूरी मुद्दों पर गहन विचार विमर्श करेंगे। देश की सोच इस मामले में एआई का इस्तेमाल एक हथियार के तौर पर नहीं बल्कि विकास के लिए किए जाने पर केंद्रित है। आयोजन में 20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति सहित), 45 मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल और 30 उप-मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के अलावा वैश्विक संगठनों, सीईओ और टेक कंपनियों के दिग्गजों की भागीदारी देखने को मिलेगी।

देश में होगा चौथा एआई सम्मेलन

पहला एआई सम्मेलन ब्रिटेन में हुआ था। उसके बाद दक्षिण कोरिया में इसका आयोजन किया गया। तीसरा सम्मेलन फ्रांस में हुआ है और अब भारत में होने वाला यह चौथा एआई शिखर सम्मेलन है। भारत के इस कार्यक्रम में ग्लोबल साउथ के 9 देश शामिल होंगे। सम्मेलन में एआई जैसी तकनीक की सहायता से बड़ी चुनौतियों जैसे आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन और इसके ईद-गिर्द घूमते मसलों जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य के बुनियादी विषयों से जुड़ी जटिलताओं का समाधान ढूंढने में मदद मिलेगी।

रक्षा संबंधों को मजबूत बनाने पर रहेगा जोर, शीर्ष सैन्य अधिकारियों से होगी मुलाकात

अगले सप्ताह से ऑस्ट्रेलिया की चार दिवसीय यात्रा पर रहेंगे सेनाप्रमुख

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हुई सुरक्षा चुनौतियों के दौर में सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी अगले सप्ताह सोमवार से ऑस्ट्रेलिया की चार दिवसीय (16 से 19 फरवरी तक) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूदा रक्षा सहयोग और आपसी तालमेल को और अधिक मजबूत बनाना है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि यात्रा के तहत कैनबरा पहुंचने पर सेनाप्रमुख की ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष सैन्य और असैन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात होगी। जिसमें वह ऑस्ट्रेलिया के अपने समकक्ष यानी सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट में भी मिलेंगे। सेनाप्रमुख की यह यात्रा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को मजबूत बनाने के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा के लिए संयुक्त योगदान देने की दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

2026 में भारत में होगा ऑस्ट्राहिंद युद्धाभ्यास

गौरतलब है कि यह दूसरी डिवीजन ही है, जिसकी टुकड़ी भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त युद्धाभ्यास ऑस्ट्राहिंद में भाग लेती है। इस सैन्य अभ्यास का अगला संस्करण इसी साल 2026 में भारत में आयोजित किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया युद्ध स्मारक में सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। ये गौरवशाली परंपरा दोनों देशों के साझा बलिदान और सैन्य सेवा की विरासत को सम्मान देने का प्रतीक है। साथ ही उनका ऑस्ट्रेलिया में रह रहे भारत के पूर्व सैनिकों से मिलने का कार्यक्रम भी रहेगा।

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों को करेंगे संबोधित

मंत्रालय ने कहा, जनरल द्विवेदी ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और रक्षा विभाग के सचिव से मुलाकात करेंगे। वह जॉइंट ऑपरेशन कमांड भी जाएंगे। जहां उनकी कमांडर (जॉइंट ऑपरेशन) से भेंट होगी और उनसे बातचीत में उन्हें ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों की कार्यप्रणाली के बारे में व्यापक रूप से अवगत कराया जाएगा। दोनों पक्षों के बीच वार्ता के बाद ऑस्ट्रेलिया के सशस्त्र बलों के मुख्यालय में एक विस्तृत गोलमेज चर्चा होगी। जिसका मुख्य एजेंडा रक्षा सहयोग, सैन्य आधुनिकीकरण और भविष्य के अभियानों पर केंद्रित रहेगा। ऑस्ट्रेलिया रक्षा बलों के कमांडर से चर्चा के अलावा कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में सैन्य अधिकारियों को भारतीय सेनाप्रमुख संबोधित करेंगे। आपसी संवाद की इस प्रक्रिया में पूरा जोर दोनों सेनाओं के मध्य आपसी सहयोग को प्रगाढ़ बनाना है। जिसमें प्रशिक्षण, संयुक्त युद्धाभ्यास, एक-दूसरे के अनुभवों का आदान-प्रदान और क्षमताओं को सशक्त करना है। यात्रा के दौरान सेनाप्रमुख जनरल द्विवेदी सिडनी भी जाएंगे। जहां फोर्सेज कमांड, स्पेशल आपरेशंस कमांड और दूसरी डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संवाद करेंगे।

बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की जीत पर तारिक रहमान का संदेश

देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर बहाल हुआ, अब पुनर्निर्माण का समय आया

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान ने इसे जनता की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि यह जीत लोकतंत्र के लिए बलिदान देने वाले लोगों को समर्पित है। चुनाव नतीजों के बाद ढाका के एक होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में तारिक रहमान ने कहा कि आज से देश में आजादी और अधिकारों का असली स्वरूप फिर से बहाल हुआ है। उन्होंने सभी दलों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि अलग-अलग राजनीतिक विचार हो सकते हैं, लेकिन देशहित में सभी को साथ रहना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय एकता ही सबसे बड़ी ताकत है और बंटवारा सबसे बड़ी कमजोरी। रहमान ने कहा कि लोगों ने तमाम बाधाओं को पार कर लोकतंत्र की राह दोबारा खोल दी है और सीधे वोट से जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई है। बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उन्होंने समर्थकों से भी संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की। तारिक रहमान के करीबी सहयोगी और अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने वाले हुमायूं कबीर ने कहा कि नई सरकार भारत के साथ लोगों के बीच संबंध मजबूत करना चाहत है।